प्रयागराज, रविवार, 15 जनवरी, 2023
माघ मास, कृष्ण पक्ष 9, वर्ष 11, अंक 266, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
मकर संक्रान्ति
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित
नगर संस्करण
E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अब बिजली भी पैदा करेंगे यूपी के किसान

योगी सरकार ने तैयार की योजना, अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता बनाने की है तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अन्नदाता किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए विशेष योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नदाता किसानों को ऊर्जादाता किसानों के रूप में भी विकसित करने का निर्णय लिया है। सीएम योगी की योजना को यूपी पावर कॉरपोरेशन (यूपीपीसीएल) ने कुसुम योजना के माध्यम से 6 जिलों में लागू करने का निर्णय लिया है। निजी विकासकर्ताओं (किसानों) के साथ 7 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की परियोजनाओं पर पावर परचेज एग्रीमेंट किया गया है।

इसके तहत किसान अपनी बंजर जमीन पर सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र की स्थापना करेंगे। इसमें विभिन्न बैंक उनकी मदद करेंगे। सरकार भी इसमें सब्सिडी प्रदान करेगी। इस सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र के माध्यम से पैदा होने वाली बिजली को किसान सरकार या निजी बिजली कंपनियों को बेचकर अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे। योजना के

विशेष योजना

योगी सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए सोलर ऊर्जा से जोड़ने की बनाई योजना

प्रदेश के छह जिलों में शुरू हुई कवायद, किसानों के साथ सोलर ऊर्जा की खरीद का करार

तहत बिजनौर, हाथरस, महोबा, जालौन, देवरिया तथा लखनऊ में सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र की स्थापना की जाएगी।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने बताया कि बिजनौर के ग्राम विलासपुर में 1.5 मेगावाट, हाथरस के ग्राम मौहारी में आधा मेगावाट, महोबा के ग्राम देवगांव में एक मेगावाट, जालौन के ग्राम खुक्सिस में एक मेगावाट, देवरिया के ग्राम बरियारपुर में एक मेगावाट तथा लखनऊ के ग्राम परसेनी में 2 मेगावाट

सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस योजना से किसानों को दो तरह के लाभ मिलेंगे। पहले पुराने डीजल सिंचाई पंप की जगह वो सोलर पैनल से चलने वाले सिंचाई पंपों का प्रयोग कर पाएंगे। दूसरा उन्हें खेत में लगे सोलर प्लांट से उत्पन्न बिजली को बिजली कंपनियों को बेच कर एक्स्ट्रा आय के तौर पर सालाना 80 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। सरकार इस योजना के तहत किसानों को सब्सिडी के तौर पर सोलर पंप की कुल लागत का 90 प्रतिशत रकम देती है। इस योजना के अंतर्गत किसान अपनी बंजर जमीनों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा से बिजली बना सकते हैं तथा इसे विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी बिजली कंपनियों को बेचकर प्रतिमाह पैसा कमा सकते हैं। कुसुम योजना के अंतर्गत 1 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाने के लिए 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है। यानी, एक एकड़ जमीन 0.2 मेगा वाट बिजली उत्पन्न करती है। इस योजना के

सोलर संबंधित जानकारी के लिए वॉट्सऐप नंबर

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड- 8010968292
मंध्याचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड- 88010924203
दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड- 8010957826
पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड- 7859804803
केस्को- 8189045247

माध्यम से किसान अपने क्षेत्र की बिजली से जुड़ी समस्याओं को भी खत्म कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले पंप बिजली और डीजल से चलने वाले कृषि पंप की जगह स्थापित किए जाएंगे।

यूपी पावर कारपोरेशन बिजली उपभोक्ताओं को वाट्सएप मैसेज के माध्यम से विद्युत बिल एवं समस्याओं के समाधान की सुविधा पहुंचा रहा है। इस समय प्रदेश में लगभग 3 करोड़ 30 लाख विद्युत उपभोक्ता हैं, जिसमें 33 लाख उपभोक्ताओं ने मैसेज प्राप्ति की सुविधा का लाभ लेने की सहमति दी है। यूपीपीसीएल के अध्यक्ष एम देवराज ने सभी उपभोक्ताओं तक इस सुविधा का लाभ पहुंचाने हेतु एक अभियान चलाने हेतु निर्देश दिए हैं। शक्ति भवन में आयोजित बैठक में उन्होंने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं से अपील भी की है कि पावर कारपोरेशन द्वारा दी जा रही इस सुविधा का लाभ उठाएं। बिजली बिल और अन्य समस्याओं का ऑनलाइन निराकरण कराएं।

एम देवराज ने बताया कि प्रदेश के लगभग 33 लाख उपभोक्ता इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं। इसके लिये उपभोक्ताओं को अपनी सहमति देनी पड़ती है। वॉट्सऐप सुविधा प्राप्त करने के लिए डिस्कॉम के मोबाइल नंबर पर मैसेज कर सकते है या फिर मोबाइल नंबरों पर मिस्ड कॉल देकर विद्युत बिल से संबंधित जानकारी एवं विद्युत संबंधी समस्याओं के तेजी से समाधान के लिए वॉट्सऐप से जुड़ सकते है।

दिल्ली को दहलाने की साजिश नाकाम

हैंड ग्रेनेड के साथ खून के निशान भी मिले

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 26 जनवरी से पहले बड़ी कार्रवाई की है। स्पेशल सेल ने कनाडा में बैठे आतंकी अर्शदीप डल्ला के दो साथियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकी गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली को माहौल खराब होने के लिए टॉरगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। पुलिस को आतंकियों के मोबाइल से आतंकी वारदात का ब्लू प्रिंट मिला है। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार आतंकी जगजीत सिंह उर्फ जग्गा उर्फ जस्सा उर्फ याकूब उर्फ कप्तान और नौशाद के कब्जे से तीन आधुनिक पिस्टल व 22 कारतूस बरामद किए गए हैं। दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने आरोपियों के गिरफ्तार करने की पुष्टि की है।

जग्गा के कनाडा में रह रहे एक खालिस्तानी आतंकवादी से संबंध होने का संदेह है। पुलिस ने बताया था कि नौशाद आतंकवादी संगठन हरकत उल-अंसार से जुड़ा है। जगजीत कुख्यात बंबीहा गिरोह का सदस्य है और उसे विदेश में रहने वाले राष्ट्र-विरोधी तत्वों से निर्देश मिलते रहे हैं। पुलिस ने कहा था कि वह उत्तराखंड में हत्या के एक मामले में पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था।

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 26 जनवरी को देखते हुए स्पेशल सेल में तैनात एसीपी ललित मोहन नेगी की देखरेख में कई टीमें आतंकी व शरारती तत्वों पर नजर रखे हुए थीं। कई दिन की निगरानी के बाद

चौकसी

26 जनवरी से पहले खालिस्तानी आतंकी डल्ला का मददगार गिरफ्तार

जग्गा और नौशाद की निशानदेही पर मिले ग्रेनेड, संदिग्धों को विदेश से मिलते थे कमांड

स्पेशल सेल ने कोपा किरपाली गुलाट भोज, उधम सिंह नगर उत्तराखंड निवासी जगजीत सिंह (29) और जहांगीरपुरी दिल्ली निवासी नौशाद (56) को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। नौशाद आतंकी संगठन हरकत उल अंसार का सदस्य रहा है। उसे हत्या के दो मामलों में उम्र कैद और विस्फोटक अभिनियम के तहत 10 वर्ष की सजा हो चुकी है। जगजीत सिंह पंजाब के बंबीहा गिरोह का सदस्य है। उसे देशविरोधी वारदातों के लिए कनाडा में बैठे आतंकी अर्शदीप डल्ला से निर्देश मिलते थे। उसे अर्शदीप का खास सहयोगी बताया जा रहा है। वह उत्तराखंड में हत्या के मामले में पेरोल जंप कर गया था। अर्शदीप डल्ला खालिस्तान टास्क फोर्स(केटीएफ) का खूंखार आतंकी है। भारत सरकार ने उसे दो दिन पहले ही आतंकी घोषित किया था। अर्शदीप वर्ष 2017 में कनाड़ा फरार हो गया था। तभी से वह कनाडा से देश में देश विरोधी गतिविधियां चला रहा है।

NARAYANDAS
नरायन दास सराफ ज्वेलर्स
SUNDAY OPEN

नितिन गडकरी को जान से मारने की धमकी

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को जान से मारने की धमकी मिली है। नितिन गडकरी के नागपुर स्थित कार्यालय में शनिवार (14 जनवरी 2023) सुबह तीन बार धमकी भरे फोन आए। नागपुर पुलिस का कहना है कि आगे की जांच जारी है।

नागपुर स्थित कार्यालय में लैंडलाइन फोन पर किसी अज्ञात शख्स द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। नितिन गडकरी के कार्यालय की ओर से इसकी शिकायत नागपुर पुलिस को दी गई है। नागपुर पुलिस ने जानकारी दी कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित कार्यालय में सुबह 11.30 से 12.30 बजे के बीच तीन बार धमकी भरे दो कॉल आए। आगे की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, किसी अज्ञात व्यक्ति ने नितिन गडकरी के

जांच शुरू

गडकरी के ऑफिस में आया तीन बार कॉल, केंद्रीय मंत्री की बढ़ाई गई सुरक्षा

नागपुर स्थित कार्यालय में फोन कर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसके साथ ही उनके कार्यालय को भी उड़ाने की धमकी दी गयी। नितिन गडकरी के कार्यालय में सुबह लगातार तीन बार फोन आए। केंद्रीय मंत्री के कार्यालय की ओर से मिली शिकायत के बाद नागपुर पुलिस आगे की तफ्तीश करने जुट गई है। पुलिस कॉल करने वाले की लोकेशन ट्रेस कर रही है। केंद्रीय मंत्री का जनसंपर्क कार्यालय नागपुर के खामला चौक पर स्थित है। डीसीपी नागपुर राहुल मदान ने जानकारी दी,

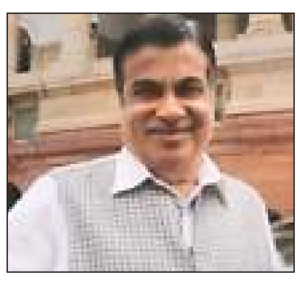

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय के लैंडलाइन पर इरठछ से सुबह 11.25 बजे, 11.32 बजे और दोपहर 12.32 बजे तीन कॉल आईं। कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। आगे की जांच चल रही है। डिटेल मिल रहे हैं और हमारी क्राइम ब्रांच सीडीआर पर काम करेगी। एक विश्लेषण चल रहा है। मौजूदा सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंत्री गडकरी के कार्यक्रम स्थल पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जिस नंबर से कॉल की गई उसे ट्रेस कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी की कोशिशें जारी हैं।

बीजेपी के नेता को खालिस्तानी आतंकी की धमकी

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के नेता जसपाल सिंह अरोड़ा को खालिस्तान समर्थक और एसजेएफ के आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी है। इस बात की जानकारी खुद भाजपा नेता जसपाल सिंह अरोड़ा ने दी है। दरअसल एसजेएफ के आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का सिर काटकर लाने वाले व्यक्ति को बीजेपी नेता जसपाल सिंह अरोड़ा ने अपनी तरफ से 10 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की थी।

लखनऊ में पकड़ा गया बांग्लादेशी डकैत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बांग्लादेशी डकैत को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार पकडे गए डकैत का नाम असलम है। ये गिरोह बनाकर कई बड़ी वारदातों को अब तक अंजाम दे चुका है। सूत्रों के अनुसार राजधानी की चिनहट पुलिस ने देर रात इस शातिर को गिरफ्तार किया है। जबकि इसके 4 साथी अभी भी फरार हैं। पुलिस गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ में जुटी है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के पास से आधार कार्ड, श्रम कार्ड सहित 2174 रुपये बरामद किए गए हैं। असलम मूल रूप से बांग्लादेश का रहने वाला है और गिरोह बंद डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देता था इसने राजधानी लखनऊ में भी कई घटनाओं को अंजाम दिया था। इसके गैंग में एक दर्जन से अधिक सदस्य हैं जो अलग-अलग जगह पर रहते हैं और घटना को अंजाम देने के लिए इकट्ठा होते हैं।

पीएम मोदी को लेकर आरजेडी का विवादित पोस्टर, मचा बवाल

राबड़ी के घर के बाहर चस्पा पोस्टर में नीतीश द्वारा पीएम को मारने की बात की गई

पटना। बिहार की राजधानी पटना में आरजेडी के पोस्टर पर विवाद खड़ा हो गया है। पीएम मोदी के खिलाफ आरजेडी ने बेहद विवादित पोस्टर लगवाया है। ये पोस्टर बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी के घर के बाहर लगा है। पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मारने की की बात की गई है। पोस्टर में लिखा है कि जैसे राम ने रावण को मारा और कृष्ण ने कंस को मारा वैसे ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मारेंगे। पोस्टर में सीएम नीतीश कुमार को हाथ में तीर धनुष के साथ दिखाया गया है। साथ में राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, शरद पवार, केसीआर की तस्वीर भी लगी है और सामने नरेंद्र मोदी हैं। ये विवादित पोस्टर छपरा के अमनौर विधानसभा की महिला आरजेडी महासचिव पूनम राय ने लगाया है।

ट्रक व स्कूल बस में टक्कर

हादसा

दस लोग घायल, हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार

रेणुकूट। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के मुर्धवा-हाथीनाला मार्ग पर शनिवार की सुबह एक स्कूल बस-ट्रक की भिड़ंत में 10 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को हिंडाल्को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सभी का इलाज कराकर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

क्षेत्र के खाड़पाथर में स्थित बाबूराम सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय की बस शनिवार की सुबह छात्रों और अध्यापकों को लेकर रेणुकूट से कॉलेज की ओर जा रही थी। इस दौरान मुर्धवा से आगे बढ़ने पर ट्रक चालक द्वारा गलत दिशा में जाकर बस को सामने से धक्का मार दिया गया। जिससे बस में

हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़

बैठे लगभग 10 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। चौकी प्रभारी शिवकुमार सिंह ने बताया कि ट्रक चालक की गलती से हुए इस हादसे में प्रज्ञा सिंह पत्नी विकास सिंह, सुमन देवी पत्नी मुकेश साहनी, किरण यादव पत्नी अशोक यादव, श्रुति सिंह पुत्री अखिलेश्वर सिंह, रीना यादव पत्नी किशन यादव, आशीष तिवारी पुत्र वीरेंद्र तिवारी सभी निवासी रेणुकूट, रंजीत कुमार पुत्र नंदलाल, रिशु सिंह पत्नी चंद्रबली सिंह निवासी पिपरी व बस चालक भजन पाल 55 निवासी खाड़पाथर घायल हो गए। सभी घायलों को हिंडाल्को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं ट्रक को लेकर वाहन चालक फरार हो गया।

मनीष सिसोदिया के ऑफिस पर सीबीआई की रेड

नई दिल्ली। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ऑफिस में सीबीआई की रेड पड़ी है। शाम 4 बजे ट्वीट करते हुए मनीष सिसोदिया ने इसकी जानकारी दी। सिसोदिया ने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज फिर मेरे दफ्तर सीबीआई पहुंची है उनका स्वागत है। इन्होंने मेरे घर, दफ्तर पर रेड कराई कुछ नहीं मिला। मेरे गांव

तक गए लॉकर तक में छानबीन की लेकिन कुछ नहीं मिला और नहीं मिलेगा। वहीं सीबीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि छापेमारी नहीं की जा रही है। आबकारी केस से जुड़े केस में कुछ दस्तावेज लेने के लिए टीम सचिवालय गई थी और उसके बाद वहां से निकल गई।

कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी का निधन

जालंधर। पंजाब के जालंधर से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह का शनिवार सुबह निधन हो गया। वे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे। यात्रा के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। बताया जा रहा है कि संतोख सिंह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ चल रहे थे तभी उनकी धड़कन तेज हो गई। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। राहुल गांधी की यात्रा आज सुबह 7 बजे लुधियाना के लोडोवाल से शुरू हुई थी। यात्रा को सुबह 10 बजे जालंधर के गोराया में पहुंचना था। अचानक सांसद को हार्टअटैक आया और वे गिरकर बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका के निधन हो गया। 24 घंटे के लिए रोकी यात्रा :

दुखद

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान आया हार्ट अटैक

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिल का दौरा पड़ने के कारण कांग्रेस नेता एवं सांसद संतोख सिंह चौधरी के निधन के बाद पार्टी ने उनके सम्मान में शनिवार को एक दिन के लिए यात्रा रोक दी। यात्रा इस समय पंजाब में है।

ललित मोदी कोविड निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी को कोविड-19 और निमोनिया के कारण लंदन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने लंदन लुटोन हवाई अड्डे पर पहुंचने की तस्वीरों के साथ इंस्टाग्राम पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह अभी मेक्सिको सिटी से विमान से लाए जाने के दौरान बाहरी ऑक्सीजन प्रणाली की मदद ले रहे हैं। ललित मोदी ने उपचार की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, दो सप्ताह में दो बार कोविड के साथ इनफ्लूएंजा और गंभीर निमोनिया के चलते तीन सप्ताह तक कैद रहने के बाद आखिरकार दो डॉक्टरों के साथ हवाई एम्बुलेंस के जरिए पहुंच गया हूं। उन्होंने कहा कि उड़ान सुगम रही। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से अब भी चौबीस घंटे बाहरी ऑक्सीजन प्रणाली की मदद ले रहा हूं। ललित मोदी ने मेक्सिको सिटी में उनका इलाज करने वाले और वापस ब्रिटेन लाए जाने के दौरान उनके साथ आए डॉक्टरों का शुक्रिया अदा किया।

जोशीमठ-औली रोपवे के प्लेटफॉर्म में दरार

अगले आदेश तक बंद, वैज्ञानिकों की टीम ने किया निरीक्षण

देहरादून। उत्तराखंड के जोशीमठ में भू-धंसाव के चलते जोशीमठ-औली को जोड़ने वाली रोपवे के प्लेटफॉर्म में दरार आ गई है। खतरे को देखते हुए रोपवे को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

रोपवे में आयी दरारों के बाद रोपवे मैनेजर दिनेश भट्ट ने बताया, ह्ययह दरारें कल से आई हैं और इससे खतरा बना हुआ है। हमने एहतियात के तौर पर रोपवे बंद किया है। रोपवे अगले आदेश तक बंद है। मैंने रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है। जोशीमठ की स्थिति के कारण रोपवे को 5 जनवरी से बंद कर दिया गया है। वहीं, इंजीनियरों की टीम ने जोशीमठ में दरार वाले घरों का निरीक्षण किया। भू-धंसाव के चलते प्रसाशन ने जोशीमठ में घरों के ध्वस्तीकरण का काम शुरू किया।

वैज्ञानिक बोले

जिन घरों में दरारें आई हैं उनकी स्थिति अच्छी नहीं

सीबीआरआई के चीफ इंजीनियर डॉ. अजय चौरसिया ने कहा कि जोशीमठ के 9 वार्डों में 4000 भवनों का आकलन किया जा रहा है। हम भवनों के विवरण का आकलन कर रहे हैं कि भवन का निर्माण कैसे किया गया, किस सामग्री का उपयोग किया गया, क्या यह निर्धारित मानदंडों के अनुसार था? उन्होंने कहा कि जिन घरों में दरारें आने की सूचना मिली है, उनके बाहर मीटर नापें मूल्यांकन रिपोर्ट उत्तराखंड सरकार को प्रस्तुत की जाएगी ताकि वे उसके अनुसार एक प्रशासनिक योजना बना सकें। जोशीमठ भू-धंसाव प्रभावित

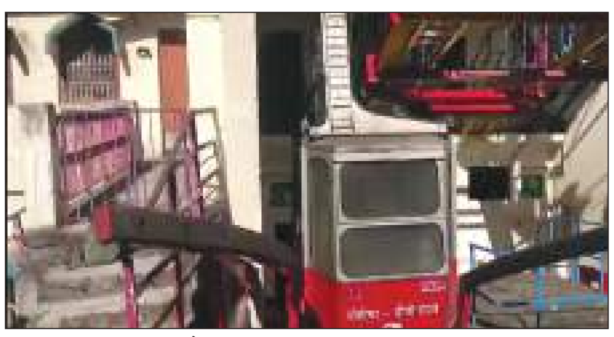

क्षेत्र का पर्यावरण और जलवायु वैज्ञानिकों की टीम ने निरीक्षण किया। वैज्ञानिक डॉ. जेसी कुनियाल ने बताया, हम पर्यावरण और पारिस्थितिक आकलन करेंगे और यहां पानी की गुणवत्ता का भी आकलन करेंगे। हमारी 4-5 टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में इस पर काम कर रही हैं। डॉ जेसी कुनियाल ने जानकारी दी, जिन घरों में दरारें आई हैं, उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। सरकार ने पहले ही उन लोगों का पुनर्वास कर दिया है। हम देख रहे हैं कि क्या भूमि के और धंसने की संभावना है या क्या भूमि को उसकी मूल स्थिति में बहाल किया जा सकता है। यह हमारे लिए चुनौती की बात है।

सुल्तानपुर से ही लोकसभा चुनाव लड़ेंगी मेनका गांधी

सुल्तानपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद मेनका गांधी सुल्तानपुर से एक बार फिर लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरेंगी। अपने कार्यों के आधार पर अपनी दावेदारी पेश करती वे दिख रही हैं। इसके संकेत उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर दिए हैं। उन्होंने अपना फ्यूचर रोडमैप भी शेयर किया है। तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचीं मेनका गांधी ने कहा कि ये मेरा आखरी साल है। मैं चाहती हूं कि आखिरी मिनट में भागा-दौड़ी न करें। इससे अच्छा है कि हर गांव के जो 15-20 मुखिया लोग हैं, उनसे बात करके अभी से ही हम लोग तैयारी करें। मेनका गांधी ने ये भी कहा कि अगर मुझमें कोई कमी है तो यही वक्त है बताने के लिए। अगर हम गलतियां कर रहे हैं तो ये समय सुधार का है। मेनका ने कहा है कि मेरी अब इतनी उम्र नहीं है कि एक दिन में 70-70 मीटिंग करूं।

यूपी के 20 जिलों में ऑरेंज व 30 जिलों में येलो अलर्ट जारी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समते यूपी के कई जिलों में मौसम की करवट ने सुबह से ही आसमान साफ रखा और धूप निकलने से लोगों ने सर्दी से राहत महसूस की। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार से एक बार फिर से घने कोहरे के आसार हैं। सोमवार से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में शीतलहर के लिए चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम केंद्र के वैज्ञानिक एम दानिश के अनुसार शनिवार से एक बार फिर तापमान में दो से चार डिग्री तक की गिरावट शुरू हो रही है। साथ ही पश्चिमी हवाओं का असर भी देखने को मिलेगा। इसकी वजह से गलन का अहसास हो सकता है। शीत दिन की स्थिति भी बनेगी। ठंडी हवा और कोहरे से बचाव के लिए उपाय करने चाहिए। कोहरे के अलर्ट के

मौसम

घने से अत्यधिक घने कोहरे की चेतावनी जारी

साथ 15 जनवरी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तराई बेल्ट के जिलों और पूर्वांचल समेत 20 जिलों में घने कोहरे के साथ शीत दिन के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इनमें सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर , मुरादाबाद, रामपुर , बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर और देवरिया शामिल हैं।

इनके अलावा अन्य 30 जिलों में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके तहत कोहरे के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, लखनऊ और आसपास के जिलों में शनिवार को मध्यम से घना कोहरा हो सकता है। प्रदेश के कुछ जिलों में घने से अत्यधिक घने कोहरे के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम शुष्क रहेगा।

संक्षेप

मेला में आर्केस्ट्रा के कारण हुई मारपीट

खीरी। पिछले वर्ष घोघर बीर मेला में आर्केस्ट्रा का आयोजन नहीं था। इस वर्ष स्थानीय स्तर पर जानकारी के अनुसार खीरी पुलिस के मिलीभगत से आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। आर्केस्ट्रा आयोजन में एक व्यक्ति का सिर फूट गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर दो पिकेट के सिपाही लगाए गए थे आरोप है कि उक्त मारपीट के समय अनुपस्थित थे।एक व्यक्ति के साथ पाकेट मारी हो गया ।जनकरो के अनुसार अव्यवस्था के कारण ही इस तरह का अप्रिय घटना हुआ है। मामले में खीरी थाना अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि घटना का जानकारी मिला है । जांच कर कार्यवाही कि जा रही है।

एमएलसी प्रत्यासी सुरेश त्रिपाठी के समर्थन में बैठक कल

मेजा। इलाहाबाद झांसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्यासी सुरेश कुमार त्रिपाठी के समर्थन में बद्रीनाथ तिवारी इंटर कॉलेज मेजारोड में कल दिन में 11 बजे एक बैठक आयोजित होगी । उक्त आशय की जानकारी शिक्षक अजीत सिंह ने देते हुए बैठक में सभी शिक्षकों की उपस्थिति प्रार्थनीय है । उन्होंने बताया कि बैठक में त्रिपाठी को चुनाव में भारी मतों से जिताने की रणनीति तैयार की जाएगी ।

नई प्लेटीना बाइक 110 सीसी का हुआ लाचिंग

करछना। यमुनापार के कोहडार बाजार में शुक्रवार को नई प्लेटीना बाइक 110 सीसी की लाचिंग की गई ! कोहडार के बीके आटोमोबाइल में मुख्य अतिथि डाक्टर ए के यादव व डाक्टर ए के मौर्या रहे! यूनाइटेड आटोमोबाइल के एरिया मैनेजर शम्श तबरेज ने नई प्लेटीना बाइक 110 एबीएस के बारे में बताया कि इस बाईक में ब्रेकिंग कंट्रोलिंग सिस्टम व सिटिंग माइलेज में जो आज तक की सभी बाईकों में शानदार है। आटोमोबाइल शोरूम के मैनेजर दीपू सिंह ने बताया कि इस बाईक की कीमत सबसे कम कीमत की एबीएस सिस्टम की बाईक है जिसे बेहतरीन तरीके से लोगों को पसंद आएगी।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली, घायल

नैनी। मुंगारी गांव में शनिवार की सुबह लोग मकर संक्रांति के त्योहार मनाने में लगे थे। उसी दौरान गोली चलने की आवाज ने गांव में सनसनी फैला दी। लोग जब मौके पर पहुंचे तो उसी गांव का एक युवक गोली लगने से जमीन पर पड़ा तड़प रहा था। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के मुंगारी गांव निवासी अयोध्या प्रसाद चौधरी का पुत्र संदीप चौधरी 25 वर्षीय शनिवार की सुबह करीब 8:30 बाइक से कहीं जा रहा था। जैसे ही वह गांव के बाहर सड़क पर पहुंचा पहले से घात लगाए खड़े बाइक सवार युवकों ने उस पर फायर झोंक दिया। गोली उसके पीठ पर लगी, जिससे वह बाइक से नीचे गिरकर तड़पने लगा। गोली की आवाज सुनकर गांव वाले जब उधर दौड़े तो हमलावर वहां से भाग गए । आनन-फानन में उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से

अस्पताल में घायल से पूंछताछ करती पुलिस

गंभीर अवस्था में उसे एसआरएन रेफर कर दिया गया। उसे गोली क्यों मारी गई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इंस्पेक्टर संजीव चौबे का कहना है कि परिवार वालों से पूछताछ चल रही है। घायल संदीप की पीठ में गोली लगी है। वह खतरे से बाहर है। उसका एसआरएन में इलाज चल रहा है। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

उरुवा के घूघा और उंचडीह में लगी जन चौपाल

उरुवा। विकास खंड क्षेत्र उरुवा के घूघा और उंचडीह गांव में शुक्रवार को जनता चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें खंड विकास अधिकारी और एडीओ पंचायत सहित गांव के अनेक गणमान्य लोगों ने जनता चौपाल में शिरकत की। शुक्रवार को उरुवा ब्लॉक के घूघा में खंड विकास अधिकारी उरुवा कुमार गौरव की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल लगाया गया। जिसमें एक शिकायत आयी, जिसे खंड विकास अधिकारी कुमार गौरव ने तत्काल निस्तारित कर दिया। वहीं उरुवा के उंचडीह गांव में सहायक पंचायत अधिकारी सुदामा राम गावड़े की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें कुल चार शिकायतें आयी,जिसे एडीओ पंचायत श्री गावड़े ने ब्लॉक कर्मचारियों की मदद से आवश्यक जांच के बाद निस्तारित कर दिया। इस मौके पर दोनों गांव के ग्राम प्रधान, सचिव, ब्लॉककर्मी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में चलें ईंट पत्थर, आधा दर्जन घायल

जमीनी विवाद

पुलिस ने पाँच का किया चालान पच्चीस को किया पाबन्द

लेखपाल ने लोक संम्पति निवारण अधिनियम के तहत कई लोगों के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

मेजा। चौकी क्षेत्र मेजारोड के बरसैता गाँव में शुक्रवार को दो पक्षों में हुए जमीनी विवाद में पुलिस ने शनिवार को पाँच लोगों के खिलाफ शांति भंग में चालान व पच्चीस लोगों के खिलाफ शांति भंग के अंदेशा 107/16 में कार्यवाही की है । साथ ही हल्का लेखपाल ने कई लोगों के खिलाफ लोक सम्पति क्षति निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया ।

जानकर सूत्रों पर गौर करें तो चौकी क्षेत्र मेजारोड के बरसैता गाँव में शुक्रवार को ग्राम सभा की जमीन पर पाल विरादरी के एक व्यक्ति निर्माण कर रहा था । गाँव के ही निषाद बिरादरी के लोग निर्माण को रोकने के लिए पहुँचे कार्य नहीं रुका तो 112 नम्बर की पुलिस मौके पर पहुँची तब कार्य रुक गया । पुलिस मौके से जैसे ही निकली कार्य फिर शुरू हो गया था इसी पर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो और जमकर ईंट पत्थर चले जिसमे लगभग आधा दर्जन महिलाएं और पुरुष घायल हो गए । घटना की जानकारी पर जब मौके पर पुलिस पहुँची दोनों पक्ष भाग निकले थे । जानकर सूत्रों की मानें तो बरसैता गाँव मे ग्राम सभा की जमीनों पर पाल व निषाद बिरादरी के दर्जनों लोगों ने अबैध निर्माण किया है। शनिवार को मेजारोड पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्यवाही की है। हल्का लेखपाल ने मौका मुआयना कर कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मोक्ष का शाश्वत साधन है श्रीमद्भागवत : शंभु शरण महाराज

कथा

पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने भागवत कथा का रसपान करते हुए कथा व्यास का लिया आशीर्वाद

कथा के अंतिम दिन उमड़ी भक्तों की भीड़,भक्तिमय रस में डूबा रहा पूरा पंडाल

निबैया गाँव में आयोजित कथा में व्यास का आशीर्वाद लेती नीलम करवरिया

मेजा। क्षेत्र के निबैया गांव में ओपी शुक्ला व विकास शुक्ला के संयोजन में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का समापन शनिवार को हुआ। अंतिम दिन श्रीमद्भागवत का रसपान पाने के लिए भक्तों का जनसैलाब कथा स्थल पर उमड़ पड़ा। प्रयागराज से पधारे कथा व्यास आचार्य शंभु शरण महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा का समापन करते हुए कई कथाओं का भक्तों को श्रवण करवाया, जिसमें प्रभु कृष्ण के 16108 शादियों के प्रसंग के साथ, सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथाएं सुनाई। सुदामा चरित्र व राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा सुनकर श्रोता भक्ति भाव में डूब गए । शंभु शरण जी महाराज ने सुदामा कृष्ण मित्रता प्रसंग को सुनाते हुए कहा जब द्वारपाल ने द्वारिकाधीश से जाकर कहा कि प्रभु द्वार पर एक ब्राह्मण आया है और आपसे मिलना चाहता है। वह अपना नाम सुदामा बता रहा है। यह सुनते ही द्वारिकाधीश नंगे पांव मित्र की अगवानी करने राजमहल के द्वार पर पहुंच गए। यह सब देख वहां लोग यह समझ ही नहीं पाए कि आखिर सुदामा में ऐसा क्या है जो भगवान दौड़े-दौड़े चले आए। कृष्ण ने बचपन के मित्र को देख उनके आंखों से आंसू आ गए।उनका पांव धोकर स्वागत किया।सुदामा जी ने भगवान के पास जाकर भी कुछ नहीं मांगा। भगवान श्री कृष्ण ने सुदामा के बिना जानकारी में उनको सब कुछ देते हैं। कथा वाचक ने सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने परीक्षित मोक्ष की कथा का श्रवण कराया। कहा कि किस तरह से कलयुग के प्रभाव में आकर राजा परीक्षित ने प्यास से व्याकुल ऋषि द्वारा अपमान समझ उनके गले में मरे सर्प को डाल दिया।जानकारी होने पर ऋषि के पुत्र श्रृंगी ऋषि ने राजा परीक्षित को श्राप दे दिया।श्राप से मुक्ति के लिए राजा परीक्षित ने शुकदेव महाराज से श्रीमद्भागवत कथा सुनी और उनको मृत्यु से भय खत्म हो गया।तभी से हम सबको भागवत कथा का रसपान करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। भागवत कथा में पूर्व विधायक नीलम करवरिया पहुंचकर कथा का आनंद लिया और कथा व्यास का आशीर्वाद लिया । ओपी शुक्ल ने बताया कि भंडारे का आयोजन 21 जनवरी को किया जाएगा ।

कथा का समापन मुख्य यजमान (शुक्ला बंधु) लालजी शुक्ल और श्यामजी शुक्ल सपत्नीक द्वारा व्यासपीठ एवं भागवत पुराण की आरती पूजन के साथ के हुआ। इस मौके पर प्रमुख रूप से मुन्नन शुक्ला, अशोक मिश्रा, बाबा शुक्ला, दिलावर सिंह, योगेश गुप्ता, मनीष पांडेय, आलोक तिवारी, अमरनाथ मिश्र, राजकुमार शुक्ल, अशोक शुक्ल, विष्णुकांत शुक्ल, विश्वास शुक्ल, संतोष शुक्ला, वीरेंद्र शुक्ला, दिनेश शुक्ला आदि मौजूद रहे।

हर व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए : दयाशंकर त्रिपाठी

देवनहरी गांव में गरीबों को कंबल वितरित करते कार्डेट के प्रधानाचार्य राजेन्द्र यादव व वरिष्ठ पत्रकार

फूलपुर। असहाय व जरूरतमंदों की मदद करना ईश्वर की आराधना करने के समान है। हर ब्यक्ति को अपनी क्षमतानुसार समाज में रहने वाले असहायों व जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए जिससे असहाय ब्यक्ति भी आगे बढ़ सके और समाज में समरसता का माहौल पैदा हो सके। उक्त बातें शुक्रवार को देवनहरी गांव में गरीबों को कंबल वितरित करते हुए समाजसेवी वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर त्रिपाठी ने बतौर मुख्य अतिथि कही। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत इफको कोर्डेट द्वारा आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा इफको समय- समय पर आस पास के क्षेत्रीय लोगों की हर संभव करता है। ठंड से बचाव के लिए इफको कार्डेट द्वारा गरीबों को कंबल देना एक सराहनीय कार्य है। कोरडेट के प्रधानाचार्य राजेंद्र यादव ने कहा कि संस्था समय-समय पर किसानों एवं जरूरतमंदों की मदद करने के साथ ही उन्हें नवीन जानकारियां उपलब्ध कराता है। जिससे किसान हर नई तकनीक की जानकारी हासिल कर उसे प्रयोग में लाकर समृद्धिशाली बन रहा है। कार्यक्रम का संचालन कृषि विशेषज्ञ डा० हरिश्चंद्र ने किया। प्रधान प्रतिनिधि गुलाब त्रिपाठी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर गांव के चार दर्जन से अधिक गरीब विधवा व बुजुर्गों को ठंड से बचाव के लिए कंबल दिया गया।

कार्यालय नगर पंचायत लालगोपालगंज-प्रयागराज

शून्य मैनुवल स्क्रैवेंजर घोषणा पत्र

घोषित किया जाता है कि नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज के अर्न्तगत निकाय द्वारा कराये गये सर्वेक्षण में शुन्य मैनुवल स्क्रैवेंजर चिन्हित किये गये है। वर्तमान में नगर पंचायत लालगोपालगंज सीमान्र्तगत कोई भी मैनुवल स्क्रैवेंजर कार्यरत नही है।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज
लिपिक, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज
प्रशासक, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज

सार्वजनिक आवश्यक सूचना

भारत सरकार का राजपत्र संख्या-178 नई दिल्ली शुक्रवार, 18 मार्च 2016 में प्रकाशित अपशिष्ट प्लाष्टिक नियम 2016 तथा भारत सरकार का राजपत्र संख्या - 459 नई दिल्ली, 12 अगस्त 2021 द्वारा प्रकाशित अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 एवं सरकारी गजट उ0प्र0 के 15 जुलाई 2018 के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुपालन में नगर पंचायत लालगोपालगंज सीमान्र्तगत प्लास्टिक एवं थर्माकोल के सामग्री विनिर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर नियमानुसार प्रतिबंध लागू है।

3. 75 माइक्रॉन से कम मोटाई के प्लास्टिक के कैरी बैग और वस्तु 30 सितम्बर 2021 से प्रतिबंधित है।
4. 01 जुलाई 2022 की तारीख से निम्नलिखित सामग्री प्रतिबंधित है।

- पॉलीस्टाइरिन और विस्तारित पॉलीस्टाइरिन वस्तुओं सहित निम्नलिखित एकल-प्रयोग-प्लास्टिक वस्तुओं के विनिर्माण आयात भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग का निषेध किया जायेगा।
- प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर बड्स, गुब्बारों के लिये प्लास्टिक की डंडियां, प्लास्टिक के झण्डे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम की डंडीयां, पॉलीस्टाइरिन (थर्माकोल) की सजावटी सामग्री।
- प्लेटे, कप, गिलास, कॉंटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे जैसे कटलरी, मिठाई के डिब्बों के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्म, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट 100 माइक्रॉन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पी.बी.सीबैनर स्ट्रिर का भी 01 जुलाई 2022 से प्रयोग प्रतिबंधित कर दिया जायेगा।

इन सामग्रीयों का विनिर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग करता हुआ पाये जाने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध अधिसूचना के निर्धारित व्यवस्थानुरूप वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज
लिपिक, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज
प्रशासक, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज

पत्रांक- मेमो/न0पं0लाल/2022-23 दिनांकः 12.01.2023

श्रीमद् भागवत कथा शुरू होने से पहले निकाली कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल लोग

नैनी। अरैल संगम क्षेत्र में श्रीमद्भागवत कथा शुरू होने से पहले शनिवार को कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा में शामिल लोग सिर पर कलश लेकर निर्धारित पथ पर परिक्रमा कर कथास्थल पर पहुंचे, जहां योगेशत्र श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया गया। कथा वाचक प्रियांशी किशोरी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा सुनने मात्र से ही मनुष्य के पाप कटने लगते हैं। भागवत पथ पर चलने से वह भवसागर से पार हो जाता है। मनुष्य को हमेशा दूसरों की मदद कर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। ऐसे लोगों का भगवान कृष्ण बिहारी सदैव रक्षा करते हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल में उपस्थित रहे।

यमुना नदी में लगाया आस्था की डुबकी

लालापुर। मकर संक्रांति के दिन क्षेत्र के लोगों ने भोर में माँ यमुना नदी में जाकर आस्था की डुबकी लगाया।

यमुना नदी के तराई के बसे गांव जगदीशपुर, नगरवार, कचरा, मानपुर, भभौर, पचवर, नागनपुर, महेरा, मझियारी, अमिलिया, नौडिहा, सेमरी, पड्डुवा, प्रतापपुर गांव के लोगो ने भोर से यमुना नदी में स्नान कर पूजा अर्चना किया। महिलाओं संग बच्चों ने भी डुबकी लगाई। आज भी पुरानी परंम्परा देखने को क्षेत्र में मिलती है मकर संक्रांति अरकते ही बुजुर्ग डुबकी लगाया करते थे जो आज भी देखने को मिल रही है। स्नान ध्यान के बाद ही खिचड़ी आदि ग्रहण करते थे,यही परम्परा आज भी बड़े श्रद्धा के साथ चली आ रही है। नाविकों ने भी डुबकी लगाकर अपने नाव की पूजा कर घाट पर मिठाई एक दूसरे को बांटा।

गरीबों को कंबल भेंट करते समाजसेवी

समाज सेवी ने उपहार स्वरूप गरीबों में कंबल भेंट किया

करछना। तहसील क्षेत्र के निदौरी ग्राम पंचायत भवन में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने महिला अधिकारों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद जरूरतमंद और गरीब परिवारों में कंबल भी बांटे गए।गोष्ठी में एसडीएम करछना डा. गणेश कुमार कनौजिया ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुविधा के लिए कई योजनाएं चला रही है। महिलाओं से कहा कि वे जुल्म के खिलाफ आवाज उठाएं, पुलिस और प्रशासन उनके साथ है। यह भी कहा कि गांव में छोटे-छोटे विवादों को खत्म कराया जा रहा है। तहसील प्रशासन के इस अभियान में सभी को जुड़ना चाहिए। अमर ज्योति जनहित समिति के चिकित्सक डॉ. आरपी पांडेय ने कहा कि समिति लोगों की मदद के लिए कार्य कर रही है।गांव में गरीब और जरूरतमंदों को संस्था की ओर से कंबल बांटे जा रहे हैं। थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह ने कहा कि महिलाएं सरकारी हेल्पलाइन नंबरों की सहायता से कभी भी मदद प्राप्त कर सकती हैं। किसी भी दशा में अपराधी छोड़े नहीं जाएंगे।महिला हेल्प डेस्क के जरिए महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। वूमेन वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष कुसुम पांडेय व प्रधान पंकज पांडेय ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जरूरतमंद और गरीब परिवारों को कंबल वितरण किया गया। इस मौके पर डॉ. केके शुक्ला, जनार्दन पांडेय, राजमणि उपाध्याय, त्रिवेणी मिश्रा, मकसूदन शुक्ला, रविकांत मिश्रा, संतोष पांडेय, तिलकधारी सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर घोघर बीर मेला में खूब रही भीड़

मेला

दो तहसीलों में लगता है एक साथ मेला

खीरी। कोरांव और बारा तहसील दोनो किनारे पर एक साथ टोंस नदी के दोनों तरफ बड़े बड़े चट्टानों पर मकर संक्रांति के दिन पिछले कई वर्षों से घोघर बीर के नाम से एक दिवसीय ग्रामीण मेला संपन्न होता चला आ रहा है । जो कि इस वर्ष भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।मेले में खास खूबी यह है कि यह मेला पत्थरो के बड़े बड़े चट्टानों पर ही लगती है।उन चट्टानों पर ही सभी तरह के दुकानों जैसे बर्तन, खिलौने, श्रृंगार, चित्र, चाट फुल्की गुदना गुदवाने का कारीगरी, बच्चो के उछलने कूदने समेत निशानेबाजी समेत विभिन्न प्रकार के आवश्यक सामग्री का दुकान लगाया जाता है। विशेष तौर पर गन्ना (ईख)का खूब बिक्री होता है। गन्ने के दुकान दार काफी दूर दूर से चले आते है। घोघर बीर मेला में मुख्यतः

मेले में उमड़ी भारी भीड़ व खरीदारी करते लोग

आनंद तब आती है जब मेला में आए हुए लोग चाट फुल्की और जलेबी का स्वाद लेकर टोंस नदी का स्वच्छ और कलकल करती हुई तेज धारों में बहती हुई पानी अपने हाथो के चुल्लू से उठा कर पीते है। वहीं छोटे बच्चों को उनके मम्मी पापा स्वयं के चुल्लू से पानी पिलाते है। बताते चलें कि उक्त घोघर बीर मेला के स्थान पर एक बौद्ध स्तूप और पास में कुछ गोस्वामी बंधुओं द्वारा भक्त हनुमान जी का मंदिर भी बनाया गया है। वह उक्त मेला के संदर्भ में सुनील कुमार केसरवानी निवासी खीरी का कहना है कि मेला में हजारों से अधिक लोग आये हैं ।वही पहले मेला में अंडा और मांस ,मदिरा का दुकान नहीं हुआ करता था ।अब अव्यवस्था के कारण मेला में अंडा व मांस, मदिरा का दुकान अधिक लगा करता है यह मेला के विकास में बाधक साबित होगा।

सामाजिक समरसता व विचार गोष्ठी का आयोजन

फूलपुर। समाज में आपसी प्रेम व सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को मकर संक्रांति के अवसर पर फूलपुर के चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई गांव में एक सामाजिक समरसता व विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवियों के साथ ही अन्य बुद्धजीवी समाज की प्रगति के लिए अपने विचारों को साझा करेंगे। कार्यक्रम के आयोजक विजय चंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि गोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष जगदीश गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि विहिप नेता सुरेन्द्र मौर्य होंगे। वहीं मुख्य वक्ता विजय पाल ने सभी से गोष्ठी में पहुंचने की अपील की।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पैन कार्ड नं0-ASYPB2012K में मेरे नाम की जगह [illegible] अंकित है जो गलत है। जबकि मेरा सही नाम [illegible] पाण्डेय पुत्र [illegible] पाण्डेय निवासी [illegible] तहसील-हण्डिया, [illegible] है तथा वर्तमान निवास 182 ए, [illegible], नैनी, जिला-प्रयागराज है जो सूचना के साथ पढ़ा जाय।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल

माघ मेला 2023 में आये तीर्थ यात्रियों का हार्दिक स्वागत करता है

माघ मेला 2023 के प्रमुख स्नान पर्वों पर नैनी जं. पर प्रवेश व्यवस्था

दिशा	प्रवेश द्वार	यात्री आश्रय स. एवं रंग
मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन की ओर	1 हरा एवं लाल रंग	1 एवं हरा रंग
सतना, जबलपुर स्टेशन की ओर	1 हरा एवं लाल रंग	3 एवं लाल रंग
आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	2 सफेद रंग	---
फतेहपुर, कानपुर की ओर	3 नीला रंग	4 एवं नीला रंग
विन्ध्याचल, मिर्जापुर पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	4 बैंगनी रंग	5 एवं बैंगनी रंग

माघ मेला 2023 के दौरान प्रमुख स्नान पर्वों पर दिशावार मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन हेतु निर्धारित स्टेशन

दिशा	स्टेशन
मेजा रोड, माण्डा रोड, विन्ध्याचल, मिर्जापुर, चुनार एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन आदि स्टेशनों की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं. तथा प्रयागराज छिवकी
भरवारी, सिराथू, खागा, फतेहपुर एवं कानपुर आदि स्टेशनों की ओर	प्रयागराज जं.
शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई, सतना आदि स्टेशनों की ओर	प्रयागराज जं., नैनी जं. तथा प्रयागराज छिवकी
फूलपुर, जौनपुर, लालगंज, अमेठी, प्रतापगढ़, ऊँचाहार, रायबरेली, लखनऊ, बरेली, सुल्तानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या आदि स्टेशनों की ओर	प्रयाग एवं फाफामऊ स्टेशन
भदोही, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, मऊ, बलिया, गाजीपुर आदि स्टेशनों की ओर	प्रयागराज रामबाग तथा झूंसी स्टेशन

आवश्यक सूचनाः माघ मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर भी आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउन्टर खोले गये हैं। जिनसे यात्री टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

मास्क नहीं तो टिकट नहीं

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway cpruncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

61/23 ADM

बारा में समरसता खिचड़ी भोज कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक डा. वाचस्पति

प्रयागराज

मौसम

अधिकतम :	21.00
न्यूनतम :	7.00
सूर्योदय :	06.50
सूर्यास्त :	05.27

संक्षेप

राहुल गाँधी के साथ यात्रा में चल रहे कांग्रेस सांसद के निधन पर शोक

प्रयागराज। पंजाब में राहुल गांधी के संग भारत जोड़ो यात्रा में चल रहे कांग्रेस सांसद चौधरी संतोख सिंह के निधन पर नगर के प्रबुद्ध कांग्रेसजनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है । हिम्मत गंज कैम्प कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय की अध्यक्षता में हुई शोक सभा में जालंधर से दूसरी बार बने सांसद चौधरी संतोख सिंह के हृदयघात से हुई मौत पर दुख जताया गया । 76 वर्षीय चौधरी संतोख , शनिवार सुबह लाडोवाल टोल प्लाजा से फखवाड़ा जा रही यात्रा में राहुल के पीछे थे तभी उनकी तबीयत खराब होने से उन्हें फगवाड़ा के विर्क अस्पताल ले जाया गया जहाँ उनकी मौत हो गई । दुखी राहुल भी अस्पताल पहुंचें । निधन से यात्रा को दो दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। शोक सभा में दो मिनट का मौन रखा गया । दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक सभा में फुजैल हाशमी, राजेश राकेश, हरिकेश त्रिपाठी, अजय श्रीवास्तव, परवेज सिद्दीकी, देवी पांडेय, अनिल श्रीवास्तव, प्रदीप द्विवेदी, मो.जावेद, विनय पांडेय, अजय मिश्रा, केशव पासी, इंद्रेश मिश्रा, अरूण चौरसिया, राजू सोनकर आदि उपस्थित रहे ।

मोदी, योगी के नेतृत्व में हो रहा गरीबों का उत्थान : वाचस्पति

बारा। कामता प्रसाद सेवार्थ ट्रस्ट के बैनर तले विकास खंड शंकरगढ़ की ग्राम पंचायत पूरे बघेल में समरसता खिचड़ी भोज और कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अश्वनी कुमार सिंह पटेल के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने सहभागिता की। समरसता खिचड़ी भोज कार्यक्रम के चीफ गेस्ट बारा विधायक डा. वाचस्पति रहे। बारा विधायक ने कहा, समाज में गरीबों की सेवा ही सच्ची सेवा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गरीबों का सही मायने में उत्थान हो रहा है। गांव में अच्छी सड़कें, गरीबों को अनाज दिया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं ब्लॉक प्रमुख निर्मला देवी ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम आयोजक अश्वनी कुमार पटेल ने बताया कि स्व. बाबा कामता प्रसाद की प्रेरणा से अंत्योदय के उत्थान की दिशा में कामता प्रसाद सेवार्थ ट्रस्ट कार्यरत है। ट्रस्ट के माध्यम से असहाय, गरीब, वृद्ध, विधवा, दिव्यांगों के उत्थान का अनवरत प्रयास जारी है। आज के कार्यक्रम में जरूरतमंदों को कंबल वितरण व खिचड़ी खिलाने का अवसर प्राप्त हुआ। इस मौके पर एसडीएम बारा, तहसीलदार रमेश मिश्र, राम सिया, छविनाथ, सत्यदेव, राम स्नेही, संतलाल, मुन्ना सिंह, रामहरख, हंसराज, मुंशीलाल, कल्लन सिंह, बालेंद्र, प्रमोद सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। संचालन अजय सिंह ने किया।

मकर संक्रांति पर्व पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

आस्था

चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस

15 घाटों पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मकर संक्रांति पर्व पर संगम में पुण्य की डुबकी लगाने को उमड़ा जन सैलाब

प्रयागराज। मकर संक्रांति स्नान पर्व पर शनिवार की सायं 06:00 बजे तक लगभग 14 लाख 20 हजार लोगों ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई । हालांकि डुबकी लगाने का सिलसिला खबर लिखे जाने तक जारी रहा। देश के विभिन्न कोने से आए श्रद्धालुओं ने मेला क्षेत्र में बनाए गए 15 घाटों पर आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसके दृष्टिगत सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने देर रात से ही मेला क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराईं। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, मेला अधिकारी अरविंद कुमार चौहान, अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद एवं विवेक चतुर्वेदी ने मेला क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए सभी सेक्टरों एवं घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराईं।

सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी तरह की कोताही ना हो यह सुनिश्चित करने के दृष्टिगत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी रात से ही भ्रमणशील रहते हुए विभिन्न सेक्टरों का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में तैनात अधिकारियों का मनोबल बढ़ाया। भ्रमणशील अफसरों में पुलिस अपर महानिदेशक भानु भास्कर, पुलिस आयुक्त रमित शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक चंद्र प्रकाश, पुलिस अपर आयुक्त आकाश कुलहरी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेला, राजीव नारायण मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक मेला श्री आदित्य शुक्ला शामिल रहे। श्रद्धालुओं को ठंड के प्रकोप से बचाने हेतु पूरे मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में अलाव की भी व्यवस्था कराई गई थी तथा पूरे स्नान की अवधि में किसी भी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई।

माघ मेले में मारपीट से आक्रोशित स्वास्थ्यकर्मियों ने की हड़ताल

प्रयागराज। माघ मेले में ड्यूटी पर जा रहे हैं स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों के साथ एसडीएम के अर्दली और अन्य कर्मचारियों के द्वारा मारपीट के बाद त्रिवेणी अस्पताल संगम के कर्मचारियों ने इलाज ठप कर हड़ताल शुरू कर दिया। इससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई मरीजों की तबीयत ज्यादा खराब होने पर उन्हें एसआरएन अस्पताल भेजा गया।

बताया जा रहा है की त्रिवेणी अस्पताल के फार्मेसिस्ट धर्मेंद्र सिंह की ड्यूटी संगम पर लगी है। शनिवार मकर संक्रांति पर वह विभाग के अन्य कर्मचारियों के साथ ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान बांध के पास उन्हें एसडीएम की मौजूदगी में तैनात टीम ने उन्हें रोक दिया। धर्मेंद्र सिंह का आरोप है कि उन्होंने अपना पास दिखाया और बताया कि वह ड्यूटी पर जा रहे हैं, लेकिन उन्हें जाने नहीं दिया गया।

बातचीत के दौरान ही एसडीएम के साथ मौजूद उनके अर्दली ने मारपीट शुरू कर दी। एंबुलेंस चालक की पिटाई कर दी गई। इससे उसका दांत टूट गया। घटना की जानकारी होते ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी आक्रोशित हो गए। स्वास्थ्यकर्मियों ने इलाज ठप कर हड़ताल शुरू कर दिया। इससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

उदिया तिथि होने के कारण आज भी श्रद्धालु लगाएंगे पुण्य की डुबकी

माघ मेले में भ्रमण कर जायजा लेते जिलाधिकारी व अन्य

प्रयागराज। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मानकर श्रद्धालुओं ने भी लगाई वहीं दूसरी तरफ उदिया तिथि होने के कारण, आज भी श्रद्धालु त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाएंगे। इसके लिए मेला प्रशासन ने पूरी तैयारियां पूरी कर ली है।

माघ मेला तीर्थराज प्रयाग की पावन धरती पर गंगा यमुना अदृश्य सरस्वती के संगम में शनिवार को मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था व श्रद्धा की डुबकी लगायी। सुबह से ही श्रद्धालुओं के स्नान का सिलसिला प्रारम्भ हो गया जो देर रात तक चलता रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान सम्पन्न कराने के लिए नागरिक पुलिस यातायात पुलिस, घुड़सवार पुलिस, महिला पुलिसकर्मी, अग्निशमन दल, पीएसी के जवान, एटीएस कमाण्डो लगे रहे। इसके साथ ही संगम में मोटर बोट तथा प्रशिक्षित गोताखोरों की नियुक्त कर स्नानार्थियों की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबन्ध रहे। स्टीमर के माध्यम से संगम क्षेत्र का पुलिस प्रशासन निरीक्षण करता रहा। साथ ही मेला क्षेत्र में प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु को हांथ न लगाये। मेला में आने वाले स्नानार्थियों को आवागमन में कोई असुविधा न हो की सूचनाएं दी जा रही थी। 05 स्थानों पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई थी। ताकि श्रद्धालुओं को कम दूरी तक पैदल यात्रा करनी पड़े।

सांसद अफजाल अंसारी की गैंगस्टर केस न चलाने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माफिया मुख्तार के भाई तथा गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनके खिलाफ गाजीपुर जिला कोर्ट में जारी गैंगस्टर केस की सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

सांसद अफजाल ने गाजीपुर के स्पेशल जज एमपी/एमएलए कोर्ट की ओर से चार अगस्त 2022 को खारिज उन्मोचन अर्जी तथा 23 सितंबर 2022 को उनके खिलाफ आरोप तय किए जाने के आदेश को याचिका दाखिल कर चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए निर्णय दिया कि यदि कोई आरोपी गैंग चार्ट के किसी केस से बरी भी हो जाता है तो भी उसे गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत दंडित किया जा सकता है।

यह आदेश न्यायमूर्ति डीके सिंह ने सांसद अफजाल अंसारी की दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के अंतर्गत दाखिल अर्जी को खारिज करते हुए दिया है। याची की ओर से बहस कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप गुप्ता का कहना था कि याची के खिलाफ वर्ष 2005 में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड में दर्ज प्राथमिकी को लेकर वर्ष 2007 में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

बहस की गई कि दिल्ली की सीबीआई कोर्ट ने भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड में आरोपी याची तथा भाई मुख्तार अंसारी समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। इस कारण अब उसी केस को लेकर गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा चलाना गलत है। याची ने अपने को मोहम्मदाबाद, गाजीपुर से पांच बार विधायक चुने जाने. तत्पश्चात सांसद चुने जाने की दलील पेश करते हुए अपने को सामाजिक कार्यकर्ता बताया। कहा, उसके खिलाफ गैंगस्टर में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

दूसरी तरफ प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी ने सांसद की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सीबीआई कोर्ट से बरी होने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दाखिल है, जो मंजूर हो गई है। याची अपराधियों के खूंखार गैंग का सक्रिय सदस्य है। यह गैंग हत्या, लूट, अपहरण, फिरौती आदि के कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल है। गैंग के सदस्यों के खिलाफ कोई गवाही देने के लिए भयवश सामने नहीं आता।

इस गैंग ने अपने इस खौफनाक आपराधिक घटनाओं की वजह से अकूत दौलत कमाई है। गैंग का लीडर मुख्तार अंसारी जेल से ही गैंग को संचालित करता है। यह भी कहा गया कि याची सांसद अफजाल के खिलाफ सात अपराधी केस गैंग चार्ट में शामिल है तथा इसके भाई माफिया मुख्तार के खिलाफ 54 केस गैंग चार्ट में शामिल है।

याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, गैंगस्टर एक्ट का उद्देश्य संगठित अपराध को रोकना है। कोर्ट ने यह भी कहा, अगर यह साबित हो जाता है कि गैंग का कोई सदस्य स्वयं या गैंग के किसी सदस्य के साथ अपने या गैंग के फायदे के लिए अपराध कारित करता है तो उसे गैंगस्टर एक्ट के तहत दंडित किया जा सकता है।

मकर संक्रांति पर सिरसा गंगा घाट पर हजारों ने किया स्नान

मेजा। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर शनिवार को क्षेत्र के सिरसा गंगा घाट पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ रही । हलांकि इस बार मकर संक्रांति रविवार को भी लोग मान रहे हैं।

शनिवार को मकर संक्रांति के अवसर पर सिरसा के फेरी गंगा घाट पर सुबह 4 बजे से ही स्नानार्थियों की भीड़ जुटने लगी। यहाँ घाट पर इस दिन दूर दूर से लोग स्नान करने आते हैं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चौकी प्रभारी सिरसा जगदीश कुमार पुलिस टीम के साथ घाट पर मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा ने वितरित किया खिचड़ी का प्रसाद

खिचड़ी का प्रसाद वितरित करतीं भाजपा महिला मोर्चा

प्रयागराज। माघ माह के दूसरे प्रमुख स्नान पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा महानगर प्रयागराज के नेतृत्व में महानगर के समस्त मंडलों में श्रद्धालुओं को खिचड़ी के प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। जिला मीडिया प्रभारी चंद्रा अहलूवालिया के अनुसार प्रदेश महामंत्री कीर्तिका अग्रवाल के नेतृत्व में महानगर प्रयागराज के सभी मंडलों में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जगह-जगह स्टॉल लगाकर भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकत्रियों ने श्रद्धालुओं को खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया। सर्वप्रथम मंडल सिविल लाइंस अंतर्गत वाल्मीकि चौराहे पर महामंत्री रीता सिंह की अगुवाई में क्षेत्रीय मंत्री वंदना सिंह, प्रेमलता राय, नीलम त्रिपाठी, सुमिता जोशी, रीता वर्मा, चंद्रा अहलूवालिया द्वारा प्रसाद वितरण प्रारंभ हुआ। इसी क्रम में राजापुर हनुमान मंदिर चौराहे पर क्षेत्रीय अध्यक्ष नम्रता चौरसिया, क्षेत्रीय मंत्री वंदना सिंह, गीता विश्वकर्मा, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी पूनम मौर्या, नीतू केसरवानी सहित चौक मंडल में शिखा खन्ना, मीरापुर मंडल में रेखा कनौजिया, सीमा श्रीवास्तव खुल्दाबाद मंडल, आभा भारती कीडगंज मंडल, वेणी माधव मंडल में स्वारिका भारद्वाज, आंचल ओझा विश्वविद्यालय मंडल, स्वाति गुप्ता मुट्ठीगंज, सुनीता गुप्ता भारद्वाज मंडल, सोनी गुप्ता प्रीतम नगर मंडल, कंचन लता कुशवाहा शिवकुटी मंडल सहित सभी पंद्रह मंडलों में खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया।

पुलिस ने तीन शातिरों को भेजा जेल

झूंसी। पुलिस ने शनिवार को तीन शातिरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया पकड़े गए युवकों के पास से नशीला पावडर, चोरी का मोबाईल व बम बरामद हुआ है। झूंसी इंस्पेक्टर वैभव सिंह ने बताया कि चौकी इंचार्ज छतनाग नवीन सिंह ने माघ मेला के निकट उल्टा किला के पास से कौशाम्बी सरायअकिल थाने के पकौड़ा गांव निवासी दीपक पुत्र रमेश कुमार को गिरफ्तार कर उसके पास से 160 ग्राम नशीला पावडर बरामद किया। वही एसआई नवीन सिंह व धर्मेंद्र यादव के साथ मिल कर मेले में चोरी के फिराक में घूम रहे टीकरमाफी आश्रम के पास रहने वाले शिवम दुबे को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से एक मोबाईल बरामद हुआ।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार गर्भवती महिला को कुचला, मौत

बारा। करछना-करमा मार्ग पर शनिवार की शाम ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार गर्भवती महिला की मौके पर मौत हो गई, जबकि बाइक चलाने वाला युवक घायल हो गया। हादसे की जानकारी होते ही मौके पर जुटे लोगों ने जाम लगा दिया और कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना पर पहुंची मुकामी पुलिस और उच्चाधिकारियों ने नाराज लोगों को सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। मृतका के शव को चीरघर भेज दिया गया है। जबकि घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। यह हादसा यमुनानगर के घूरपुर थाना क्षेत्र में हुआ।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ व मौजूद पुलिस

जानकारी के मुताबिक करमा-करछना मार्ग पर शनिवार की शाम घूरपुर के पंवरी गांव के समीप तेज रफ्तार में रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर गया और बाइक पर पीछे बैठी गर्भवती महिला सड़क की तरफ गिर पड़ी और ट्रक केपहिए की चपेट में आ गई। इस वजह से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी होते ही स्थानीय लोग व मृतका के परिजन मौके पर पहुंच गए और जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। करमा-करछना मार्ग पर जाम लगाए जाने की सूचना मिलते ही घूरपुर थाने की पुलिस के साथ-साथ उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और नाराज लोगों को समझाकर मामले को शांत कराया। मृतका के शव को चीरघर भेज दिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

समाधान दिवस पर फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

समाधान दिवस में फरियादियों की समस्या सुनते प्रभारी निरीक्षक

थरवई। थाना थरवई में शनिवार को समाधान दिवस पर प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में समाधान दिवस के आयोजन पर थरवई थाने में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया जिसमें राजस्व के साथ अन्य कई मामले आये। वहीं कुछ मामलों में मौके पर ही टीमें गठित कर मामले के निस्तारण हेतु भेजा गया। समाधान दिवस पर उपस्थित प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र त्रिपाठी एसएसआई राजीव कुमार श्रीवास्तव उपनिरीक्षक सोहराब अहमद सुखचैन तिवारी अखिलेश कुमार बृजेश कुमार यादव व राजस्व कर्मी आदि मौजूद रहे।

छुआछूत मिटाने के उद्देश्य से समरसता सहभोज का आयोजन

तमसा के तट पर घोघर बीर बाबा के मेले में उमड़ी भारी, सैकड़ों लोगों ने की सहभागिता

बारा। मकर संक्रांति के पर्व पर तमसा नदी के तट पर स्थित घोघर बीर बाबा के प्राचीनतम मेले में समरसता सहभोज का आयोजन किया गया। जातिगत भेदभाव और छुआछूत को मिटाने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले में भारी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने सहभागिता की। बारा और कोरांव तहसीलों के मध्य स्थित घोघर बीर बाबा के क्षेत्रीय मेले में भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने खरीदारी भी की।

मेले में उमड़ी लोगों की भीड़

बारा तहसील क्षेत्र के मवैया कला-जरखोरी में तमसा नदी के तट पर मकर संक्रांति पर लगने वाले ऐतिहासिक मेले में भारी भीड़ जुटी। क्षेत्र के हजारों लोगों ने मकर संक्रांति के मौके पर तमसा नदी में स्नान कर पूजन-अर्चन किया। खिली धूप की वजह से भारी संख्या में क्षेत्रीय गांवों केलोगों ने इस ऐतिहासिक मेले का आनंद उठाया और मेले में गुड़ वाली जलेबी, लाई, चाट, मिठाई और खिलौनों की जमकर खरीदारी की। इस दौरान मेला परिसर में समरसता सह भोज खिचड़ी का आयोजन भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, ग्राम प्रधान मवैया संतोष सिंह के द्वारा किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने खिचड़ी खाई।

पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह ने कहा कि समाज में सामजिक समरसता के माध्यम से जाति-पाति व छुआ-छूत मिटाने के उद्देश्य से समरसता सह भोज का आयोजन किया गया, जिसे स्थानीय लोगों ने सफल बनाया। कार्यक्रम में धर्मराज पाल, सुधाकर सिंह, छेदीलाल आदिवासी, अतर सिंह कुशवाहा, अशोक सिंह, रामराज सिंह, बालेंद्र सिंह, पृथ्वीराज साहू, विश्वंभर मिश्र आदि शामिल हुए और सफल बनाया। वही कोरांव तहसील के महुली गांव में भी मकर संक्रांति के मौके पर मेले का आयोजन किया गया। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टि से चौकी प्रभारी नारीबारी संतोष सिंह मय दल-बल के साथ मौजूद रहे।

माण्डा क्षेत्र में सरकारी परिवहन की व्यवस्था न होने से होती है असुविधा

माण्डा। माण्डा में सभी सरकारी कार्यालय तो है लेकिन सरकारी परिवहन की सुविधा न होने से जनता को डग्गामार वाहनों से सवारी करनी पड़ती है। जब कि सरकारी कार्यालयों में काम कर रहें कर्मचारियों की संख्या सैकड़ों में है जिनको सुबह शाम शहर जाना पड़ता है लेकिन प्राइवेट बसों में उनको सुविधा का अभाव मिलता है माण्डा में सभी स्थानीय कार्यालय होने के बाद भी न तो सरकारी कोई भी बस स्टैंड भी नहीं है। सुबह यदि उत्तर प्रदेश परिवहन की कोई भी वाहन न होने से लोगों को प्रयागराज जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। माण्डा ब्लाक से माण्डा रोड की दूरी दस किलोमीटर पड़ती है वहां पर जाने से मिर्जापुर से प्रयागराज को चलने वाली गाड़ियां मिल तो जाती हैं पर उनमें भी सवारियों को सीट मिलना मुश्किल रहता है और परिवहन गाड़ी के चालक परिचालक बस स्टैंड पर गाड़ी भी जल्दी नहीं रोकते जिससे जो रास्ता दो घंटे से कम का है वह चार घंटे के आस पास लग जाता है इस प्रकार से जनता की निरन्तर मांग उठती रहती है कि यदि माण्डा खास में उत्तर प्रदेश परिवहन वाहन व स्टैंड की व्यवस्था हो जाये तो माण्डा क्षेत्र के भारतगंज, खवास का तारा, गिरधरपुर, कुशलपुर व माण्डा क्षेत्र के गांवों के आम नागरिकों के साथ ही सरकारी कर्मचारियों को भी दिक्कत का सामना न करना पड़े।

संक्षेप

बड़े गांव की टीम ने करारी को दी शिकस्त

कौशाम्बी। कोसम इनाम गांव स्थित उदयन पैलेस के प्रांगण में क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया है। शनिवार को बड़े गांव और करारी की टीम के बीच भिड़ंत हुई। बड़ा गांव की टीम ने करारी को शिकस्त दे दी। करारी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम के खिलाड़ियों ने निर्धारित 16 ओवरों में 95 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी बड़े गांव की टीम ने दस ओवर में 96 रन बनाते हुए पांच विकेट के नुकसान पर जीत हासिल कर ली। मैन ऑफ द मैच सोनू को दिया गया। सोनू ने अपनी टीम के लिए पांच विकेट झटके थे। इस मौके पर आयोजक सरिता इंडेन गैस के प्रबंधक राजेश कुमार, एजाज अहमद, अब्दुल शकूर, अहमद रजा, बृजेश, मो. आशिफ आदि मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर्व पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

कौशाम्बी। मकर संक्रांति पर्व के दिन शनिवार को जिले के विभिन्न गंगा.यमुना घाटों पर स्नानार्थियों ने आस्था की डुबकी लगाई। इतना ही नहीं स्नान के बाद खिचड़ी आदि का दान भी किया। कड़ा के कुबरी गंगा घाट व पभोषा के यमुना घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान, दान आदि किया।

शनिवार को मकर संक्रांति जिले भर में लोगों ने मनाया। गंगा.यमुना घाटों पर स्नानार्थियों की भीड़ भोर से ही पहुंचने लगी थी। कड़ा के कुबरी गंगा घाट व पभोषा के यमुना घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। कड़ा में गंगा स्नान करने के बाद लोगों ने मां शीतला की दरबार में खिचड़ी चढ़ाई। मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद व्यवस्था देखने को मिली। कड़ाधाम कोतवाल अभिलाष तिवारी मयफोर्स सुरक्षा के दृष्टिगत भोर से ही भक्तों की सुरक्षा में डटे दिखे। सुरक्षा के दृष्टिगत क्षेत्र में सुरक्षा के सात पॉइंट भी बनाए गए थे। स्नान के बाद मंदिरों में पूजा.अर्चना कर तिल का दान गरीबों के बीच किया गया। हर हर गंगे, जय जय गंगे के उद्घोष के साथ लोगों ने नदी में आस्था की डुबकी लगाई। मकर संक्रांति पर्व को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। लोग एक दूसरे को बधाई देने में भी मशगूल रहे। सोशल मीडिया पर भी जमकर मकर संक्रांति को लेकर बधाई संदेशों की बाढ़ सी लगी रही। पर्व को लेकर जमकर तिलकुट, दही, लाई और विभिन्न प्रकार की मिठाइयों की खरीदारी दिन भर होती रही। त्योहार को लेकर नदी में सुबह सुबह स्नाान के लिए श्रद्धालुगण पहुंचे। भक्तों ने डुबकी स्नान के बाद लोगों ने भुने हुए दाने व गुड़ से बनी मिठाई व खिचड़ी खाई।

गंगा व यमुना में आस्था की डुबकी लगाते लोग

जेसीबी ऑपरेटर की पिटाई, एसपी से शिकायत

कनैली,कौशाम्बी। सराय अकिल कोतवाली के कनैली इंचार्ज अपने कारनामों को लेकर अकसर चर्चा में रहते है। उनकी एक और दादागिरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि ननकू सरोज पुत्र भैयालाल निवासी तिल्हापुर जेसीबी ऑपरेटर है। उसके मुताबिक बृहस्पतिवार की रात वह कनैली क्षेत्र में जेसीबी से काम करने गया था, दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि काम से लौटते समय रात हो गई थी, कनैली में चौकी इंचार्ज हनुमान प्रसाद अपने साथियों के साथ गाड़ियां की चेकिंग कर रहे थे। जैसे ही वह वहां पहुंचा चौकी इंचार्ज ने जेसीबी रोक कर मुझे जेसीबी से घसीट कर लात घुसा से जमकर पिटाई की और गंदी गंदी गालियां भी दिया। आरोप है कि जेसीबी चलाने के लिए चौकी इंचार्ज पैसे की मांग करते है, न देने पर अभद्रता मारपीट एवं गाली.गलौच करते हैं। हालांकि चौकी इंचार्ज के गाली गलौज का ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पीड़ित ने शुक्रवार को एसपी से मिलकर चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई की मांग की है। बहरहाल एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तवने प्रकरण की जांच कराए जाने का आश्वासन दिया है।

मंझनपुर में मनाया गया पूर्व सैनिक दिवस

चायल, कौशांबी। मुख्यालय मंझनपुर में शनिवार को सैनिक कल्याण पुनर्वास न्यू बिल्डिंग में पूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दशरथ लाल करवरिया ने किया। वहीं मुख्य अतिथि एस डी एम प्रखर उत्तम मंझनपुर एवं विशिष्ठ अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर एवं सीओ मौजूद रहे। इस दौरान एसडीएम प्रखर उत्तम एवं अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, साथ ही भारतीय सेना के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। सोल्जर बोर्ड अधिकारी कैप्टन नजमुल हुडडा ने एसडीएम प्रखर उत्तम एवं अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष दशरथ लाल करवरिया ने सीओ सदर को माल्यार्पण कर स्वागत किया। 1965 के युद्ध विजेता जय नारायण मिश्र ने अपर पुलिस अधीक्षक को माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसी एसडीएम एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने शांती देवी पत्नी शहीद नायक राम निहोरे द्वतीय युद्ध विजेता को दो हजार का एवं चेक दिया साथ ही वीर नारी सुशीला देवी पत्नी शहीद देव नारायण सेना मेडल को दो हजार रुपया नगद एवं सभी वीर नारियों एवं सीनियर सिटीजन के पूर्व सैनिकों को अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। भारतीय सेना से रिटायर्ड सभी पूर्व सैनिकों को एसडीएम प्रखर उत्तम एवं अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर ने धन्यवाद देते हुए कहा अगर किसी भी फौजी को किसी प्रकार की कोई समस्या आती हैं तो हम लोगो से कभी भी मिल सकता है। पूर्व सैनिक की समस्या तत्काल हल किया जायेगा। इस दौरान सोल्जर बोर्ड अधिकारी कैप्टन नजमुल हुडडा, जिलाध्यक्ष दशरथ लाल करवरिया, सूबेदार मेजर शारदा प्रसाद वर्मा, सूबेदार राजमन पाल, सूबेदार असरार अहमद, संगठन मंत्री सुनील कुमार मिश्रा, मीडिया प्रभारी संजीव कुमार चौरसिया, सुधार मेजर नियाज अहमद, शांति देवी, सुसीला देवी, दीपा दिवाकर, राजपति, बिमला देवी, जे एन मिश्रा,श्रीराम यादव, राम सुरेमान यादव,रमेश मणि पांडे, वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी, नरेंद्र बहादुर सिंह, एस एन पांडे, राममूरत पाल, राम चरण पाल एवं सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति के पर्व पर प्रभास गिरि पर लगता है विशाल मेला

मेला

पड़ोसी जनपद के अलावा दूर दराज के लोग पहुंचते हैं प्रभाषगिरि पर्वत

कनैली, कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के दक्षिणी छोर में यमुना नदी किनारे स्थित पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रभास गिरी पर्वत में मकर संक्रांति के दिन विशाल मेले का आयोजन सैकड़ों वर्षों से होता चला आ रहा है। परंपरागत इस मेले के आयोजन में लाखों ग्रामीण मेला देखने पहुंचते है, हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहता है।

मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को लगने वाले मेले में दूर.दूर के व्यापारी अपनी दुकानें लगाते है, खाने.पीने से लेकर झूले और मनोरंजन के साधन मेले के लुत्फ को बढ़ाते हैं। पड़ोसी जनपद चित्रकूट, प्रतापगढ़ फतेहपुर, प्रयागराज आदि जनपद के लाखों लोग प्रभास गिरि में लगने वाले मेला को देखने पहुंचते है, मेला में सुप्रसिद्ध लाठी चकरी जात लोढ़वा खाने.पीने सिंगार सामग्री आदि की दुकानें सजती हैं। जहां हजारो महिलाएं पुरुष खरीदारी करते है। प्रभास गिरी पर्वत पर लगने वाले कौशांबी जिले का यह मेला ऐतिहासिक है। मकर संक्रांति के महत्व को इस प्रकार भी समझा जा सकता है कि पितामह भीष्म ने अपने प्राण त्यागने के लिए मकर संक्रांति के दिन को चुना था। पश्चिम शरीरा इस्पेक्टर रमेश पटेल का कहना है कि मेले में किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए उसके लिए लगातार पुलिस बल के साथ वह मेला क्षेत्र में पैदल गस्त कर रहे है। प्रभास गिरी में लगने वाले मेले की शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मेला क्षेत्र में पुलिस बल को जोन में बाटा है, इस्पेक्टर रमेश पटेल का कहना है कि मेले में अव्यवस्था फैलाने वाले के ऊपर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

मेले में उमड़ी लोगों की भारी भीड़

मतदेय स्थल का डीएम, एसपी ने किया निरीक्षण

निरीक्षण

डीएम एसपी ने मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर वहां मौजूद सुविधाओं का लिया जायजा

कौशाम्बी। आगामी इलाहाबाद-झांसी खंड शिक्षक निर्वाचन को बनाए गए मतदेय स्थलों का शनिवार को जिलाधिकारी सुजीत कुमार व एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इतना ही नहीं मौजूद रहे जिम्मेदारों को दिशा निर्देश भी दिए।

बता दें कि डीएम सुजीत कुमार एवं एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने इलाहाबाद.झांसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए जनपद में बनाए गए मतदेय स्थल.विकास खण्ड सिराथू तथा एस.ए.वी इंटर कॉलेज सैनी का निरीक्षण किया। डीएम एसपी ने मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर वहा मौजूद सुविधाओं का जायजा लिया,उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अन्य सुविधाओ को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक दिशा. निर्देश दिए।

मतदेय स्थल का निरीक्षण करते डीएम व एसपी

पपीते के पेड़ को काटकर किया धराशायी

कौशाम्बी। पिपरी थाने के अकबरपुर मिजार्पुर गांव में शुक्रवार रात रंजिशन खेत में लगे सैकड़ों पपीते के पेड़ों को अराजकतत्वों ने काटकर फेंक दिया। सुबह खेत की ओर जाने पर मालिक को इसकी जानकारी हुई तो वह दंग रह गया। पीड़ित किसान ने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। अकबरपुर मिजार्पुर गांव निवासी घनश्याम कुशवाहा खेती कर परिवार का गुजारा करता है। उसने गांव के बाहर अपने खेत में पपीते की खेती कर रखी है। घनश्याम के अनुसार शुक्रवार शाम तक वह खेत पर ही था। रात में वह घर चला आया। शनिवार सुबह वह जब खेत की तरफ गया तो वहां खेत का नजारा देख उसके होश उड़ गए। खेत में लगे सारे पपीते के पेड़ कटे पड़े थे। उसने घटना की काफी खोजबीन की। सुराग न लगने पर उसने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कमासिन माता मंदिर सड़क नवनिर्माण को जिपं सदस्य ने किया भूमिपूजन

भूमि पूजन

नई सड़क के निर्माण से क्षेत्रभर के देवीभक्तों को कमासिन मंदिर जाना होगा आसान

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी शुक्रवार को अपने जिला पंचायत क्षेत्र के ग्राम तुलसीपुर से कमासिन माता मंदिर जाने के लिए एक नए सड़क मार्ग के नवनिर्माण हेतु लड्डूए अगरबत्ती एवं कमासिन माता के जयकारों के साथ भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मौके पर क्षेत्र के तमाम ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

शुक्रवार को अजय सोनी अपने जिला पंचायत क्षेत्र के ग्राम तुलसीपुर के पास पहुंचे। इसके बाद उदहिन फत्तेपुर मार्ग के तुलसीपुर ग्राम के करीब से गंभीरा पूर्व ग्राम अंतर्गत स्थित कमासिन माता मंदिर धाम तक लोगों के आवागमन हेतु एक नई सड़क के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर शुभारंभ कराया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों से वार्ता करते हुए अजय सोनी ने कहा कि क्षेत्र की जनता द्वारा एक अरसे से कमासिन माता मंदिर जाने के लिए नई सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। इस पर लगातार प्रयास कर लोक निर्माण विभाग द्वारा तुलसीपुर से कमासिन माता मंदिर तक नई सड़क का निर्माण कार्य शुरू कराया गया है। आगे कहा कि इस सड़क के बन जाने से क्षेत्र के कई गांवों के देवीभक्तो को देवी जी के धाम तक जाने में सुविधा होगी। पहले लोगो को देवी जी के धाम तक पहुंचने में भारी दिक्कत होती थी और लोग मीलों चक्कर लगाने के बाद दर्शन करने पहुंच पाते थे। अब इस सड़क के बन जाने से लोगों को मीलों चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और आवागमन सुगम होगा। इस अवसर पर वीरेंद्र तिवारी, छोट्टन तिवारी, विजय शंकर मिश्र, रामशंकर यादव, राजाराम पाल, अर्जुन सरोज आदि मौजूद रहे।

सड़क निर्माण को भूमि पूजन करते जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी

छह महीने से पानी नहीं उगल रहा है हैंडपंप

कौशाम्बी। राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय परिसर में पेयजल के लिए हैंडपंप लगाया था। जिसका प्रयोग सबसे ज्यादा गांव के लोग कर रहे थे। छह महीने पहले हैंडपंप खराब हो गया। इसके बाद से आज तक हैंडपंप की मरम्मत कराए जाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। अस्पताल आने वाले मरीज व तीमारदार गांव में लगे हैंडपंपों से पानी लाने को मजबूर हैं। जिसे लेकर लोगों में रोष है।

कोर्ट के निर्देश पर तीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। चरवा थाने के सैयद सरांवा रेलवे लाइन पर 11 महीने पहले मिले युवक के शव मामले में चरवा पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की बारीकी से जांच में जुट गई है। चरवा के दशाराम का पूरा मजरा शेखपुर रसूलपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार का शव क्षत विक्षत सैयद सरांवा रेलवे क्रॉसिंग पर 20 फरवरी 2022 को मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। भाई कुलदीप के अनुसार ओदारपुर गांव निवासी तूफान सिंहए बलराम और आंनद ने प्रदीप से डेढ़ लाख रुपया उधार लिया था। उसी रुपए को न देना पड़े इसीलिए प्रदीप की हत्या कर शव रेलवे लाइन पर ठिकाने लगा दिया था। थाना समेत उच्चाधिकारियों से शिकायत के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट नहीं दर्ज की थी। रिपोर्ट दर्ज न होने पर कुलदीप ने कोर्ट का सहारा लिया। शुक्रवार रात पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर तीनों के खिलाफ हत्या कर शव ठिकाने लगाने का मुकदमा दर्ज कर लिया। केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

गरीब की गुमटी को आराजकतत्वों ने पलटा

दारानगर, कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के टेढीमोढ में परिवार के जीविकोपार्जन के लिए रखी गरीब की गुमटी को आराजकतत्वों ने पलट दिया। जानकारी होने पर पीड़ित गरीब ने पुलिस ने न्याय की गुहार लगाई है। बता दें कि भानीपुर गांव निवासी राममनोहर पुत्र वासदेव टेढ़ीमोड़ के समीप गुटका, पान की एक छोटी सी गुमटी खोल रखी है। आरोप है कि उसकी गुमटी के सहारे पूरे परिवार का लालन पानल होता है। इतना ह नहीं पीड़ित एक विकलांग व्यक्ति है। जिसे आराजतत्वों ने पलटा दिया। हालांकि तहरीर के बाद पुलिस छानबीन शुरू कर दिया था।

बाइक की टक्कर से युवक जख्मी

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के गुलामीपुर बाजार के समीप शनिवार की शाम सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बाइक चालक गाडी छोड़कर मौके से भाग निकला।

सैनी कोतवाली के भैरोपुर निवासी दिनेश कुमार पुत्र अमृत लाल शनिवार को किसी काम से गुलामीपुर बाजार गया था। बताया जा रहा है कि दुकान से कुछ सामान खरीदने के बाद वह सड़क पार करने लगा। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार ने दिनेश को जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी घायल के परिजनों को देते हुए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

ट्रक और डंपर की आमने-सामने भिड़ंत में दोनो चालक जख्मी

कौशाम्बी। कड़ाधाम थाना क्षेत्र में लेहदरी पुल के पास शनिवार की सुबह ट्रक और डंपर में आमने.सामने से भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों चालक अपने.अपने वाहन के केबिन में फंस गए। मौके पर जुटे लोग और पुलिस ने दोनों चालक को बाहर निकलवाते हुए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर देख डॉक्टर ने दोनों चालक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

किशोरी को भगा ले गया पड़ोसी गांव का युवक

कौशाम्बी। कोखराज कोतवाली इलाके के एक गांव की किशोरी को पड़ोसी गांव का युवक शनिवार की सुबह प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले गया। देर शाम पीड़ित पिता ने मामले की शिकायत चौकी पुलिस से करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। किशोरी के गायब होने के बाद से परिजन अनहोनी की आशंका से भयभीत हैं।

परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह किशोरी घर से खेत की ओर जाने के लिए निकली थी। किशोरी के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू किया तो मामले की जानकारी हुई। शनिवार को दिनभर किशोरी के घर वाले तलाश करते रहे पर प्रेमी युगल का कहीं पता नहीं चल सका।

बबूल का पेड़ काटने के विरोध पर मारपीट

कौशाम्बी। पश्चिमशरीरा कोतवाली के आशाढ़ा गांव में मंगलवार की शाम पट्टीदारों ने विवाहिता को बेरहमी से पीट दिया। आरोपित महिला के खेत में खड़े बबूल का पेड़ काट लकड़ी उठा ले गए थे। पीड़िता ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से किया पर कोई सुनवाई नहीं हुई। शनिवार को पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

आषाढ़ा गांव की कमरून पत्नी बकरीदी ने बताया कि उसके खेत में बबूल का पेड़ था। सोमवार की रात पट्टीदार पेड़ को काटते हुए उसकी लकड़ी उठा ले गए। मामले की जानकारी पीड़िता को मंगलवार की दोपहर हुई। आरोपितों के घर पहुंच महिला ने विरोध किया तो पट्टीदारों ने महिला को बेरहमी से पीट दिया। पड़ोसन के साथ मारपीट देख घर.परिवार के साथ मोहल्ले के अन्यलोग भागकरमौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बीच.बचाव करते हुए मामला शांत कराया। देर शाम पीड़िता ने थाने पहुंच मामले की शिकायत पुलिस से किया। आरोप है कि नामजद शिकायत के बाद भी पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किया। पीड़िता ने गुहार लगाई तो एसपी ने पीड़िता को जांच और कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

पहाड़पुर सुधवर गांव में निकाली गई भव्य कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं व लोग

चरवा, कौशाम्बी। चायल क्षेत्र के ग्राम पहाड़पुर सुधवर में शनिवार को मकर सक्रांति के अवसर पर गांव के लोगों ने भव्य कलश यात्रा निकालौ। इस दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालुओ ने भाग लिया। इतना ही नहीं कलश यात्र के बाद भागवत कथा का आयोजन मकर सक्रांति से 7 दिन तक प्रतिदिन 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगा।

बता दें कि कलश यात्रा पहाड़पुर सुधवर गांव से निकलकर कमालपुर गांव होते हुए सुधवर में में वापस समापन हुआ। इस दौरान कलश यात्रा में डीजे की धुन पर श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों की धुन पर थिरकते नजर आए। साथ ही सजावटी रथ कलश यात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। कहा जा रहा है कि श्रीमद भगवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह के मकर सक्रांति पर्व पर प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। कार्यक्रम के मुख्य संचालक रामायण दत्त तिवारी और एम पी त्रिपाठी ने कलश यात्रा में शामिल लोगों का आभार प्रकट किया। वहीं कथा वाचक बृजानंद महाराज द्वारा कथा की जाती है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान भारत लाल, पवन पांडेय, बृजेश पांडेय, अनुज पांडेय, एवं शेष त्रिपाठी सहित तमाम महिला व ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षेप

एक नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ केस

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने एक नामजद आरोपी समेत दो अज्ञात के खिलाफ राहजनी तथा मारपीट व जानलेवा धमकी को लेकर केस दर्ज किया है। कोतवाली के भटनी निवासी राजेन्द्र सोनी के पुत्र अभय सोनी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि तेरह फरवरी की सुबह वह घर के समीप नहर की पुलिया पर बैठा था। इस बीच एक बाइक से तीन बदमाश वहां आ धमके। बदमाशो ने पीडित पर तमंचा सटाकर पांच हजार रुपए नकद व मोबाइल छीन लिया। शोर मचाने पर आरोपियो ने पीडित को तमंचे की नोंक पर जानलेवा धमकी दी। इस बीच ग्रामीण जुट गये और बदमाशो की घेराबंदी करने लगे। इनमे से एक बदमाश राजेन्द्र नगर लालगंज निवासी राजकुमार का पुत्र शिवा कश्यप को ग्रामीणों ने दबोच लिया। ग्रामीणों ने उसकी ठुकाई भी कर दी। इस बीच बाइक पर सवार होकर दो बदमाश भाग निकले। पुलिस ने ग्रामीणो द्वारा पकडे गये आरोपी को कब्जे मे लिया और शुक्रवार की रात घटना मे केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पकडा गया आरोपी बाल अपचारी है जिसे बाल न्यायालय में भेजा गया है।

शहीद की अन्तिम बिदाई में उमड़ा जैन सैलाब

शहीद

बीएसएफ में तैनात थे एसआई शिव बहादुर सिंह

मंत्री, सांसद, विधायक व डीएम, एसपी ने दी श्रृद्धांजलि

शहीद को श्रद्धांजलि देने पहुंचे जनप्रतिनिधि व अन्य

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के बड़नपुर निवासी शिव बहादुर सिंह बीएसएफ में एसआई के पद पर तैनात थे। उनकी तैनाती पंश्चिम बंगाल के कूच बिहार बार्डर पर थी। बार्डर पर ड्यूटी के दौरान शुक्रवार की रात शहीद हो गये थे। शहीद शिव बहादुर सिंह का पार्थिव शरीर बीएसएफ के वाहन से शनिवार की रात लगभग 11 बजे उनके पैतृक गॉव बड़नपुर पहुंचा। घर पर बड़ी संख्या में लोग पहले से ही मौजूद थे। शहीद का शव घर पहुंचते ही चीत्कार से पूरा इलाका गमगीन हो गया। शहीद शिव बहादुर सिंह के दो बेटी व एक बेटा इस वर्ष इण्टर पास हो चुका है। दोनों बेटियॉ बेटे से बड़ी हैं जिनकी अभी तक शादी नहीं हुई है। वह बेटियों की शादी की तैयार कर रहे थे। तीन भाइयों में शिव बहादुर सिंह सबसे बड़े थे। उनके पिता भी सेना में सूबेदार के पद से रिटायर हुए हैं। पति का शव देखते ही पत्नी बेबी सिंह व परिजन चीत्कार मार कर रोने लगे। वहॉ मौजूद सभी की ऑखें नम थी। रोते रोते पत्नी व बेटियॉ बेहोश हो जा रही थी। किसी तरह रिस्तेदारों ने उन्हें संभाला। शनिवार की दोपहर शहीद शिव बहादुर सिंह का गॉव के बाग में उनका अन्तिम संस्कार कर दिया गया। सीएम योगी ने शहीद की पत्नी को पचास लाख रुपए व एक नौकरी देने की घोषणा की है। इस दौरान बड़ी संख्या में नेता व आसपास के इलाके के लोग मौजूद थे।

गॉव के बाग में किया गया अंतिम संस्कार

तोपों की सलामी के बीच शहीद शिव बहादुर सिंह का शनिवार की दोपहर बाद पैतृक गॉव के बड़नपुर में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शहीद शिव बहादुर सिंह (फाइल फोटो)

जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

प्रदेश सरकार के मंत्री मंयकेश्वर शरण सिंह, सांसद संगमलाल गुप्ता, विधायक राजेन्द्र मौर्य के अलावा जिले के तमाम जनप्रतिनिधियों के साथ ही डीएम डा0 नितिन बंसल व एसपी सतपाल अंतिल ने शहीद को श्रृद्धांजलि अर्पित की।

विहिप ने गोवंश के हत्यारों के खिलाफ दी तहरीर

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के पूरे ईश्वरनाथ वार्ड में शनिवार की सुबह एक गोवंश को कुछ लोगों ने पीट पीट कर मार डाला। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा विहिप के लिए सेवा कार्य करने वाले डॉ शिवेशानन्द महाराज को दी गई। सूचना पर डॉ शिवेशानन्द महाराज व नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर देखा कि गोवंश सड़क पर मृत पड़ा था। गोवंश की स्थिति देखकर डॉ शिवेशानन्द महाराज द्वारा उसका पोस्टमार्टम कराने की मांग पर पशु चिकित्सालय से चिकित्सक का एक दल भी घटना स्थल पर पहुंच गया। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक जांच में ज्ञात हुआ कि गोवंश को पीट कर काफी दौड़या गया है जिससे उस गोवंश की मृत्यु हो गई। इस घटना से नाराज डॉ शिवेशानन्द ने पुलिस को गो हत्यारों के विरुद्ध तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की। घटना स्थल पर स्थानीय लोगों के अलावा सिविल लाइंस पुलिस चैकी प्रभारी, पशु चिकित्सकों का एक दल व विहिप के सत्संग प्रमुख श्रीनारायण शुक्ल मौजूद रहे।

विद्युत उपकेन्द्र से तेल चोरी

लालगंज। अज्ञात चोरों ने शुक्रवार की रात विद्युत उपकेंद्र मे लगे ट्रांसफार्मर से कीमती तेल चोरी कर लिया। लीलापुर थाना के हण्डौर स्थित विद्युत उपकेंद्र मे लगे दो ट्रांसफार्मरो से चोरों ने लाईन को काटकर तेल चोरी की घटना को अंजाम दिया। इसके कारण विद्युत उपकेंद्र से आपूर्ति भी बाधित हो गयी। घटना की जानकारी मिलने पर शनिवार की सुबह उपखण्ड अधिकारी भी विद्युत उपकेन्द्र पहुंचे और तेल चोरी की घटना की जानकारी ली। घटना को लेकर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता शीलवंत सिंह ने लीलापुर थाने पहुंचकर तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

परिवहन विभाग की नेत्र स्वास्थ्य शिविर में सात चालक अनफिट

नेत्र परीक्षण शिविर

अनफिट चालकों को चिकित्सक ने वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से चश्मा लगाने की दी सलाह

शिविर में नेत्र जांच करते विशेषज्ञ

प्रतापगढ़। सड़क सुरक्षा माह के तहत शनिवार को परिवहन विभाग की ओर से रोडवेज बस अड्डे पर नेत्र परीक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें सात निजी वाहन चालकों की नजर वाहन चलाने के लिए अयोग्य मिले। चिकित्सक ने इन्हें वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से चश्मा लगाने की सलाह दी। शनिवार को रोडवेज बस अड्डे पर लगे शिविर में रोडवेज के चालक, परिचालक, परिवहन विभाग के सिपाही सहित निजी चालकों का नेत्र व सेहत परीक्षण कराया गया। कुल 47 लोगों की जांच में सात निजी वाहन चालकों की नजर कमजोर मिली। राजकीय मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक ने इन्हें वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से चश्मा लगाने की सलाह दी। शिविर की शुरूआत करते हुए पीटीओ दिनेशचन्द्र शर्मा ने कहा कि चालक नशे की हालत में बस न चलाएं, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। यह खयाल रखें कि आपके कंधे पर यात्रियों को सकुशल पहुंचाने की जिम्मेदारी है। ऐसे में नशे की हालत में वाहन चलाकर अपने साथ यात्रियों की जान सांसत में न डालें। एआरएम रोडवेज पीके कटियार ने भी चालकों-परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी।

नर में नारायण और नारी में नारायणी के स्वरूप का करना चाहिए दर्शन : प्रांत प्रचारक रमेश

कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित हुआ मकर संक्रांति उत्सव कार्यक्रम

लोगों को संबोधित करते प्रांत प्रचारक रमेश

प्रतापगढ़। मकर संक्रांति का पर्व सामाजिक समरसता का पर्व है, हमारी परंपरा सभी को साथ में लेकर चलने की है। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर नगर के शहीद उद्यान में आयोजित मकर संक्रांति उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने कहा। उन्होंने कहा कि सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना यह भाव हम सभी के मन में होना चाहिए। हम सभी को नर में नारायण और नारी में नारायणी के स्वरूप का दर्शन करना चाहिए। हम सभी मां भारती की संतति है। हम सभी के लिए राष्ट्र सबसे पहले हैं । उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से समाज में विभिन्न राष्ट्र विरोधी शक्तियां समाज को विखंडित करने में लगी हुई हैं, हमारी भूमिका और बढ़ जाती है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, शिक्षा सेवा का माध्यम है। एक शिक्षित व्यक्ति को और समाज की सेवा के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम, भगवान श्रीकृष्ण हम सब के आदर्श हैं,हम सभी उनके आराधक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि भगवान की आराधना के साथ-साथ श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे श्रीराम के आदर्शों पर चलकर ही समाज को सही दिशा दी जा सकती है और राष्ट्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने लव जेहाद पर आगाह करते हुए कहा कि आज बेटियों को शिक्षित और जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के शुभारंभ पंडित आलोक मिश्र के स्वस्तिवाचन के साथ प्रांत प्रचारक रमेश और सम्मानित संघचालक द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर विभाग संघचालक रमेश चंद्र त्रिपाठी, जिला संघचालक चिंतामणि द्विवेदी, सह नगर संघचालक नितेश खंडेलवाल,जिला कार्यवाह डॉक्टर सौरभ पांडेय, जिला प्रचारक शिवप्रसाद,प्रचार प्रमुख प्रभाशंकर पांडेय, आलोक गर्ग, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्र, शिव शंकर सिंह, राजेश सिंह, दिनेश अग्रहरि, शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, गौरी शंकर सिंह, शीतांशु ओझा, अजय पांडेय,भूपेंद्र सिंह, डॉ रघुनाथ शुक्ला, सर्वोत्तम, रमेश पटेल, संदीप रावत, हरी प्रताप सिंह, पिंकी दयाल, प्रमिला शुक्ला, राजा सिंह,अशोक शर्मा, ज्योति जायसवाल, अनीता पांडेय, देवापि, डॉ बृज भानु सिंह, योगेश शर्मा एडवोकेट,महेश कुमार गुप्ता एडवोकेट, शिवेश शुक्ल एडवोकेट, विनीत शुक्ल सहित आदि उपस्थित रहे।

युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले गया

पट्टी। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से एक युवती को एक युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया। सुबह जब मां को यह जानकारी हुई तो उसने मामले मे नामजद तहरीर पट्टी कोतवाली में दी है। आरोप है कि पास के गांव का एक युवक उसकी लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

बॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

प्रतापगढ़। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय युवा स्पोर्ट वालीबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ 15 जनवरी को मांधाता विकास खण्ड के सहेरूआ गांव में होगा। त्रिभुवन सरोज मतोली पासी के द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतिगोगिता का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के द्वारा किया जायेगा।

आधा दर्जन के खिलाफ बलवा समेत गंभीर धाराओं मे केस

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना मे आधा दर्जन आरोपियो के खिलाफ बलवा तथा मारपीट व धमकी का केस दर्ज किया है। सलेम भदारी महंगुआ निवासी जगदेव के पुत्र राधेश्याम ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि शुक्रवार को सुबह साढे सात बजे जमीनी विवाद को लेकर रंजिशन गांव के जीतलाल, भोला वर्मा तथा पडोसी गौसपुर के आशीष व इसी गांव के पप्पू वर्मा एवं अंकित तथा अनुज ने उसके भाई को लाठी डंडे से मारने पीटने लगे। बीचबचाव के लिए वह गया तो उसे भी आरोपियो ने गाली देते हुए मारापीटा। हल्ला मचाने पर आरोपियो ने जानलेवा धमकी भी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार की रात आधा दर्जन आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है।

समाधान दिवस में एसडीएम व सीओ ने सुनीं शिकायतें

लालगंज। शनिवार को थाना समाधान दिवस मे यहां कोतवाली मे एसडीएम तथा सीओ ने संयुक्त रूप से शिकायतों की सुनवाई की। अफसरों ने शिकायतो की सुनवाई करते हुए मातहतो को मौके पर जाकर निस्तारण कराए जाने के कडे निर्देश दिये। एसडीएम सौम्य मिश्र ने शिकायतो की सुनवाई करते हुए समाधान दिवस मे जमीनी विवाद से जुडे मामलो मे पुलिस एवं राजस्व टीम का गठन किया। वहीं सीओ रामसूरत सोनकर ने पुलिस से जुडी शिकायतो की सुनवाई करते हुए हल्का दरोगाओं को मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की मौजूदगी में शांति व व्यवस्था के बाबत निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिये। समाधान दिवस का संचालन प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने किया। समाधान दिवस में कुल छः शिकायतें आयीं। इनमें से दो का अफसरों ने निस्तारण कराया।

शीतला देवी धाम पर सांसद द्वारा आयोजित हुआ समरसता भोज

प्रतापगढ़। सांसद प्रतापगढ़ व राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा संगम लाल गुप्ता के संयोजकत्व में कटरा मेदनीगंज स्थित माता प्रतापवासिनी शीतला देवी धाम परिसर में आयोजित मकर संक्रांति के पर्व पर समरसता भोज का आयोजन किया गया।

सांसद संगम लाल गुप्ता ने कहा कि समरसता भोज समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम करता है। इसलिए सहभोज का आयोजन महत्वपूर्ण है। समाज एकजुट रहेगा, तो राष्ट्रविरोधी शक्तियों की कुत्सिक मानसिकता से बचते हुए समाज में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की नीतियों के अनुसार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने में हम सफल हो सकेंगे। इस अवसर पर समरसता भोज में बड़ी संख्या में सर्वश्री जीत लाल पटेल विधायक विश्वनाथगंज, डॉ0 सौरभ पाण्डेय, रमेश चन्द्र त्रिपाठी, चिन्तामणि दूबे, शिव शंकर सिंह, हरिओम मिश्र जिलाध्यक्ष भाजपा, शिव प्रकाश सेनानी, श्रीमती प्रतिभा सिंह, राम शिरोमणि शुक्ला, गिरधारी सिंह, राजेश सिंह, भूपेश त्रिपाठी, आशीष श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश पटेल, जगत पासी, राम लखन यादव, संजय पाल, माधुरी सिंह, बबिता निर्मल, पवन सरोज, प्रमोद पटेल, गिरीश जायसवाल, अनिल सरोज, सोनू विश्वकर्मा, राजेन्द्र सरोज, खेदनलाल जायसवाल, योगेश योगी, अभिषेक पाण्डेय, विवेक उपाध्याय आदि उपस्थित रहे। समरसता भोज में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष को ध्यान में रखते हुए परम्परागत खिचड़ी के अलावा मकरा, कोदो, सांवा, बाजरा, रागी, बेर्रा, जौ आदि से निर्मित पकवान को बड़ी संख्या में सहभागियों ने चांव से ग्रहण किया।

समरसता भोज ग्रहण करते लोग

सीनियर महिला कबड्डी का चैंपियनशिप 17 को

प्रतापगढ़। जिला महिला कबड्डी चैंपियनशिप सीनियर वर्ग खेल का आयोजन 17 जनवरी अर्थात मंगलवार को जिला स्पोट्स स्टेयिम प्रतापगढ़ में आयाजित किया गया है। यह जानकारी देते हुए कबड्डी एसोसिएशन के राम कुमार सिंह ने बताया कि कबड्डी खेल का आयोजन स्पोर्टस स्टेडियम में एक बजे से किया जायेगा। इस खेल में जिले के किसी भी स्कूल, कालेज, गॉव आदि की महिला टीम की महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकती हैं। वशर्ते महिला खिलाड़ी का वजन 75 केजी से अधिक न हो। उम्र की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। खेल में भाग लेने के लिए महिला खिलाड़ी को अपना आधार लाना अनिवार्य है। इसके बिना खेल में भाग नहीं ले सकती। अधिक जानकारी के लिए राम कुमार सिंह के मोबाइल नं0 9721190000 से किया जा सकता है। यह निर्णय एसोसिएशन के अध्यक्ष कुंवर बीरेन्द्र प्रताप सिंह, सचिव डा0 धीरेन्द्र प्रताप सिंह, रवि प्रकाश सिंह आदि के बैठक में लिया गया।

खिचड़ी भोज में उमड़ी लोगों की भीड़

खिचड़ी भोज का प्रसाद वितरण करते हुए

प्रतापगढ़। श्रीसीताराम धाम जोगापुर में शनिवार को खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु, भक्त उमड़े रहे। आयोजक राकेंद्र शर्मा रामायनी ने बताया कि भोज में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह और मेडिकल कॉलेज के डाक्टर मनोज खत्री ने भी प्रसाद वितरित किया।

आशीर्वाद कार्यक्रम आज

प्रतापगढ़। 15 जनवरी को सुबह नौ बजे बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप की तरफ से रीवर डेल पब्लिक स्कूल सियाराम कालोनी में आशीर्वाद कार्यक्रम रखा गया है। जिसके मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज हरदोई के प्राचार्य डाक्टर आर्य देशदीपक और विशिष्ट अतिथि डाक्टर मनोज खत्री, प्रिंसिपल इमरान खान होंगे। यह जानकारी ग्रुप के वरिष्ठ सहयोगी अश्वनी केसरवानी ने दी है।

महाराजा अजीप प्रताप सिंह की मनाई गई 106वीं जयंती

महाराजा अजीत प्रताप सिंह की 106वीं जयंती मनाते लोग

प्रतापगढ़। सिटी स्थित पीबी इण्टर कालेज में शनिवार को महाराजा अजीत प्रताप सिंह की 106वीं जयंती मनाई गई। कालेज परिसर में स्थापित मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। राजा अजीत प्रताप सिंह का जन्म 14 जनवरी 1017 मानधाता ब्लाक के कुल्हीपुर गॉव में हुआ था। उन्हीं के पिता राजा प्रताप बहादुर सिंह के नाम पर जिले का नाम प्रतापगढ़ पड़ा। इससे पहले जिले का नाम बेल्हा हुआ करता था। वह भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस के सदस्य थे। राजा अजीत प्रताप सिंह जिले की एक ऐसी सख्सियत थे जो संसद की दोनों सदनों व उत्तर प्रदेश की विधानसभा व विधान परिषद के कई बार सदस्य रहे। वह प्रदेश के कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी संभाले। राजा अजीत प्रताप सिंह के पौत्र भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा अनिल प्रताप सिंह भी उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए सामाज व राजनीति के क्षेत्र में प्रमुख योगदान दे रहे हैं। कालेज के प्रधानाचार्य डा0 अनूप कुमार सिंह, प्रवक्ता डा0 विनय कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार रावत व धर्मेन्द्र बहादुर सिंह ने स्व0 महाराज को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व की सराहना की। इस दौरान राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अमरेन्द्र प्रताप सिंह, शमशाद अहमद, अखिलेश प्रताप सिंह, शशि प्रकार त्रिपाठी, प्रदीप कुमार सरोज, अनूप कुमार यादव, डा0 ज्योति श्रीवास्तव, रूचि सिंह, ममता त्रिपाठी, राम निरंजन सिंह, अरविन्द कुमार सिंह, रवीन्द्र सिंह, विनय कुमार सिंह, करूणेश कुमार सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह, विपिन, विनीत, यशवेन्द्र यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टीकाकरण अभियान की शुरूआत आज

प्रतापगढ़। शहरी क्षेत्रों में बच्चों के नियमित टीकाकरण का औसत ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा कम होने की स्थिति में शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण को सुदृढ करने के लिए जिला अस्पतालों तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो में प्रतिदिन टीकाकरण करवाने का निर्देश दिया गया है। इसी के क्रम में 15 जनवरी 2023 को प्रतापगढ़ शहर के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतनगर में इस अभियान का शुभारंभ किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए समन्वयक आकाशदीप ने बताया है कि जिन अभिभावक को अपने बच्चों या गर्भवती महिला का टीकाकरण करवाना वे इसका लाभ उठायें। साथ ही जिला महिला अस्पताल में भी नियमित टीकाकरण की सेवा दी जायेगी ।

सिख समुदाय ने धूमधाम से मनाई लोहड़ी का पर्व

प्रतापगढ़। शहर के गुरूद्वारा गुरू नानकशही बाबागंज व गुरू सिंह सभा पंजाबी कालोनी में शुक्रवार की रात सिख समुदाय ने बडे.ही धूमधाम से लोहड़ी का पर्व मनाया। समुदाय के लोगों ने लोहड़ी जलाकर नृत्य व सबद कीर्तन किया। परविन्दर कौर ने अपने जत्थे के साथ सबद कीर्तन, अरदास की और प्रसाद का वितरण किया गया। लोहड़ी जलाकर महिला, पुरूष व बच्चों ने अग्नि की परिक्रमा की। लाई, गुड़, तिल, मूंगफली आदि अग्नि को भेंटकर देश की खुशहाली के लिए अरदास की। ढ़ोल नगाड़ों की धुन पर युवक व युवतियों ने पारंपरिक गिद्धा व भांगड़ा डांस किया। लोहड़ी पर्व पर समुदाय के लोगों ने जमकर धमाल मचाया। इस दौरान प्रमुख रूप से कुलदीप सिंह, सतनाम सिंह, जसबीर सिंह, रघुबीर सिंह, मंजीत सिंह, सरबजीत सिंह, सतबीर सिंह, सुरजीत सिंह, कुलविंदर सिंह, सोनू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

लोहड़ी का पर्व मनाते सिख समुदाय के लोग

हम हार गये हैं पर अभी थके नहीं हैं: अशोक वाजपेयी की नौ कविताएं

1.
हम अन्त की ओर जा रहे हैं, यह तो पता है।
पर क्या अन्त भी हमारी ओर आ रहा है, यह पता नहीं।
पते तो बहुत सारे खो या गुमा दिये गये हैं,
हमारा पता भी कुछ शब्द ही रह गया है।
हम किस पते पर आगे मिलेंगे, इसका ठिकाना नहीं।

2.
एक दस्तक, एक पुकार, एक आहट
दरवाजा बन्द है
खोलते हुए आशंका होती है
हमसे मिलने काल के अलावा
और कौन अब आयेगा?

3.
ठण्ड में बहुत कुछ पास आ जाता है
धूप झिझकते हुए निकलती है
शब्द ठिठुरे हुए न जाने कहाँ दुबके हैं?
कविता, फिर भी, आती लग रही है।

4.
जब सब कुछ स्थगित, बन्द, बिलमता रहता है
तब भी अथक अविराम जीवन आता रहता है-
हवा के ठण्डे झोकों में, बाहर असमय हो गये अँधेरे में,
गलियारों में पसरी खामोशी में,
पुस्तकों में अचानक रोशन हुई इबारतों में,
जीवन आता रहता है-

5.
उसने एक हरा कुरता पहना
ऊपर का नीला आकाश हरिताम हो गया-
पृथ्वी पर नहीं पड़ी कोई परछाईः
कहीं पानी दिगम्बर बहता रहा...

6.
आकाश में शब्द खोजता है कवि
पृथ्वी पर छाये आकाश में
आकाश की अपनी वर्णमाला है
जिसे बूझने की कोशिश करता है कविः
जैसे पृथ्वी वैसे ही आकाश
कुछ भी नहीं छुपाते कवि से,
फिर भी, कवि के पास शब्दों की कमी है।

7.
जंगल और चट्टानों से घायल
नदी बहती है हरे पानी में।
किनारे की डाल पर बैठी पीली चिड़िया
चहककर गाती है एक प्रफुल्ल गान-
तैरता रहता है उत्तप्त रक्तिम गान
दूर तक नदी में-
समय, नदी की तरह,
अपना हर आवरण उतारता है।

8.
एक आवाज आती है
आकाशगंगाओं में नहाकर स्वच्छ हुई,
सूर्यों और चन्द्रमाओं को ठेलती हुई,
अन्तरिक्ष की कई खिड़कियों से टकराती हुई,
एक आवाज आती है-
एक आवाज जो कहीं जाने को नहीं चली है,
एक आवाज जो कहीं पहुँचने की जल्दी में नहीं है,
एक आवाज जो प्रार्थना नहीं बनना चाहती,
इन सबको रौंदती हुई,
हिमगिरियों नदियों समुद्रों को पार करती हुई,
मृत्यु या जीवन की गन्ध का लेप करती हुई,
एक आवाज आती है-
धीरे-धीरे समय की तरह सिसकती हुई,

निरस्त्र उज्ज्वल असम्बोधित
एक आवाज आती है-
वह कविता में समा नहीं सकती
पर आत्मा को घर में उजास जैसा भर देती है
एक आवाज आती है...

9.
मैं अब भी कभी-कभी आवाज देता हूँ
भुला दिये गये देवताओं को
अपने पद्यों में लिपटे प्राचीन कवियों को
अपनी असहमति के लिए मारे गये लोगों को---
मुझे पता है साहस पर हमारा एकाधिकार नहीं,
जोखिम हम होशियारी से उठाते हैं,
हमारा चौकन्ना होना रणनीति है,
हमने प्रतिरोध में अपने को नष्ट नहीं होने दिया है---
हमें उनका समर्थन नहीं चाहिये
जिन्हें मैं आवाज देता हूँ
सिर्फ.यह आश्वासन
कि उनका उत्तराधिकार थोड़ा-बहुत बचा हैः
हम हार गये हैं पर अभी थके नहीं हैं।
मैं आवाज देता हूँ---

(वरिष्ठ कवि एवं साहित्यिक, सांस्कृतिक चिंतक अशोक वाजपेयी 16 जनवरी को अपने जीवन के 82 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इस उम्र में भी उनके कवि कर्म की की निरंतरता, समाज और साहित्य के प्रति उनके सरोकार एवं सक्रियता और नयी पीढ़ी के साथ उनके गहन संवाद की अविरलता किसी को भी अचम्भित कर सकती है। कला, साहित्य, समय, सत्ता और समाज के प्रश्नों पर उनका हस्तक्षेप हमारा न केवल उत्साह जगाता है बल्कि हमें साहस भी देता है। उन्होंने अपने सक्रिय और रचनात्मक जीवन के 60 से भी ज्यादा वर्षों में विचार, कला, साहित्य और संरचना के क्षेत्र में जो योगदान किया है, वह अभूतपूर्व है। उनके अवदान को किसी की स्वीकृति की अपेक्षा नहीं है। जनसंदेश टाइम्स उन्हें स्वस्थ, सक्रिय और सुदीर्घ जीवन की शुभकामनाएँ देता है। इस मौके पर प्रस्तुत है जीवन, कला और साहित्य से जुड़े प्रश्नों पर उनसे पूनम अरोड़ा की एक बातचीत)

अकेले सच या अकेले पड़ जाने को विवश किये गये सच को लाख झूठ दबा नहीं सकतेः अशोक वाजपेयी

स्वतंत्रता और प्रश्नवाचकता बनाये रखनी होगी

*** आज के समय कला और साहित्य मनुष्य को उसके अधिकार, उसका अस्मितापूर्ण अस्तित्व प्रदान करता है और आपकी कविताओं में प्रकृति के माध्यम से यह घटना घटती है। क्या आप जीवन और कला को प्रकृति का एक तटस्थ और ठोस आधार मानते हैं?**

* यह दावा करना कठिन है कि साहित्य और कलाएँ हमारे समय में मनुष्य को 'अधिकार, उसका अस्मितापूर्ण अस्तित्व प्रदान' करते हैं। इतना भर कह सकते हैं कि साहित्य और कलाएँ मनुष्य के संसार में अपने मौलिक अधिकारों की चेतना जगाते हैं। शायद यह कहना बेहतर हो कि यह अधिकार यथार्थ को समझने, उसका विकल्प खोजने, कल्पना से दूसरे संसार की रचना करने और उसमें जा पाने की क्षमता का अवबोध कराने का है। मनुष्य की मनुष्यता जितनी जैविक रूप से दी हुई है उतनी ही उसे रचना-गढ़ना, संशोधित-परिवर्द्धित भी करना होता है। शायद साहित्य और कलाएँ इसमें मददगार होती या हो सकती हैं।

मनुष्य की अस्मिता का एक अनिवार्य सन्दर्भ प्रकृति हैः वह उसका अंग भी है और भाषा-अमूर्तन-आत्मचेतना के कारण उससे अलग भी। मनुष्य का प्रकृति से संवाद, सामंजस्य, स्पर्धा आदि सदियों से चले आ रहे हैं। वह कविता और साहित्य के लिए सदियों से उपजीव्य रही है- अनेक छवियों, रूपकों और प्रतीकों का, बिम्बों और सौंदर्य का स्रोत रही है। मेरी कविता इस परम्परा की सजग उत्तराधिकारी हैः उस पर ध्यान कम गया है क्योंकि, दुर्भाग्य से, इधर की कविता प्रकृति से निरन्तर दूर जाती कविता है। प्रकृति हमारी संवेदना को तीक्ष्ण करती है, हमारी सौंदर्य-चेतना को अधिक समावेशी और बहुल बनाती हैः वह इबारत भी है और प्रसंग भी। ये सभी हमारी बुनियादी मानवीयता को पुष्ट-समृद्ध करते हैं। शायद इसे समग्र रूप से मनुष्य को इस ब्रह्माण्ड में अपनी जगह खोजने-पाने के लिए अधिकृत करना भी कहा जा सकता है। प्रकृति तटस्थ होती और नहीं भी होती है। वह मनुष्य का और कविता का बड़ा असमाप्य स्रोत रही है, आज भी है।

*** कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपने में सिमटा कर रख दिया है। इंसान चुना हुआ एकांत नहीं बल्कि जबरन दिया गया अकेलापन अपनाने को बाधित हो गया। ऐसे में एकांत की आपकी परिभाषा क्या रही? लिखने-पढ़ने से इतर किस कार्य या विचार ने आपको सबसे अधिक व्यस्त या कहें अपने एकांत में सुरक्षित रखा?**

* महामारी का विश्व-व्यापी प्रभाव हुआ है और हम सभी पर जबरन अनिच्छित

सैयद हैदर रजा के साथ अशोक वाजपेयी

एकांत लाद सा दिया गया। महामारी होने के बावजूद सत्ताओं ने नीचता, क्रूरता से काम कर सामाजिक और अन्य स्वतंत्रताओं में कटौती की। भौतिक दूरी और सामाजिक दूरी कहकर उसका आशय दूषित करने की कोशिश हुई। लाखों प्रवासी मजदूरों ने सत्ताओं की अमानवीयता झेली। दूसरी ओर, नयी तकनीक ने संवाद-सहकार-सामुदायिकता के नये मंच तैयार किये और उनसे, आगे जाकर हो सकता है, नयी सामाजिकता के रूपाकार निकलें। जिस विशाल जीवन और उसके स्पन्दन से हम भौतिक रूप से दूर हो गये, वह हमें साहित्य और अन्य कलाओं से, परोक्षतः सही, मिलता रहा। मैंने इस दौरान लिखना और उससे कई गुना ज्यादा पढ़ना जारी रखा। एकांत ने कुछ आत्मसमीक्षा का अवसर भी आसानी से दिया। यह भी कि दिनचर्या में कुछ अधिक नियमितता और उस कारण खासी यांत्रिकता भी आ गयी है। इस विचार ने लगातार परेशान किया कि वे इतने लम्बे इतिहास, इतनी व्यापक और बहुल संस्कृति, इतने लम्बे और कठिन संघर्ष के बावजूद हमारी संस्थागत उपलब्धियाँ जैसे लोकतंत्र, स्वतन्त्रता-समता-न्याय, संवैधानिक और अन्य संस्थाएँ इतनी आसानी से टूट-फूट गयी हैं और लगातार बिखर और अवमूल्यित हो रही हैं। भारतीय समाज में भयानक टूटन है और उसे बचाने की चिन्ता और चेष्टा इतनी कम दिखायी दे रही है। महामारी भी, अमानवीय ढंग से, इस टूटफूट को सरंजाम देने का बहाना बन गयी, इतनी आसानी से।

*** कविता अदृश्य का आख्यान होती है। आपके अनुसार कविता में रंग, ध्वनि और आत्मिक संतुष्टि के मायने क्या हो सकते हैं?**

* कविता अदृश्य को, अकथ को दृश्य और कथन के अहाते में लाने की कोशिश करती है। अगर आपका रंगबोध घना हो तो आपको कुछ कविताओं में रंग भी महसूस हो सकते हैंः कुछ कविताएँ नीलवर्ण, कुछ रक्ताभ, कुछ पियरायी और कुछ हरीतिमा लिये हुए लग सकती हैं। कविता शब्द के साथ-साथ ध्वनि का भी संयोजन है और उसमें अन्तर्ध्वनियाँ भी होती हैं। उसमें ध्वनि चित्रलिखित या बिम्बलिखित भी हो सकती है। अच्छा कवि शब्द के साथ-साथ ध्वनि और रंग को भी साधता है।

कविता से आत्मिक सन्तुष्टि कभी-कभार ही मिल पाती हैः उसकी रचना तो हमेशा एक किस्म की असन्तुष्टि से ही होती है। बेचैनी के बिना कविता संभव ही नहीं होती। यह भी सही है कि कविता अपने अनुभव, प्रतिक्रिया, सूझ आदि को व्यतीत होने से बचाने की कोशिश भी होती है। हम लिखते ही इसलिए हैं कि बचाना चाहते हैं और भाषा में जो व्यतीत होने को अभिशप्त है उसे बचाया जा सकता है। ऐसा कर पायें तो आत्मसन्तुष्टि होती है कि हमने कुछ हमेशा के लिए गँवा नहीं दिया।

*** सिनेमा, संगीत, नृत्य और चित्रकारी, आपकी इन सभी कलाओं में रुचि रही है। क्या साहित्य और कला की विभिन्न विधाओं के गुणधर्मो ने आपको अपनी कविता में, आपके भीतर चलती आवाजों को पहचान कर, कई बार उनका विरोध कर पाने का अतिरिक्त साहस या कहूँ कि सौंदर्य बोध दिया?**

* मेरा यह सौभाग्य है कि मेरे अनुभव-संवेदना-कार्यक्षेत्र में, विशेषतः शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य और ललित कलाएँ रहे हैं। ये सभी जीवनदर्शी विधाएँ हैं और उनसे मुझे तीसरे जीवन का कुछ अनुभव मिलता रहा। इन कलाओं का साहित्य से कुछ साम्य है और पर्याप्त अन्तर भी। मेरी समझ और अनुभव यह है कि हर कला की भाषा अलग है और इसलिए उसमें चरितार्थ होने वाला सच भी। संगीत, नृत्य और ललित कलाएँ जो करती हैं वह कविता नहीं कर सकतीः साथ

'कविता से आत्मिक सन्तुष्टि कभी-कभार ही मिल पाती हैः उसकी रचना तो हमेशा एक किस्म की असन्तुष्टि से ही होती है। बेचैनी के बिना कविता संभव ही नहीं होती।'

ही जो कविता करती है वह संगीत-नृत्य-ललित कलाएँ नहीं कर सकते। दूसरी तरफ, लय-बिम्ब-छवियाँ-आख्यान अभिप्राय आदि में सबकी साझेदारी भी होती है। मेरी कविता पर संगीत और ललित कलाओं का विधेयात्मक प्रभाव पड़ा है। आवर्तन, बिम्बों की लड़ियाँ, चित्रमयता आदि वहीं से आये हैं। कई बार इन कलाओं की जो जीवन्त उपस्थिति होती है, भौतिक रूप से, उससे कविता की अपर्याप्तता का बोध भी गहराया। अमूर्तन और निर्गुण को जैसे संगीत या ललित कला साध सकते हैं वैसे कविता नहींः भाषा अनतिक्रम्य रूप से सगुण होती है और उसमें वैसा अमूर्तन या निर्गुण सम्भव नहीं। मेरा सौन्दर्यबोध इन कलाओं से समृद्ध जरूर हुआ है। यह पहचान भी हुई कि संगीतकार, नर्तक या चित्रकार का सर्जनात्मक संघर्ष कवि के संघर्ष से किसी भी अर्थ में कमतर नहीं होता। व्यापक रूप से सृजन-विचार-सम्वेदना-साहस-संघर्ष की एक बड़ी बिरादरी है। मैंने उस पर ध्यान खींचने और उसे आगे बढ़ाने की कुछ कोशिश की है, कविता में, आलोचना और आयोजन में। शायद मैंने कलाओं और कलाकारों पर सबसे अधिक कविताएँ लिखी हैं, संगीत और ललित कलाओं पर विस्तृत आलोचना लिखी है।

*** एक कवि के रूप में, क्या आपकी धार्मिक आस्था और सामाजिक संस्कार ने आपको अपने रचना-कर्म के लिए एक आधार दिया या आपकी कविताएँ आपके चिन्तन और मनन की बुनियाद पर अपनी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करती हैं?**

* मुझे धार्मिक आस्था का वरदान नहीं मिला। धर्म के जो पारिवारिक संस्कार थे, वे भी 17-18 बरस की उम्र होते तक शिथिल पड़ गये और जल्दी ही पूरी तरह से गायब। इसलिये ऐसी आस्था कविता का आधार नहीं बन पायी। अलबत्ता कविता से ही मैंने धीरे-धीरे यह समझना शुरू किया कि जो विराट ब्रह्माण्ड है जिसमें हम सौभाग्य से हैं, उसका स्पन्दन आत्म का विस्तार करता है। कभी मैंने इसे 'ईश्वरहीन अध्यात्म' की संज्ञा दी थी। मेरी यह समझ बनती और गहरी होती गयी है कि साहित्य और कलाएँ हमारे समय में अध्यात्म की भी विधाएँ हैं, उस अध्यात्म की, जो धर्मों से अब बहिष्कृत है। धर्म-मुक्त अध्यात्म संभव है इस विचार ने मुझे बहुत प्रभावित-उत्प्रेरित किया है। भले ऐसा मानने में व्यापक रूप से हिचक है पर मैं तो कविता को सामाजिक संस्कार ही मानता हूँः उसका आत्मजनित होकर परसम्बोधित होना इसका स्पष्ट और अकाट्य साक्ष्य है।

मैं यह जोड़ना चाहूँगा कि मेरे विचार हैं, कुछ बाहर से लिये गये और कुछ साहित्य पढ़ने-रचने से पाये हुए पर उनकी कोई धारा नहीं है। प्रतिगामी और पीछे देखे विचारों को छोड़कर मेरे जैसा कवि जैसे शब्दों से खेलता है, वैसे ही विचारों से। यह निरा विनोद नहीं है- उसमें गम्भीरता और जिम्मेदारी भी होती है। आप जानती ही हैं कि कवि-आलोचक के रूप में मैं इस पर दशकों से इसरार करता रहा हूँ कि कविता और साहित्य की अपनी वैचारिक सत्ता होती है- वे सोच-विचार की विधाएँ भी हैं। अकसर उस विचार का सार-संक्षेप नहीं किया जा सकता क्योंकि वह शुद्ध विचार नहीं होता बल्कि संवेदना-सहानुभूति- स्मृति-कल्पना-यथार्थ आदि में धँसा-लिथड़ा विचार होता है। ऐसे विचार मेरी कविता में हैं ऐसी गलतफहमी मुझे है। संसार में हर समय हिंसा-क्रूरता के साथ-साथ सुन्दरता भी घटित होती रहती हैः कविता को दोनों की समकालिकता और होने का नोटिस लेना चाहिये। आखिर हम हिंसा-क्रूरता से जूझते ही इसलिए हैं कि सुन्दरता और मानवीयता को बचा सकें। सुन्दर को देखना-बचाना और हिंसा-क्रूरता से जूझना कविता में एक साथ हो सकते हैं, अगर एक अकेली कविता में न सही, कविता के वितान में।

*** अपनी मान्यताओं और मूल्यों में आप एक स्पष्ट छवि में दिखाई देते हैं। क्या आपका कला-बोध और आपकी मनुष्यता अपनी भाषा-स्मृति के इतिहास और उसके सत्य की पड़ताल कर यह कृतज्ञता जाहिर कर पाती है?**

* अनुराग और कृतज्ञता, प्रथमतः और अन्ततः संसार को देखने, उसमें रहने-सहने और रचने की दृष्टि है। संसार में, जैसे कि इतिहास में भी, बहुत हिंसा, क्रूरता, बर्बरता और विकृतियाँ रही हैं और आप उनसे बेखबर नहीं हो सकते। लेकिन, साथ-साथ, संसार में सौन्दर्य, संग-साथ, ऊष्मा और सुषमा, उत्सर्ग और उपकार भी हैं। अगर हिसाब ही लगाना हो तो ये विकृतियों और विद्रूपों से कहीं अधिक, भारी, व्यापक और टिकाऊ रहे हैं। एक दूसरे स्तर पर हमारी नश्वरता ही हमारी सुन्दरता को दीप्त करती है। इस जन्म, इस जीवन, इस जिजीविषा के लिए मेरा स्थायी भाव कृतज्ञता का है और यही कविता में गुणगान की ओर ले जाता है। इधर कोरोना महामारी में हुए दुष्प्रबन्ध और अमानवीयता के रहते यह कृतज्ञता जीवन की विकराल भयावह स्थिति के सामने बहुत अपर्याप्त लगती है। पर इसमें भी जीवन बचाने वाले, राह देनेवाले सामान्य लोग, एक बार फिर,

'महान विचार से हमेशा महान कविता नहीं पैदा होती पर महान कविता के पीछे का विचार कभी तुच्छ या संकीर्ण नहीं हो सकता।'

हमारी मानवीयता को सत्यापित करते दीख पड़ते हैं और उनके प्रति कृतज्ञता जागती है, भले वह किसी काव्यरूप में फौरन न आ पाये।

*** मुझे लगता है कविता के अर्थ को अपनाने के लिए अपने-अपने सत्य भी अधूरे होते हैं। मान लीजिए कि पाठक यदि उसमें अपने सत्य का समावेश पाता है तो जरूरी नहीं कि वह सत्य सुन्दर और उपयोगी ही हो। ऐसे में बौद्धिकता और संयम की उम्मीद केवल कवि से ही की जाती है, पाठक तिरस्कार भाव में आता है। यह पाठक वर्ग पूरा का पूरा समाज भी हो सकता है और परिवार भी। ऐसी संघर्षपूर्ण स्थिति पर आप क्या सोचते हैं?**

* मेरी यह धारणा रही है कि कविता अधूरा याने अपूर्ण सच होती है और वह सच पूरी या पूर्ण तभी होती है जब कोई रसिक-पाठक उसमें थोड़ा सा अपना सच भी मिलाता है। सच से आशय है अनुभव-स्मृति-संवेदना-समझ-कल्पना का समुच्चय। यह हर पाठक के पास हो ऐसी अपेक्षा की जा सकती हैः कम से कम आदर्श पाठक में। अगर ऐसा है तो कविता के कई अर्थ या आशय हो सकते हैं। उसकी कई व्याख्याएँ सम्भव हैं और होती आयी हैं।

पाठक का सच विलोम भी हो सकता हैः तब भी वह कविता का कोई न कोई अर्थ ग्रहण करेगा ही। कविता का कुपाठ हो सकता है पर, फिर भी, वह पाठ ही है और अपाठ से बेहतर है। इतना ही कह सकता हूँ कि इस सन्दर्भ में कवि को बौद्धिकता और संयम के उच्च धरातल पर रखना और पाठक को किसी निचले स्तर पर, लोकतांत्रिक नहीं है। अगर पूरा समाज ही किसी विकृत पाठ पर इसरार

अशोक वाजपेयी

करे या बिना पढ़े, जैसा कि अकसर होता है, कोई प्रतिकूल प्रतिक्रिया करे तो कविता कुपठित होकर अपने अर्थ में बन्द हो जायेगी, कवि अकेला छूट जायेगा।

***एक पाठक के लिए कविता का अस्तित्व कई बार संशयपूर्ण भी हो जाता है। कवि द्वारा कविता के इलाकों में स्थापित परंपराओं का उल्लंघन कई बार पाठक के लिए एक आन्तरिक अपराधबोध बन कर सामने आता है। अपराधबोध का प्रकटीकरण क्रूर और असभ्य भी हो सकता है। ऐसी विषमताओं को आप 'अन्य' यानी एक पाठक की दृष्टि से देखने का प्रयास करते हैं तो आप क्या देख पाते हैं?**

* आधुनिकता का जन्म ही विचलित करने की प्रवृत्ति के साथ हुआ हैः वह सचाई, व्यवहार-आस्था आदि के बने-बनाये ढाँचों और पूर्वग्रहों को प्रश्नांकित करती है। यह प्रश्नांकन सामान्य पाठक को थोड़ी देर विचलित करता है और फिर अगर उसका मन साहित्य के साथ लगा रहता है तो वह इस विचलन को स्वीकार कर लेता है। जो कुछ परिचित और प्रत्याशित है उसके साथ हर कोई सहज और समंजस अनुभव करता है। जहाँ कुछ अपरिचित या अप्रत्याशित होता है तो पाठक उसे या तो देर-सबेर स्वीकार कर लेता है या अस्वीकार कर देता है।

'साहित्य और कलाएँ हमारे समय में अध्यात्म की भी विधाएँ हैं, उस अध्यात्म की, जो धर्मों से अब बहिष्कृत है। धर्म-मुक्त अध्यात्म संभव है इस विचार ने मुझे बहुत प्रभावित-उत्प्रेरित किया है।'

आधुनिकता के साथ ऐसे व्यापक अस्वीकार की लम्बी परम्परा रही है। आम तौर पर पाठक को परिचित गलियों में रमना-भटकना ठीक लगता है- अपरिचित में भटकने के लिए वह आसानी से तैयार या प्रेरित नहीं होता। भारतीय आधुनिकता भारतीय मानसिकता से ही उपजी है। इस मानसिकता में, लगता है, 'महाभारत' जैसे महाकाव्य की कोई स्मृति नहीं बची है जिसमें अकसर विचलन, भटकाव, अपरिचित और अप्रत्याशित से भेंट होती रही है। कई बार लगता है कि आज का आम पाठक, न तो पारंपरिक पाठक या रसिक है और न ही वह आधुनिक पाठक हो पाया है। प्रायः हर आधुनिक लेखक को इस विडम्बना का सामना करना पड़ता है। आखिर हिंदी अंचल यों ही पश्चगामी, जातिग्रस्त, साम्प्रदायिक और धर्मान्ध नहीं है- वह लगातार अपनी उजली परम्परा और प्रखर आधुनिकता से मुँह फेरे है।

*** दुर्भाग्य से हमारे यहाँ रचनाओं के कुपाठ अकसर होते रहते हैं। प्रश्न उठते हैं कि फलां आदर्श या विचार से कवि समाज को क्या देना चाहता है? ऐसे प्रश्न साहित्य और कला को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। आपके समक्ष भी ऐसी स्थितियाँ आई होंगी। आपने उन्हें किस तरह लिया?**

* यह भ्रम साहित्यकारों को कुछ जरूरत से ज्यादा होता है कि समाज उनसे किसी आदर्श विचार पाने की अपेक्षा करता है। अव्वल तो यह बहुत भोंथरी अपेक्षा है, दूसरे, यह साहित्य या कलाओं से बेजा माँग करना है। साहित्य उन्हें शुद्ध विचार वैसे भी नहीं दे सकताः उसमें विचार तो आवयविक रूप से सम्वेदना-स्मृति-कल्पना-भाषा आदि में संगुम्फित होता है और उसे इन सबसे अलग कर या उनसे साफ कर नहीं दिया जा सकता। साहित्य पाठक के मन में विचार उत्तेजित कर सकता है और उसे अपने किसी विचार को प्रश्नांकित करने की ओर ठेल सकता है। वह पाठक में ऐसी भावनाएँ जगा सकता है जो उसे अपने जीने और जीवन को कुछ नये ढंग से देखने-समझने के लिए उत्साहित करे। यह सब कुछ न कर पाये तो उसे अपनी भाषा का ही कुछ आनन्द दे।

साहित्य और कलाएँ अपने पर, अपने सच पर ईमानदार सन्देह करते हैं। उन पर पाठक भी सन्देह करे इस स्थिति से आप बच नहीं सकते। उनसे आक्रान्त होना जरूरी नहीं है बल्कि हानिकारक हो सकता है। कवि अपने संशयग्रस्त सच पर अड़ा रहे और अकेला पड़ जाये यह लगभग स्वाभाविक है और इतना अवांछनीय भी नहीं। बचती तो है कविता और उसमें समाया सच। हर कविता को, हमारे क्रूर आधुनिक समय में, एक भविष्य पाठक की प्रतीक्षा रहती है।

*** कला में जहाँ अमूर्तन या कल्पना का गुण आ जाता है वहाँ कवि को कलावादी कह दिया जाता है। क्या यह तिरस्कार भाव है?**

* चित्रकार रैने माग्रीत ने कहा थाः 'मस्तिष्क अज्ञात से प्रेम करता है। वह उन बिम्बों से प्रेम करता है जिनका अर्थ अज्ञात होता है क्योंकि मस्तिष्क के लिए स्वयं का अर्थ अज्ञात होता है।' कविता खोजती और पाती या पाने में सफल-विफल होती है। वह जो पाती है वह अप्रत्याशित हो यह सुखद-सार्थक होता है। कोरा यथार्थ कुछ नहीं होताः अगर वह हमसे स्वतंत्र वस्तुगजगत है तो वह यथार्थ तभी हो पाता है जब भाषा में याने कविता की काया में आ जाये। कविता यथार्थ से प्रतिकृत होती है पर उसके आतंक में नहीं आती। साहित्य में यथार्थवाद यथार्थ

अशोक वाजपेयी और पूनम अरोड़ा

'साहित्य पाठक के मन में विचार उत्तेजित कर सकता है और उसे अपने किसी विचार को प्रश्नांकित करने की ओर ठेल सकता है।'

को समझने-विन्यस्त करने की एक विधि पर है, वह न तो अपने आप में यथार्थ होता है और न ही यथार्थ पर उसका, अन्य विधियों के मुकाबले, विशेष या एकाधिकार होता है। एक तरह का यथार्थ मूर्तन से प्रगट होता है तो दूसरी तरह का यथार्थ अमूर्तन से। कविता में अमूर्तन अधिक कठिन और दुस्साध्य होता है जबकि वह शास्त्रीय संगीत या ललित कला में सहज संभव हो पाता है और उनमें बहुमान्य भी है। साहित्य में, हमारी परम्परा में, मूर्तन और अमूर्तन सहचर रहे हैंः कबीर की निर्गुण कविता इसका श्रेष्ठ उदाहरण है।

कलावाद हिन्दी में एक लोकप्रिय लांछन है। शुद्ध कविता के लिए कविता, जीवन से असम्बद्ध और अप्रतिकृत, मेरे जाने, हिन्दी में आज तक नहीं है। अगर कला जीवन से उपजती है तो वह जीवन से मुक्त नहीं हो पाती। हिन्दी में कलावाद का जुमला अपनी विचारधारा से असहमत या विरत लेखकों को लांछित करने की रणनीति का उत्पाद रहा है। सामाजिक यथार्थ का दावा करनेवाले और उनसे अलग या असहमत दोनों ही वर्ग के लेखक साहित्यवादी ही ठहरते हैंः हिन्दी समाज इन दोनों से असम्पृक्त, अप्रभावित समाज है। कविता में न्याय-बुद्धि सक्रिय होती है पर उसका घेरा व्यापक होता हैः वह प्रकृति, समाज, वस्तुजगत, आत्मलोक, समय अन्य, सबके साथ न्याय करने की कोशिश करती है। कविता पर कई दबाव होते हैं भाषा, यथार्थ, कल्पना, स्मृति, परम्परा आदि के और इनमें से कोई दबाव अधिक गहरा या तीखा हो सकता है। हर सच्चे कवि को तिरस्कार के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि ऐसा प्रायः हर समाज में, हर समय में होता आया है। भवभूति से लेकर कबीर, तुलसी, मीरा, प्रसाद, निराला, मुक्तिबोध, शमशेर आदि ने अपने समय में तिरस्कार झेला है।

*** ऐसा माना जाता रहा है कि कविता में व्यक्तिगत अनुभव, भोगा हुआ यथार्थ, स्मृतियाँ और दमित इच्छाएँ आदि प्रवृतियाँ काव्य की श्रेष्ठ अभिव्यक्तियाँ हैं। इनके अतिरिक्त और इनमें अन्तर्निहित अन्य किन मूल्यवान सत्यों को आपने अपनी कविता में बरता है जिन पर अब तक बहुत कम पाठकों ने अपना ध्यान केंद्रित किया है।**

* व्यक्तिगत अनुभव, भोगा हुआ यथार्थ, दृश्य, स्मृतियाँ और इच्छाएँ आदि की आत्मीय अभिव्यक्ति उस कविता में, जिसे लिरिक कहते हैं, स्वाभाविक रूप से हो पाती है। अपनी कविता में मेरी कोशिश इस निजता को व्यापक करने की रही हैः इसका आशय यह है कि उसमें विराट का स्पन्दन हो सके, प्रकृति के सौन्दर्य रचने की असमाप्य क्षमता का बोध हो साधारण में असाधारण नैतिक आभा हो, स्मृति निजी होकर भी जातीय स्मृति को अनुगुंजित करे, देवताओं द्वारा तज दिये गये संसार में कविता पवित्रता की जगह तलाशे और बने, रोजमर्रा में भी अप्रतिम जाहिर हो आदि ये आशय है जो ध्यान में आते हैं। इनमें से कितने पाठकों की पकड़ में आते हैं इसका ठीक अनुमान नहीं लगा सकता। भले यह छोटे मुँह बड़ी बात लगे मैंने निपट भंगुरता और अनिवार्य नश्वरता में अनन्त को छूने, अपनी आवाज में दूसरे पूर्वज कवियों की आवाज मिलाने, संसार का उसके असंख्यमानवीय-प्राकृतिक-आध्यात्मिक-सामाजिक ब्यौरों में गुणगान करने की चेष्टा की है। अपने कुछ अधिक उग्र समकालीनों जिनमें विष्णु खरे, आग्नेय, वीरेन डंगवाल आदि की तरह कविता में दूसरे कवियों को नीचा दिखाने या उनसे बदला लेने का प्रयत्न कभी नहीं कियाः कालिदास, भवभूति, कबीर, गालिब, देव, अज्ञेय, शमशेर, मुक्तिबोध आदि कवियों को कविता की काया में उनकी उक्तियों-छबियों-बिम्बों द्वारा याद कर कृतज्ञता-ज्ञापन ही किया है। आदर्श कवि और आदर्श पाठक दोनों ही असम्भावनाएँ होते हैं। अब तक मेरी कविता की चित्रमयता और संरचना पर ललित कला और शास्त्रीय संगीत का कितना-कैसा प्रभाव है इसका बारीकी से विश्लेषण नहीं हुआ है। कभी लगता है किसी को इस पर भी ध्यान देना चाहिये कि मेरी कविता में शब्दक्रीड़ा और विचारक्रीड़ा कैसी है और उनमें परस्पर क्या सम्बन्ध या संवाद है।

*** कला और साहित्य से सम्बन्धित बौद्धिक वर्ग की 'राजनैतिक विचारधारा' की राह में आप कौन से दोष, जवाबदेही और आदर्श चिंतन को देख पाते हैं? इस वर्ग द्वारा राष्ट्रीय चेतना की निष्पक्ष सत्ता में अपनी भूमिका निभाने की सक्षमता पर आपके क्या विचार हैं?**

* अव्वल तो राजनैतिक विचारधारा एक नहीं कई रही हैंः मोटे तौर पर वाम, समाजवादी और दक्षिणपन्थी। वाम, समाजवादी और दक्षिण पंथियों में द्वन्द्व और तनाव रहे हैं पर कई बार, एक तरह की अवसरवादिता के तहत उनमें साझा और साँठ-गाँठ भी होती रही है। साहित्य में उनकी स्थिति और सक्रियता कुछ अलग रही है। वाम प्रगतिशील, जनवाद और जन संस्कृति में त्रिमाजित रहा है और एक ध्रुवान्त नकसलपंथियों का भी रहा है। वाम ने साहित्य में अपना वर्चस्व स्थापित किया है और अकादमिक संस्थानों, पत्र-पत्रिकाओं, आलोचना-आयोजन आदि में वह बेहद सक्रिय रहा है। मेरी समझ से उसमें शामिल लेखकों-कलाकारों में

'हिन्दुत्व अब अपने प्रगट सत्तारूढ़ रूप में बहुलता, प्रश्नवाचकता और निर्भयता का लगातार, क्रूर और अलोकतांत्रिक, हनन करता है।'

वही महत्वपूर्ण हो पाये जिन्होंने सर्जनात्मक ढंग से और वैसे काम में विचारधारा का अतिक्रमण किया है जिनमें शमशेर, मुक्तिबोध से लेकर मंगलेश डबराल, अरुण कमल तक शामिल हैं। ये कवि अपने माध्यम, भाषा, आत्म और समाज सभी के प्रति जवाबदेह रहे हैं। लेकिन विचारधारा के दायरे में रहकर भी अच्छी कविता लिखी गयी है। ऐसी हर स्थिति में बहुत कूड़ा भी लिखा और मान्यता पा लेता है सो इस सन्दर्भ में भी हुआ है। एक दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि इस विचारधारा ने अपने कई संगठनों द्वारा अपने से असहमत लेखकों और उनकी कृतियों को देशनिकाला देने का काम भी बड़ी मुस्तैदी से किया है। महान विचार से हमेशा महान कविता नहीं पैदा होती पर महान कविता के पीछे का विचार कभी तुच्छ या संकीर्ण नहीं हो सकता। उससे बहुत सारी खराब कविता भी उपजती ही है जिसमें सर्जनात्मक दुस्साहस और कल्पनाशीलता नहीं, निरी वैचारिक वफादारी होती है जो कविता को ऊपर नहीं उठा पाती। समाजवादी दृष्टि ने कई महत्वपूर्ण लेखक पैदा कियेः शायद यह कहना बेहतर होगा कि कई महत्वपूर्ण लेखकों ने समाजवादी दृष्टि अपनायी। उनमें अज्ञेय, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, निर्मल वर्मा, कृष्णा सोबती, कृष्ण बलदेव वेद, श्रीकान्त वर्मा आदि शामिल हैं। दुर्भाग्य से, दक्षिण पन्थ उल्लेखनीय ढंग से अनुर्वर रहा है। उसके कोई महत्वपूर्ण लेखक आसानी से याद नहीं आते।

राष्ट्रीय चेतना एक गोलमोल लेकिन हमारे समय में खतरनाक हो गया पद है। उसकी चालू राजनीति में जो संकीर्ण और अपराधमूलक अवधारणा है, वह अपने आप में साहित्य-विरोधी है। जो भी सचाई ईमानदारी, साहस, कल्पनाशीलता, मानवीय संवेदना से लिखता है, अपने राष्ट्र को ही लिखता और उसकी अब तक अक्षत और अनिवार्य बहुलता को सत्यापित और सशक्त करता है। इससे अलग किसी राष्ट्रीय चेतना का हलफ उठाने की कोई जरूरत नहीं है।

*** आपके अनुसार मौजूदा समय की सामाजिक और राजनैतिक सतर्कताएँ और विषमताएँ क्या हैं?**

* सच्ची सतर्कता तो यह है कि जो हो रहा है उसका आप लगातार चौकन्ने रहकर अनुभव, बखान और विश्लेषण करते रहें। अपने बस में बहुत अधिक नहीं है यह जानते हुए भी हम जो कुछ संभव है वह करते रहें ताकि लोकतांत्रिक प्रश्नवाचकता मन्द या शिथिल न हो पाये। समाज को, सारी कटौतियों और सिकोड़ों के बावजूद, यह बताते रहें कि उनके साथ कैसा अन्याय, गैरबराबरी की बढ़त और न्याय की वंचना की जा रही है। विषमता यह है कि ऐसा कर पाने के मंच जैसे मीडिया, सांस्कृतिक संस्थाएँ, अकादेमिक संस्थाएँ आदि ऐसी स्वतंत्रता और प्रश्नवाचकता के लिए प्रस्तुत नहीं है। आप पर लांछन और कीचड़-उछाल हो सकती है। पर अन्ततः अकेले सच या अकेले पड़ जाने को विवश किये गये सच को लाख झूठ दबा या नष्ट नहीं कर सकते। अपने समय के संकटों को लेकर जो चौकन्ना नहीं है वह लेखक क्या है?

***आपकी दृष्टि में क्या हिंदूवादी होना बुद्धिजीवियों और सत्ताधारियों को आक्रांत करता है? क्या यह एक ठप्पा है जिसे अन्य विचारधाराओं से भिन्न माना जाता है? यदि केवल हिंदूवादी होने को एक कट्टर विचारधारा माना जाता है तो कौन-सी कट्टरताएँ हैं जिन्हें हिंदुत्व की पहचान के रूप में इंगित किया जाता है?**

* जहाँ तक मुझे पता है, हिन्दूवाद नामक कोई प्रवृत्ति नहीं है। जो प्रवृत्ति बहुत आक्रामक ढंग से सक्रिय है वह हिन्दुत्व है जो कि एक राजनैतिक विचारधारा है जो सत्ताधारी है। वे उसके माध्यम से एक हिन्दू राष्ट्र स्थापित करना चाहते हैं। मेरी समझ में हिन्दुत्व का हिन्दू धर्म की बहुलतामूलक परम्परा से, उसके चिन्तन और अध्यात्म से, उसके दैनंदिन जीवन में इजहार से कुछ लेना देना नहीं है। हिन्दुत्व हिन्दू धर्म का कोई नया या वैध संस्करण नहीं है। हिन्दू परम्परा का एक अनिवार्य पक्ष रहा है प्रश्नवाचकता, विवाद और संवाद। उपनिषदों से लेकर 'रामायण' और 'महामारत', छहों शास्त्रीय दर्शन सभी प्रश्नप्रधान ग्रन्थ या वृत्तियाँ हैं। यह माना जाता रहा है कि बिना पूछे ज्ञान नहीं मिल सकता। नचिकेता यमराज से और अर्जुन कृष्ण से प्रश्न पूछते हैं। इस प्रश्नवाचक परम्परा का एक और पक्ष

मकबूल फिदा हुसेन के साथ अशोक वाजपेयी

था इसकी निर्भयता। हिन्दुत्व अब अपने प्रगट सत्तारूढ़ रूप में बहुलता, प्रश्नवाचकता और निर्भयता का लगातार, क्रूर और अलोकतांत्रिक, हनन करता है। वह समाज में एक भयोत्पादक शक्ति के रूप में अपनी जगह बनाता, बना रहा है। हिन्दू धर्मन्तिन, हिन्दू परम्परा और हिन्दू अध्यात्म का हिन्दुत्व में कोई आभास तक नहीं है। हिन्दू ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि हिन्दुत्व ज्ञान की अवज्ञा और अवहेलना और अज्ञान के वर्चस्व को बढ़ावा दे रहा है। हिन्दुत्व की रणनीति घृणा, भेदभाव, वैमनस्य, भय, अफवाहें फैलाने केरही हैं जो किसी भी दृष्टि से नैतिक या वांछनीय नहीं कहे जा सकते।

एक और तथ्य इस हिन्दुत्व को अपना चिन्तन-स्रोत मानने वाला निजाम देश के मतदाताओं के कुल 38 प्रतिशत मत पाकर सत्तारूढ़ हुआ है जिसका सीधा आशय यह भी है कि देश के अधिकांश हिन्दू मतदाता उसके समर्थक नहीं बल्कि उससे असहमत हैं। यह भी आकस्मिक नहीं है कि इतने दशकों से सक्रिय रहने और अब सात वर्षों से सत्ता पर होने के बावजूद हिन्दुत्व ने अपने प्रतिपादन या समर्थन में कोई उल्लेखनीय बौद्धिक सामग्री या साहित्य उत्पन्न या प्रेरित नहीं किया है। यह उसकी मूलभूत सर्जनात्मक और बौद्धिक अनुर्वरता का साक्ष्य है। हिन्दू मानस का अंतिम पुनराविष्कार महात्मा गांधी से सम्भव हुआ था और उस पुनराविष्कार का यह हिन्दुत्व घोर विरोधी है। हिन्दी अंचल के हिन्दू समाज में सामाजिक सुधार का कोई आन्दोलन नहीं हुआ है और, दुर्भाग्य से, विराट से जुड़ने की स्वाभाविक मानवीय आकांक्षा का दुर्लक्ष्य हुआ है। इससे जो आध्यात्मिक शून्य पैदा हुआ उसमें अपनी छद्म धार्मिकता, सतही अध्यात्म से हिन्दुत्व की शक्तियाँ घुसकर काबिज हो गयी हैं। कम से कम मेरी समझ यही है कि हिन्दुत्व न सिर्फ.हिन्दू धर्म का कोई संस्करण नहीं है, वह न तो हिन्दुओं का वैध या समुचित प्रतिनिधित्व करता है और न ही उसकी लम्?बी परम्परा से उसका कोई संबंध या संवाद है।वह धर्म का सहारा लेकर उसी की एक भयावह विकृति है।

*** पिछले कुछ वर्षों में देखा गया कि हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखकों के प्रति असंवेदनशीलता का माहौल रहा। असंवेदनशील बयानबाजी, चरित्र हनन करते हुए अपमानपूर्ण भाषा का प्रयोग क्या लेखक के सरोकारों को प्रश्नांकित नहीं करते?**

* हिन्दी साहित्य-समाज, हिन्दी समाज की ही तरह, पुरुष-प्रधान रहा है। उसने भारतीय संविधान द्वारा दी गयी स्त्री-पुरुष समकक्षता को एक लोकतांत्रिक वृत्ति और मूल्य के रूप में आज तक खुलेपन से स्वीकार नहीं किया है जबकि संविधान को लागू हुए 70 से अधिक वर्ष बीत चुके। यह अकारण नहीं है कि स्त्रियों के साथ अत्याचार-बलात्कार-हिंसा आदि की घटनाएँ देश में सबसे अधिक हिन्दी अंचल में ही होती हैं। हिन्दी साहित्य इस अभागे अर्थ में हिन्दी समाज का दर्पण है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है। लेखकों का एक वर्ग बल्कि गिरोह लेखिकाओं के साथ नीचता के व्यवहार, चरित्र-हनन और दूसरे विद्रूपों पर उतारू हैं, वह एक छोटा-सा अभद्र गिरोह भर है जो लेखकों के रूप में व्यापक मान्यता न पा सकने के कारण ऐसे भद्दे ध्यानाकर्षण के लिए ऐसी हरकतें करता है। हम जैसे लेखकों की संख्या कम नहीं है जो लेखिकाओं की बड़ी संख्या उतरने, मुखर और सक्रिय होने, निर्भीकता और दुस्साहस के साथ सृजन और विचार करने को हिन्दी साहित्य के लोकतंत्र का विस्तार और उसका विलंबित सत्यापन मानते हैं। हिन्दी के इतिहास में स्त्रियों की यह उपस्थिति और बिना कोई रियायत चाहे अपने पर इसरार निर्णायक मोड़ है।

मकर संक्रांति के पर्व पर विशाल मेले का किया गया आयोजन

मेले में उमड़ी भीड़

चील्ह। विकास खंड कोन के हरसिंहपुर गंगा घाट पर शनिवार को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर विशाल मेला लगा। जानकारी के अनुसार विगत कई वर्षों से मकर संक्रांति पर गंगा घाट पर मेला लगता है जिसमें लोग गंगा स्नान और दान कर पुण्य के भागी बनते हैं। मेला में क्षेत्र के मल्लेपुर, पखवैया, विष्णु पट्टी, श्री पट्टी, तिलठी, मवैया, लखनपुर, जगदीशपुर, अनुरुद्ध पुर पूरब पट्टी, पुजार्गीर ,चेकसारी, सहित भारी संख्या में ग्रामीणों स्नान करने के लिए भोर से आने लगे थे। विन्ध्याचल से भारी संख्या में लोग नाव से गंगा पार कर मेला में आते थे। नाव संचालन पर रोक के कारण विन्ध्याचल के लोग मेला में नहीं पहुंच पाये। गंगा की रेत पर मेले में ऊंट की सवारी बेहद आकर्षक का केंद्र बना हुआ था। बच्चों के लिए आकर्षण झूला लगाया गया था। महिलाएं घर गृहस्थी का सामान चाट फुलकी तथा बच्चे खिलौना ले करके खुश होकर मेला का आनंद ले रहे थे। गंगा की रेत पर काफी दूर तक मेला लगे रहने के कारण मेला क्षेत्र जुहू चौपाटी की याद दिलाता है। मेले में सुरक्षा के दृष्टि से चेतगंज चौकी इंचार्ज हरिकेश सिंह अपने हमराहियो के साथ पूरे मेला क्षेत्र का चक्रमण करते रहे।

20 हजार भक्तों ने किया गंगा स्नान

जिगना। शनिवार को विमलेश्वर महादेव हरगढ़ पश्चिम वाहिनी घाट पर लगभग बीस हजार श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाई और दही और चूडा चढ़ाया। यह घाट हरगढ़ पश्चिम वाहिनी घाट के नाम से विख्यात है। जहां की लगभग बीस से चालीस गांव के लोग यहां पर दर्शन करने व गंगा स्नान करने आते हैं। शनिवार के दिन खिचड़ी व चूड़ा चढ़ाने से बहुत ही शुभ माना जाता है। विद्वानों द्वारा बताया गया कि शनिवार के दिन खिचड़ी खाने से बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। श्रद्धालुओं द्वारा गंगा में स्नान करने के बाद नौका विहार करने भी जाते हैं। यहां पर पुलिस प्रशासन द्वारा भी प्रशासनिक व्यवस्था की गई है। जैसे कि श्रद्धालुओं को स्नान करने में कोई परेशानी या ना होने पाए वही स्नान करने में कोई दिक्कत व परेशानियां न हो और छोटे छोटे बच्चे व महिलाएं स्नान कर पाए इसलिए शासन प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है।

स्कॉर्पियो और साइकिल की टक्कर में अधेड़ की मौत

लालगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के दुबार कलां चौकी अंतर्गत बरकछ कस्बा के पास स्कॉर्पियो एवं साइकिल सवार में टक्कर होने से पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। जहां देर रात मण्डलीय अस्पताल में उपचार के दौरान पिता रामसजीवन मुसहर उम्र 45 वर्ष की मौत हो गई। वहीं पर बेटे लवकुश मुसहर उम्र 17 वर्ष को गम्भीर अवस्था में चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। बताया गया कि शुक्रवार को नया गांव निवासी राम सजीवन अपने पुत्र लव कुश को साइकिल पर बैठा कर महुलार स्थित कोटे की दुकान पर खाद्यान्न लेने के लिए जा रहा था।

जैसे ही साधन सहकारी समिति बरकछ के सामने पहुंचा की विपरीत दिशा से आ रही स्कार्पियो ने धक्का मार दिया धक्का लगते ही पिता पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस घायल पिता पुत्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज भेजा गया। जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद स्थिति गंभीर देखते हुए मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था। जहां देर रात रामसजीवन मुसहर की मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की मौत

मीरजापुर। थाना देहात कोतवाली क्षेत्र के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार देहात कोतवाली क्षेत्र करनपुर समोगरा गाँव निवासी साधु बिंद पुत्र स्व झूरू बिंद उम्र65 वर्ष हर रोज की भांति साइकिल से माला लेकर बेचने गए थे। घर वापस लौटते समय समोगरा के पास किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

संक्षेप

एडीएम ने किया गौशाला का औचक निरीक्षण

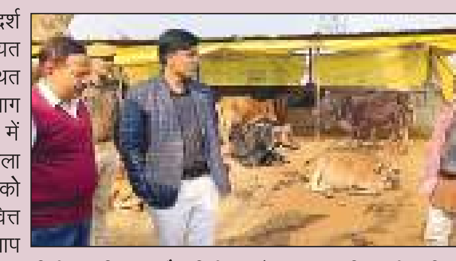

कछवां। आदर्श नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित सिंचाई विभाग परिसर में अस्थाई गौशाला का शनिवार को एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने औचक निरीक्षण किया। और निरीक्षण के पश्चात अधिशासी अधिकारी नवनीत कुमार सिंह को निर्देशित करते हुए कहा कि गौशाला के क्षेत्रफल को बढ़ाया जाएं। परिसर में ही स्थित विद्युत टावर के चारों ओर चहारदीवारी बनाने व पोल के सहारे उपर से पालीथीन लगाने का भी निर्देश दिया। जिससे पशुओं को किसी तरह का नुकसान ना होने पाएं। वही टूटी हुई चहारदीवारी को भी दुरुस्त कराया जाए। जोकि कोई भी बाहरी लोगों द्वारा किया कलाप ना कर पाएं। रजिस्टर का अवलोकन भी किया। वही समीप ही स्थित कांशीराम आवास पर भी चर्चा किया। अधिशासी अधिकारी से जल्द कागजात उपलब्ध कराने को कहा और कहा कि जल्द से जल्द आवास गरीबों को आवंटन किया जाएं जिससे गरीबों को लाभ मिल सके। वहीं पशुओं के खाद्य सामग्री व चारा को देख संतुष्ट रहे। गौशाला कुल 90 गौवंश पाये गये सभी गौवंश की इयर टेगिंग पायी गयी। सफाई व्यवस्था संतोषजनक रही। मौके पर 1.50 कुन्तल पशु आहार एवं 15 कुन्तल भसा पाया गया। सभी गौवंश स्वस्थ थे। कोई भी गौवंश अस्वस्थ नहीं पाया गया।

समय पर मिले जनता को न्याय : एडीएम वित्त

कछवां। थाना पर आयोजित माह के दूसरे शनिवार को थाना समाधान दिवस पर जनता की समस्याओं को सुनने एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ल व एसपी सिटी श्री कांत प्रजापति पहुंचे थे। इस दौरान जनता की समस्याओं को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का निर्देश और लापरवाही करने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी दिया। निर्देशित किया कि पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमें मामलों का जल्द से जल्द निस्तारण करें। और कहा कि ईमानदारी से निस्तारण करें तो प्रार्थना पत्र की भीड़ कम रहेगी। वहीं थाना समाधान दिवस के अवसर पर कुल 13 मामलों में प्रार्थना पत्र दिए गये। जिसमें बारह राजस्व विभाग व एक पुलिस विभाग से संबंधित रहा। जिनमें तीन मामलों का त्वरित निस्तारण भी किया गया। बाकी के मामलों में एडीएम वित्त ने जल्द से जल्द टीमें गठित कर निस्तारण करने का भी निर्देश दिया। इस दौरान नायब तहसीलदार वैशाली शुक्ला, थानाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा समेत समस्त लेखपाल व चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

खंड विकास अधिकारी ने गांव में लगाई चौपाल

लालगंज। स्थानीय विकासखंड के पतुलखी एवं बसही कला गांव में आयोजित चौपाल में खंड विकास अधिकारी शिव नारायण सिंह ने शासन द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि शासन द्वारा पात्र प्रत्येक व्यक्तियों को विधवा वृद्धा आयुष्मान कार्ड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवशेष लोगों का वृद्धा व विधवा पेंशन बनाए जाने के लिए वंचित पात्रों का चयन करने का निर्देश दिए। उन्होने आयुष्मान कार्ड के लिए लोगों को प्रेरित किया। लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा सभी संचालित योजनाएं गरीबों को मुहैया कराई जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि अखिलेश बिंद ने किया। इसी अवसर पर ग्राम प्रधान गणेश शंकर दुबे, रहीस अहमद, विधायक प्रतिनिधि अखिलेश बिंद, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आईडीएन चतुवेर्दी, सीडीपीओ अरुण लता सिंह, एडीओ पंचायत अजय कुमार, एडीओ आईएसबी महेंद्र कुमार, एडीओ एजी संजय पटेल, एडीओ एसके राजेश कुमार, अशोक सिंह, सीडीपीओ अरुण लता सिंह, अनूप पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

हनुमना ने बंजारी कलां को दस रनों से हराया

हलिया। क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार में राम रहीम क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन शनिवार को मध्यप्रदेश के मऊगंज के पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना ने फीता काटकर किया। उद्घाटन मैच मध्य प्रदेश के हनुमना व क्षेत्र के बंजारी कलां के बीच खेला गया। जिसमें हनुमना की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए बंजारी कलां को दस रनों से हराकर जीत हासिल की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना ने कहा कि ग्रामीण अंचल में खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। यहीं खिलाड़ी आगे चलकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करते हैं। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला अफजाई की। इस दौरान ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष हलिया शिव बाबू सेठ, ग्राम प्रधान देवहट कौशलेंद्र गुप्ता, मार्तंड सिंह, बृजकिशोर सिंह बिरजू पंकज सोनी, अनिल केशरी, सुशील पटेल, दिलशाद अंसारी, राम लाल सरोज, ओंकार केसरी, सोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

डीआईजी ने जिगना थाने पर सुनी जनता की समस्यायें

मीरजापुर। शासन के निदेर्शानुसार (प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार) जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र आर.पी. सिंह द्वारा थाना जिगना पर आने वाले आमजन की शिकायतें सुनी गईं तथा निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। थानाध्यक्ष व राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया।

छानबे विधायक का कुशलक्षेम जानने पहुंचीं केंद्रीय राज्य मंत्री

विधायक के परिजनों से वार्ता करतीं सांसद

मड़िहान। क्षेत्र के पटेहरा कला में शनिवार को केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल छानबे विधायक राहुल प्रकाश कोल के आवास पर पहुँची जहां केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने विधायक के पिता सोनभद्र सांसद पकौड़ी लाल कोल से कैंसर से ग्रसित विधायक का कुशलक्षेम जाना और हर सम्भव मदद करने का अश्वासन दिया।

विधायक के पिता सोनभद्र सांसद पकौड़ी लाल कोल से केंद्रीय मंत्री ने उपचार सम्बंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त किया। विधायक के पिता सांसद पकौड़ी लाल कोल ने दुःख के साथ कहा की हम जानते है की बीमारी बड़ी है पर हमारे पास लड़ने के अलावा और कोई चारा नही है।

मंत्री के पहुँचने के कुछ देर बाद सांसद ने विधायक राहुल प्रकाश को बुलवाया। मंत्री को देखते ही विधायक के आँखों से आंसु छलक पड़े जिन्हें देख केंद्रीय मंत्री ने विधायक के सर पर हाथ रखकर उनको हिम्मत से काम लेने और मदद के लिए हमेशा साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया।

गैंगस्टर के वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित दुर्जनीपुर मोड़ ओवरब्रिज के ऊपर से शनिवार दोपहर गैंगस्टर के वांछित चल रहे आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ड्रमंडगंज थानाध्यक्ष अतुल कुमार पटेल को मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर का वांछित चल रहा आरोपी जिगना थाना क्षेत्र के बिहसड़ा गांव निवासी विजय शंकर प्रजापति पुत्र राजबली प्रजापति बाइक से मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 से अपाचे बाइक से जा रहा है। सूचना मिलने के बाद तत्परता दिखाते हुए थानाध्यक्ष अतुल कुमार पटेल एस आई उदय नारायण सिंह हेड कांस्टेबल मिथिलेश पांडेय, कांस्टेबल श्रीनिवास यादव, सुनील सिंह ने ओवर ब्रिज के ऊपर पहुंचकर बाइक से आ रहे गैंगस्टर के वांछित चल रहे आरोपी विजय शंकर प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। गैंगस्टर आरोपी द्वारा बाइक का कागजात नहीं दिखाने पर पुलिस ने बाइक को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया।

चोरी की तैयारी कर रहे दो चोरों को पुलिस ने दबोचा

चोरी का खुलासा करतीं सीओ चुनार

अदलहाट। स्थानीय पुलिस ने बीतीरात थाना क्षेत्र के शाहपुर के पास हाईवे अंडर पास के नीचे चोरी की घटना की तैयारी तैयारी कर रहे तीन शातिर चोरों को घेरा बंदी कर दो को दबोच लिया। जबकि एक अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के पास से चोरी की एक बाइक, चोरी करने के उपकरण, एक तमंचा 12 बोर, एक जिंदा कारतूस को बरामद कर शनिवार को जेल भेज दिया। क्षेत्राधिकारी चुनार मंजरी राव ने थाना परिसर में हुए प्रेस वार्ता में बताया कि थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया मकर संक्रांति के त्योहार के मद्देनजर क्षेत्र में भ्रमण पर निकले थे कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के शाहपुर के पास हाईवे अंडर पास के नीचे तीन व्यक्ति चोरी की घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। जिसपर थाना प्रभारी ने चौकी प्रभारी नरायनपुर रणविजय सिंह और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर दिवाल की आड़ लेकर घेरा बंदी कर दी। पुलिस को देख शातिर चोर एक बाइक पर दो व्यक्ति बैठकर भागने लगे लेकिन पुलिस ने उन्हें दबोच लिया जबकि तीसरा व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस के पूछने पर इन दोनों ने बताया की ये अदलहाट थाना क्षेत्र के नरायनपुर के निवासी हैं जिनका नाम मनीष सिंह पुत्र स्व. मुन्ना सिंह और दूसरा गणेश विश्वकर्मा पुत्र स्व. विद्यार्थी विश्वकर्मा है। तीसरा भागने वाला आरोपी भभुआर गांव का अजय यादव उर्फ मुलायम पुत्र मोतीलाल यादव था। इन दोनों के पास से पुलिस ने चोरी की एक मोटर साइकिल, एक तमंचा 12 बोर, एक जिंदा कारतूस, चोरी करने के उपकरण भी बरामद किया। चोरी की बरामद हुई मोटर साइकिल सोनभद्र जिले के मारकुंडी क्षेत्र के घुरमा निवासी सोनू पुत्र स्व. राम सजीवन की है। ये नंबर प्लेट बदलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।

हर माह 15 तारीख को मनाया जायेगा नि:क्षय दिवस : सतीश शंकर यादव

बैठक

टीबी रोग की रोकथाम के लिए दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण देते सतीश शंकर यादव

मीरजापुर। 2025 तक देश से क्षय रोग को पूर्ण रूप से समाप्त करने के प्रधानमंत्री के लिए गए संकल्प को पूरा करने हेतु सरकार द्वारा समय-समय पर नई-नई योजनाओं को संचालित करते हुए उपरोक्त लक्ष्य प्राप्ति हेतु जी तोड़ मेहनत किया जा रहा है। उक्त क्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अब महीने के हर 15 तारीख को निःक्षय दिवस के रूप में मनाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। उक्त दिवस के दिन स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा अपने अपने कार्य क्षेत्र से नए व छिपे टीबी रोगियों को ढूंढ कर उन्हें उपचार पर लाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उपरोक्त दाहित्व अंतर्गत क्षेत्र की सीएचओ व आशाओं के साथ-साथ ट्रांसपोर्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इन कर्मियों द्वारा अब नए अज्ञात मरीजों की खोज कर उनके बलगम की जांच एवं इलाज की सुविधा मरीज के घर के नजदीकी एचडब्ल्यूसी सेंटर पर ही दिलाने का कार्य किया जाएगा। उक्त क्रम में विकास खंड सीखड़ में स्थित मंगरहा पीएचसी पर संबंधित कर्मचारियों को योजना को सफल बनाने हेतु पीएचसी प्रभारी डॉक्टर निलेश कुमार वर्मा एवं क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव की उपस्थिति में प्रशिक्षण दिया गया। सतीश यादव द्वारा कर्मियों के बीच क्षय रोग के समस्त लक्षणों की जानकारी देते हुए मरीजों की जानकारी एवं उपचार के दौरान उपलब्ध सरकारी सुविधाओं आदि के विषय में विस्तार से बताया।

प्रभारी डॉ निलेश द्वारा मिले टीबी रोगियों के प्रति संवेदनशीलता के साथ साथ उनके रोग के प्रति गोपनीयता वर्तने का सुझाव दिया गया।

खिचड़ी से छह दिन तक चलने वाले मेले का शुभारंभ

हलिया। स्थानीय विकास खंड के औरा गांव स्थित महादेव नदी के तट पर बने शिव एवं हनुमान मंदिर पर 14 जनवरी से 19 जनवरी तक चलने वाले मेला का आगाज हो गया है जहां शनिवार को हजारों भक्तों ने दर्शन पूजन किया। इस दौरान मेले में लाई, मिठाई, चूड़ी की दुकानों के अलावा झूला आदि की दुकानें शनिवार से ही सज गई हैं। मंदिर पुजारी आनंद गिरी ने बताया कि खिचड़ी से 6 दिन तक यह मेला अनवरत चलता है। जहां हजारों लोग प्रति दिन दर्शन पूजन करते हैं।

वही गाँव निवासी मदन सेठ ने बताया कि सन 1945 से अनवरत खिचड़ी पर मेला लगता चला आ रहा है। इसके बाद गाँव के ही प्रकाश शुक्ल ने मंदिर का निर्माण करा दिया है। इस मेले का आयोजन स्वर्गीय हरी सेठ व सूर्य प्रताप सेठ गांव के मुखिया रघुराज सिंह से परामर्श कर मेले का आयोजन किया था। मुख्य रूप से गांव वालों का मानना था कि फगुनी तेरस, शिवरात्रि आदि पर्व पर शिव मंदिरों पर मेला लगता है। यहां के मेले का आयोजन खिचड़ी पर ही किया जाए तब से अनवरत यह मेला लगता चला आ रहा है। सुरक्षा व्यवस्था में चौकी इंचार्ज मतवार लल्लन यादव मय फोर्स चक्क्रमण करते रहे।

लापरवाही करने वाले क्रेन ऑपरेटर को आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

आपरेटर को पत्रकारों के समक्ष पेश करते प्रभारी

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। झिंगुरा स्टेशन के पास ओएचई पोल के कार्य में लगी क्रेन के कार्य समाप्ति के बाद क्रेन ऑपरेटर की लापरवाही के कारण ट्रेन 12314 राजधानी से क्रेन के अगले भाग टकराने के कारण ओएचइ तार टूटने के कारण डाउन लाइन प्रभावित हो गई।

उपरोक्त मामले के संबंध में घटना को कारित करने वाला हाइड्रा के चालक देवेंद्र कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार उम्र निवासी गांव सुखपुर थाना थरियांव जिला फतेहपुर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।घटना से संबंधित हाइड्रा व उसके हुक को, झींगुरा स्टेशन पर सुरक्षित व आरपीएफ निगरानी में कराकर उपरोक्त आरोपी को पोस्ट पर लाकर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया है। मामले की जांच उप निरीक्षक संदीप कुमार के द्वारा किया जा रहा है।

डीएम व एसपी ने सुनी जन समस्याएं, निस्तारण के दिये निर्देश

पड़री में समस्या का समाधान करतीं डीएम व एसपी

मीरजापुर। शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी थाना/कोतवाली में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा थाना पड़री पर आमजन की शिकायतें सुन कर त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल द्वारा थाना पड़री में आये हुये फरियादियों की जन समस्याओं को सुना गया तथा उपस्थित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गयें। उन्होंने कहा कि प्राप्त सभी शिकायतों को रजिस्टर में सूचीबद्ध किया जाय तथा फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुये समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण करे। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित लेखपालों को निर्देशित करते हुये कहा कि टीम बनाकर विवादित जमीनों की पैमाइश करते हुये गरीब व पात्र व्यक्तियों को न्याय दिलायें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गरीब, असहाय कि समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाये और उनका निस्तारण भी कराया जाये। उन्होंने कहा कि गलत रिर्पोटिंग संज्ञान में आती है तो संबंधित अधिकारी उसे तत्काल संज्ञान में लेकर गुणवक्ता पूर्ण ढंग से उसका निस्तारण सुनिश्चित करें।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने थाना दिवस पर सुनी फरियाद

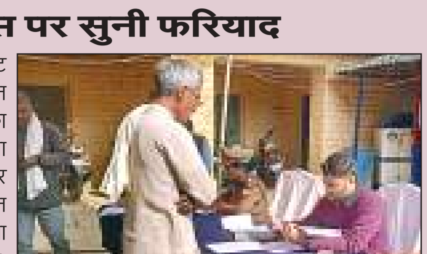
लालगंज थाने में समस्या सुनते ज्वाइंट मजिस्ट्रेट

लालगंज। स्थानीय थाना परिसर में समाधान दिवस ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आईएएस उप जिलाधिकारी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 6 मामले आए जिनमें 2 मामलों का मौके पर निस्तारण करने का दावा किया गया। शेष बचे चार प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करने हेतु पुलिस एवं राजस्व की टीम गठित कर निस्तारण करने का आदेश दिए। समाधान दिवस में जमीन संबंधित आधा दर्जन मामले आए थे। थाना क्षेत्र के चर्की गुड़िया गांव निवासी आशिफ अली, गुलालपुर की उषा देवी एवं उमाकांत, खोमर मैना गांव के रामप्रसाद आदि लोगों ने जमीन विवाद संबंधित मामले को लेकर प्रार्थना पत्र देकर निस्तारण की मांग की। जिसमें दो मामले बसकोप एवं दुबार कला का निस्तारण करते हुए शेष बचे प्रार्थना पत्रों को निस्तारण करने के लिए टीम गठित किया गया। टीम को निर्देशित करते हुए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवनीत सेहरा ने कहा कि फरियादियों को बार बार थाना का चक्कर न लगाना पड़े। मौके पर जाकर फरियादी से मिलकर प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करते हुए समय के अंदर प्रस्तुत करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगा। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक श्री मती ज्ञानू प्रिया क्षेत्रीय लेखपाल कानूनगो आदि मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार व थाना प्रभारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ थाना दिवस

मड़िहान। संतनगर थाना परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। नायब तहसीलदार बिंदुनन्दन सिंह व थाना प्रभारी कमल टावरी के अध्यक्षता में थाना दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल तीन शिकायती पत्र पड़े रहे जिसमें बहरछठ गांव निवासी सरस्वती देवी द्वारा अपने पति कल्लु कोल के ऊपर गांजा पीकर मारने का आरोप लगाया। राहकला गांव निवासी भीखम पुत्र बुद्धू ने प्रार्थना पत्र देकर कहा कि घर बना रहा था तो गांव निवासी विपक्षी बसंत अशोक द्वारा अपनी जमीन बताकर रोक रहा है। मझारी गांव निवासी फोटो देवी पत्नी रमाकांत द्वारा शिकायती पत्र देकर पड़ोस के तीन लोगों के विरुद्ध लकड़ी को लेकर विवाद बताया गया। जिसमें दो पुलिस सम्बंधित मामले का त्वरित निस्तारण कर दिया गया। एक राजस्व सम्बंधित मामले का निस्तारण हेतु टीम गठित कर भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि थाना दिवस पर आने वाले शिकायती पत्रों का मौके पर पहुँचकर दोनों पक्षों के सामने निस्तारण कराया जा रहा है जिसमें दो पुलिस सम्बंधित मामले रहे जिसका त्वरित निस्तारण करा दिया गया।

समाधान दिवस में मधुमक्खियों का हमला, मंडलीय अस्पताल रेफर

लालगंज। स्थानीय थाना समाधान दिवस में शनिवार को मधुमक्खियों की हमले से एक व्यक्ति घायल हो गया। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां से बेहतर उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर किया गया। लालगंज थाने में आयोजित समाधान दिवस में उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया। जबकि भारी संख्या में पहुंची मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से पतार कला निवासी जवाहर लाल मौर्या उम्र 45 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवनीत सेहरा ने कम्मल की व्यवस्था कराकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज भेजवाया। जहां पर चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मधुमक्खियों के आतंक से थाने में जनसुनवाई कर रहे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आईएएस नवनीत सेहरा एवं प्रभारी निरीक्षक ज्ञानू प्रिया भी वहां से हट कर अगल बगल हो लिए। समाधान दिवस में मौजूद लेखपाल कानून गो, फरियादी एवं अन्य पुलिसकर्मी भी सुरक्षित जगह की तलाश कर मधुमक्खियों से बचाव किया। कुछ देर के बाद मधुमक्खियों के शान्त होने पर ही समाधान दिवस की कार्यवाही संचालित हो सकी।

उपजिलाधिकारी न्यायिक ने सुनी समस्यायें

चुनार। उपजिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन चुनार कोतवाली में किया गया। रैपुरिया गांव निवासी सोती ने प्रार्थना पत्र दिया कि गांव के ही बेचन साहनी व अन्य घर से बाहर निकलने वाले रास्ते को अवरुद्ध कर रहे हैं। पुलिस में शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नही हो रही है। कुल तीन प्रार्थना पत्र पडे जिसमें एक का भी निस्तारण नही हुआ। इस दौरान अरविंद पाण्डेय मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस पर पांच प्रार्थना पत्र पड़े दो निस्तारित

हलिया। शनिवार को नायब तहसीलदार राम नारायण वर्मा एडिशनल एसपी महेश सिंह अत्रि के नेतृत्व में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कुल 5 प्रार्थना पत्र पड़े। दो प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। तीन प्रार्थना पत्रों के लिए टीम मौके पर भेजी गई है। सोठिया गांव निवासी देवकली ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि सड़क के किनारे जमीन पर गांव निवासी एक व्यक्ति जबरन गुमटी रखकर कब्जा कर लिया है वही वेदर गांव निवासी रामकिशन ने प्रार्थना पत्र दिया कि जामुन तथा एकलेप्टेस के पेड़ को पड़ोसी ने एक व्यक्ति के हाथ बेच दिया है। हिस्सेदारी में मेरे था। उसका पैसा भी नहीं मिला है। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, लेखपाल कृष्ण चंद्र मिश्र, संजीव कुमार उपाध्याय, राजेंद्र यादव सहित बादकारी उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

विराट ने शर्टलेस होकर अनुष्का के साथ शेयर की तस्वीर, कुछ ही घंटों में हो गई वायरल

भारत के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने परिवार के काफी करीब हैं। वो अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका के साथ फुर्सत के पल बिताने का कोई मौका नहीं छोड़ते। कोहली फिलहाल श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए केरल के तिरुवनंतपुरम में हैं। इस बीच उन्हें अनुष्का के साथ तस्वीर शेयर की है. कोहली ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें वो और अनुष्का समंदर किनारे बीच पर लंच करते हुए नजर आ रहे हैं। कोहली शर्टलेस होकर बैठे हैं और शायद यही वजह है कि ये तस्वीर जमकर वायरल हो रही है। कोहली ने तस्वीर के कैप्शन में बिना कुछ लिखे सिर्फ दिल का इमोजी पोस्ट किया है।

हॉकी वर्ल्डकप 2023 : स्पेन के बाद अब इंग्लैंड को हराने के इरादे से उतरेगा भारत

भारतीय टीम के सामने रविवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के दूसरे पूल मैच में इंग्लैंड की चुनौती होगी...इस कड़ी परीक्षा में खरा उतरने के लिएआत्मविश्वास से भरी होगी

राउरकेला। स्पेन पर दबदबे भरी जीत से बेहतरीन तरीके से अपना अभियान शुरू करने वाली भारतीय टीम के सामने रविवार को यहां एफआईएच पुरूष हॉकी विश्व कप के दूसरे पूल मैच में इंग्लैंड की चुनौती होगी और वह इस कड़ी परीक्षा में खरा उतरने के लिएआत्मविश्वास से भरी होगी। भारत ने नए बिरसा मुंडा स्टेडियम में पूल डी के शुरूआती मैच में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए स्पेन को 2-0 से हरा दिया लेकिन इंग्लैंड की टीम भी उतनी ही चुनौतीपूर्ण होगी। पहले दो

क्वार्टर में भारत ने शानदार आक्रामक हॉकी खेली और स्थानीय खिलाड़ी अमित रोहिदास की मदद से पेनल्टी कॉर्नर में किये गोल से बढ़त बनायी और फिर हार्दिक सिंह की बदौलत इसे दोगुना किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और उप कप्तान रोहिदास ने फिर बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाया जिससे मुख्य कोच ग्राहम रीड काफी प्रभावित दिखे। हरमनप्रीत एंड कंपनी इंग्लैंड के खिलाफ एक और मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करना चाहेगी। इंग्लैंड ने वेल्स के खिलाफ जीत में सभी चार क्वार्टर में गोल किये हैं। रीड ने कहा, पहला मैच जीतना अच्छा है। लेकिन डिफेंसिव प्रयास देखना सुखद था और हमने गेंद पर कब्जा बनाये रखा। बमुश्किल से कुछेक ही लोग थे जो अच्छा नहीं खेले। आपको विश्व कप में जीतने के लिये इसी चीज की जरूरत होती है। हम इसे अगले मैच में भी जारी रखेंगे। अनुभवी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक भी भारतीय गोल के आगे बेहतरीन थे लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर ओलिवर पेने ने भी वेल्स के खिलाफ काफी प्रयासों को विफल किया, विशेषकर अंतिम क्वार्टर में। भारतीयों की एकमात्र कमजोरी पेनल्टी कॉर्नर थी क्योंकि स्पेन के खिलाफ पांच में से वे किसी एक को भी सीधे गोल में तब्दील नहीं कर सके। हाल के वर्षों में लगभग प्रत्येक टूनार्मेंट में टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और शीर्ष स्कोरर रहे हरमनप्रीत हालांकि पेनल्टी स्ट्रोक चूकने के अलावा पेनल्टी कॉर्नर से भी गेंद को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सके। उन्होंने इसे स्वीकार किया और वह इंग्लैंड के खिलाफ इस प्रदर्शन की भरपायी करना चाहेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाना भारत को भारी पड़ सकता है। भारतीय खिलाड़ियों को साथ ही सतर्क रहना होगा कि उन्हें रैफरी कोई कार्ड नहीं दिखा दे क्योंकि उन्हें स्पेन के खिलाफ अंतिम क्वार्टर में अभिषेक के बिना ही खेलना पड़ा था जिन्हें फाउल के लिये पीला कार्ड दिखाया गया था। इंग्लैंड के खिलाफ जीत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत क्वार्टरफाइनल के एक कदम करीब पहुंच जायेगा। मेजबान टीम अपने पूल में शीर्ष पर रहना चाहेगी और ग्रुप की निचली रैंकिंग की टीम वेल्स के खिलाफ निश्चित रूप से दबदबा बनाये रखेगी। इंग्लैंड विश्व रैंकिंग में भारत से एक स्थान ऊपर पांचवें स्थान पर है लेकिन दोनों टीमों के बीच प्रदर्शन में बीते वर्षों में ज्यादा अंतर नहीं रहा है। पिछले साल दोनों टीमों ने एक दूसरे के खिलाफ तीन मैच खेले थे। राष्ट्रमंडल खेलों में दोनों के बीच मैच 4-4 से ड्रा रहा था। एफआईएच प्रो लीग के पहले चरण में मैच 3-3 से ड्रा रहा और इसके बाद दूसरे मैच में भारत ने 4-3 से जीत दर्ज की। राष्ट्रमंडल खेल 2002 में 11 गोल से शीर्ष स्कोरर रहे निक बांडुराक ने वेल्स के खिलाफ गोल किया और बर्मिंघम में शानदार प्रदर्शन करने वाले फिल रोपर भी शानदार रहे।

नीदरलैंड-दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से हमें अपने खेल के स्तर को सुधारने में मदद मिलेगी : सविता

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम 16 जनवरी से शुरू होने वाले सात मैचों के अभ्यास दौरे पर दक्षिण अफ्रीका जाएगी जिसमें दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ भी तीन मैच शामिल हैं। सविता पूनिया की अगुआई

वाली टीम मेजबान दक्षिण अफ्रीका से केप टाउन में चार मैच खेलेगी। इसके बाद 23 जनवरी से तीन मुकाबलों में नीदरलैंड के सामने होगी। सविता ने कहा, हम वार्षिक कैलेंडर में काफी अभ्यास मैच आयोजित कराने के लिए हॉकी इंडिया के आभारी हैं क्योंकि इस साल हम एशियाई खेलों के लिये अच्छी तैयारी करने और पेरिस ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई करने पर ध्यान लगा रहे हैं। भारतीय कप्तान को लगता है कि इस दौरे से टीम को एशियाई खेलों से पहले अपने कमजोर पक्ष को जानने और इन पर काम करने में मदद मिलेगी। सविता ने कहा, दक्षिण अफ्रीका और दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ मैच से हमें अपने खेल के स्तर को सुधारने में मदद मिलेगी और साथ ही हम जिस विभाग में पिछड़ रहे हैं, उसे भी हम पता कर पायेंगे। बेंगलुरू में दो हफ्ते के शिविर के बाद हम इस दौर के लिये अच्छी तरह तैयार हैं। सविता की अगुवाई में टीम ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने कहा, खिलाड़ी 2022 में हॉकी के लिये अच्छे साल के बाद आत्मविश्वास से भरी हैं और हम अच्छे प्रदर्शन से सत्र की शुरूआत करना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान रोहित शर्मा कप्तान, सूर्यकुमार-ईशान भी टीम में

रोहित शर्मा दोनों टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो मैचों के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा दोनों टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे। खास बात यह है कि टेस्ट टीम में पहली बार सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन को भी जगह मिली है। वहीं असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 379 रन की पारी खेलने वाले पृथ्वी साव को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये चुना गया है जबकि न्यूजीलैंड दौरे के लिये वनडे टीम में केएल राहुल की जगह केएस भरत ने ली है ।
घुटने का आपरेशन कराने वाले रविंद्र जडेजा को टेस्ट टीम में चुना गया है

बशर्ते वह फिट हो जायें । आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिये टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएस भरत, ईशान किशन, आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव ।
न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिये टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएस भरत, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज , उमरान मलिक । न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये टीम : हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, रूतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, शिवम मावी, पृथ्वी साव, मुकेश कुमार।

40 ओवर के मैच में खेली 508 रन की पारी:13 साल के यश चावडे ने इंटर स्कूल मैच में रचा इतिहास

मुंबई। महाराष्ट्र के 13 साल के बल्लेबाज यश चावडे ने इतिहास रच दिया है। यश ने मुंबई इंडियंस जूनियर स्कूल टूनार्मेंट में 508 रन की नाबाद पारी खेली। नागपुर में शुक्रवार को खेले गए 40-40 ओवर के इस मैच में यश की टीम सरस्वती विद्यालय ने बिना विकेट खोए 714 रन बना दिए। जवाब में प्रतिद्वंद्वी सिद्धेश्वर विद्यालय की टीम 5 ओवर में 9 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इस तरह सरस्वती विद्यालय ने 705 रन से मैच जीत लिया। यश ने अपनी पारी में 178 गेंदों का सामना किया और 81 चौके और 18 छक्के जमाए। यश किसी भी इंटर स्कूल लिमिटेड ओवर क्रिकेट मैच में 500 रन या इससे ज्यादा की पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इस कैटेगरी में सबसे बड़ी पारी खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड श्रीलंका के चिरथ सेलेपेरुमा के नाम है। चिरथ

ने 2022 में श्रीलंका में हुए एक अंडर-15 मैच में 553 रन की पारी खेली थी। क्रिकेट स्टैटिशियन मोहनदास मेनन के मुताबिक यश की पारी किसी भी फॉर्मेट और किसी भी एज ग्रुप में 500 रन से ऊपर की सिर्फ 10वीं पारी है। इनमें से पांच बार यह कारनामा किसी भारतीय बल्लेबाज ने किया है। यश से पहले प्रणव धनवड़े (नाबाद 1009 रन), प्रियांशु मोलिया (556 रन), पृथ्वी शॉ (546 रन) और डाडी हावेवाला (515) इतनी बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज थे।

इंटरनेशनल लीग टी20 : रोवमैन पॉवेल-रॉबिन उथप्पा का धमाल, दुबई कैपिटल्स ने शाहरुख खान की अबू धाबी नाइट राइडर्स को 73 रनों से हराया

दुबई। कप्तान रोवमैन पॉवेल के हरफनमौला खेल और रॉबिन उथप्पा की सूझबूझ भरी पारी से दुबई कैपिटल्स ने इंटरनेशनल लीग (आईटीएल) टी20 टूनार्मेंट के शुरूआती मुकाबले में शुक्रवार को यहां अबू धाबी नाइट राइडर्स को 73 रन के बड़े अंतर से हराकर शानदार आगाज किया। मैन ऑफ द मैच पॉवेल ने 29 गेंद की आक्रामक पारी में तीन छक्के और इतने ही चौके की मदद से 48 रन बनाये। भारत के पूर्व बल्लेबाज उथप्पा ने पारी का आगाज करते हुए 33 गेंद में दो छक्के और तीन चौके जड़ 43 रन की उपयोगी पारी खेली। आखिरी ओवरों में रवि बोपारा (तीन गेंद में नाबाद 11 रन) और इसुरू उदाना (चार गेंद में नाबाद 12) रन की तेज बल्लेबाजी से टीम ने 20 ओवर में छह

विकेट पर 187 रन बनाने के बाद अबू धाबी नाइट राइडर्स को नौ विकेट पर 114 रन पर रोक दिया। अबू धाबी के लिए पॉल स्टर्लिंग ने 54 रन की पारी खेली लेकिन टीम के सिर्फ दो ही बल्लेबाज दहाई के आंकड़े में रन बना पाये। आयरलैंड के इस खिलाड़ी ने 38 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाये। पॉवेल के अलावा दुबई की टीम के लिए अकीफ राजा और मुजीब उर रहमान ने दो-दो जबकि उदाना , हजरत लुकमान और सिकंदर रजा ने एक-एक सफलता हासिल की। अबू धाबी की टीम के लिए रवि रामपॉल ने 36 रन देकर दो जबकि अली खान ने 45 रन देकर दो विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करते समय बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की सह-स्वामित्व वाली अबू धाबी नाइट राइडर्स 10वें ओवर में दो विकेट पर 71 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद लगातार अंतराल पर विकेटों के पतन के कारण टीम लक्ष्य से काफी दूर रह गयी। इस दौरान आंद्रे रसेल (12)और सुनील नारायण (चार) जैसे आक्रामक बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। इससे पहले पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मुश्किल पिच पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट (26) और उथप्पा ने दुबई कैपिटल्स को सुधी हुई शुरूआत दिलायी। रूट ने चौथे ओवर में अकील हुसैन के खिलाफ चौका और दो छक्के जड़े। वह हालांकि पावर प्ले के आखिरी ओवर में अली खान की गेंद पर आउट हो गये। उन्होंने पहले विकेट के लिए उथप्पा के साथ 35 रन की साझेदारी की। दूसरे छोर से अब तक संभल कर खेल रहे भारत के पूर्व बल्लेबाज उथप्पा ने इसी ओवर में छक्के के साथ अपना हाथ खोला। उथप्पा ने 12वें ओवर में कप्तान सुनील (28 रन पर एक विकेट) की गेंद को दर्शकों के पास भेजा लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गये। पॉवेल ने क्रीज पर आते ही अली के ओवर दो छक्के और चौका जड़ा। उन्होंने 17वें ओवर में रामपॉल के खिलाफ भी चौका और छक्का लगाकर रन गति को तेज किया लेकिन एक और बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में वह कोलिन इनग्राम को कैच थमा बैठे। उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा (26) के साथ चौथे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। रजा ने पारी के 18वें रसेल के खिलाफ चौका और छक्का जड़ा जिससे टीम ने 150 रन के आंकड़े को पार किया। वह अगली गेंद पर रसेल को कैच थमा कर पवेलियन लौटे। यूसुफ पठान पांच गेंद की पारी में छह रन का ही योगदान दे सके। उदाना ने आखिरी ओवर में अली के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाया तो वही रवि बोपारा ने भी छक्का जड़ टीम के स्कोर को 187 तक पहुंचाया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और एसीबी के बीच जारी तकरार के बीच क्ऊउ पर दुनिया की निगाहें, जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया का अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृखंला में भाग नहीं लेने के फैसले के बाद स्टार स्पिनर राशिद खान और पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी की नाराजगी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) पर दबाव बढ़ाने के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को गंभीर

निर्णय लेने के लिए विचार करने पर विवश कर दिया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने तालिबान में महिलाओं की शिक्षा और रोजगार में प्रतिबंध के विरोध में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर होने का फैसला किया है जिसके बाद अफगान स्पिनर राशिद खान ने ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली बिग बैश लीग (बीबीएल) से हटने की धमकी दी। दूसरी तरफ मोहम्मद नबी ने इसे राजनीति से प्रेरित फैसला बताते हुए तंज कसा कि आगामी एक दिवसीय विश्वकप तक क्या ऑस्ट्रेलिया अपने इस फैसले पर अडिग रहेगा। दुबई में आईसीसी अकादमी मैदान पर शारजाह वारियर्स के लिए नेट प्रैक्टिस कर रहे नबी ने क्रिकबज के साथ बातचीत में कहा, खेल को राजनीति से दूर रखा जाये तो ही क्रिकेट के लिये अच्छा है। अभी पिछले टी-20 विश्वकप की ही बात करें तो आस्ट्रेलिया ने हमारे खिलाफ क्यों खेला। मै बताता हूं, दरअसल उनको दो अंकों के साथ साथ अपना नेट रन रेट बेहतर करने की चिंता थी। बीती बात को छोड़ भी दें तो अब हम देखना चाहेंगे कि क्या वह हमारा बहिष्कार भारत में खेले जाने वाले एक दिवसीय विश्वकप में करेंगे। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने इस बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा, हम अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रमों से चिंतित हैं।

नोवाक जोकोविच हैं ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने के प्रबल दावेदार, राफेल नडाल का बड़ा बयान

मेलबर्न। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने शनिवार को स्वीकार किया कि वह दबाव के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरूआत कर रहे हैं और नोवाक जोकोविच इस खिताब के सबसे प्रबल दावेदार होंगे। ऑस्ट्रेलिया ओपन 2022 के विजेता नडाल के साल की शुरूआत यूनाइटेड कप में दो हार के साथ हुई है। नडाल ने अपने पिछले सात में से छह मुकाबले हारे हैं और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उनका पहला मैच 21 वर्षीय जैक ड्रेपर के साथ है जो इस सप्ताह एडिलेड इंटरनेशनल के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। नडाल ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, श्यह संभवतः सबसे कठिन पहला राउंड है। वह (जैक) युवा और शक्तिशाली हैं और बहुत तेजी से ऊपर आ रहे हैं। टूनार्मेंट शुरू करना मेरे लिये बड़ी चुनौती होगी। देखते हैं क्या होता है। मैं यहां सिर्फ खुद को मौका देने के लिये हूं। मैं जानता हूं कि वह अच्छा खेल रहा है। जब नडाल से पूछा गया कि क्या वह दबाव महसूस कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, श्बिल्कुल, बिना किसी संदेह के। मैं आजकल कई मुकाबले हार रहा हूं, जो खेल का हिस्सा है। मैं इस स्थिति को विनम्रता के साथ स्वीकार करते हुएआज जो मेरे पास है उसके साथ काम कर रहा हूं। मुझे अपनी लय फिर से हासिल करने की जरूरत है। मुझे जीत के साथ अपने आप में इस आत्मविश्वास को फिर से बनाने की जरूरत है, लेकिन यह सच है कि मैं सामान्य से अधिक हार रहा हूं। नडाल के चिर-प्रतिद्वंदी और नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता नोवाक जोकोविच को कोविड वैक्सीन न लगवाने के कारण पिछले साल टूनार्मेंट में खेलने की अनुमति नहीं मिली थी, जिसके बाद नडाल ने फाइनल में रूस के डेनिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीत लिया था। सर्बिया के जोकोविच इस साल टूनार्मेंट में हिस्सा ले रहे हैं और नडाल का मानना है कि वह खिताब जीतने के सबसे प्रबल दावेदार हैं। नडाल ने कहा, जोकोविच बहुत अच्छी तरह से तैयार लग रहे हैं। साल के अंत में उन्हें शानदार नतीजे मिले, उन्होंने साल की शुरूआत भी जीतकर की है। यह ऐसा टूनार्मेंट है जो उनके लिए हमेशा अच्छा रहा है। अगर हम खिताब जीतने के प्रबल दावेदार के बारे में बात करते हैं, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह खिताब जीतने के लिये सबसे पसंदीदा हैं। उन्होंने कहा, लेकिन टूनार्मेंट पहले शनिवार को नहीं जीते जाते हैं, आपको दो सप्ताह तक काम करना पड़ता है, हालांकि उन्होंने दिखाया है कि वह ऐसा कर सकते हैं। अगर वह जीतते हैं तो मैं उन्हें बधाई दूंगा। उन्होंने कुछ ऐतिहासिक किया होगा, और बस इतना ही। मेरा जीवन बदलने वाला नहीं है। *एजेंसी*

भारत दौरे के लिए नहीं चुने जाने पर एडम जंपा निराशा, टेस्ट क्रिकेट में फ्यूचर को लेकर कही ये बात

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जंपा अगले महीने भारत में शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए अनदेखी किए जाने के बाद काफी निराश हैं और उन्हें लगता है कि उन्हें लाल गेंद के करियर में सुधार के बजाय अन्य प्रारूपों पर ध्यान लगाना चाहिए। जंपा ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, मैं बहुत निराश हूं, मैं इस दौरे के लिए टीम में होना पसंद करता। मुझे लगा कि मैं जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बढ़ रहा हूं, यह (विशेषकर) मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट का शानदार मौका होता। उन्होंने कहा, छह हफ्ते पहले मुझे संदेश मिला था कि यह मेरे लिए बहुत अच्छा मौका होने वाला था और मैं संभवतः इस दौरे पर हो सकता हूं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं इससे निराश हूं और अब इससे इतर करने का समय आ गया है। जंपा ने कहा, मैं इस दौरे पर शामिल होने के लिये काफी उत्साहित था और संदेश था कि मेरी गेंदबाजी वहां उपयोगी साबित हो सकती है। लेकिन शायद अंतिम क्षण में मन बदल गया। जंपा ने कहा कि उन्हें अभी अपने टेस्ट करियर पर फैसला करना है क्योंकि उनकी प्राथमिकता अब भी भारत में इस साल के अंत में होने वाला वनडे विश्व कप और अगले साल होने वाला टी20 विश्व कप है। इस 30 साल के खिलाड़ी ने कहा, मैं लाल गेंद के क्रिकेट के लिए पूरी तरह दरवाजा बंद नहीं करने जा रहा। उन्होंने कहा, लेकिन जीवन संतुलन का ही नाम है। मेरा भी परिवार है और फिर सफेद गेंद के दौरे और विश्व कप आ रहे हैं। इसलिए मुझे अपने शरीर, खुद के लिये और अपने परिवार के लिये सर्वश्रेष्ठ सोचने की कोशिश करनी होगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, हाइड्रो में निवेश के लिये विशेष नीति लाएंगे: मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

उन्होंने कहा कि राज्य को कर्ज से बाहर निकालकर राज्य को प्रगति और समृद्धि के पथ अग्रसर करने के लिए कर्मचारियों और समाज के हर वर्ग का सक्रिय सहयोग वांछित है

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, हाइड्रोविद्युत और खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए विशेष नीति लाएगी ताकि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। सीएम सुक्खू ने शनिवार को यहां यह बात कही।

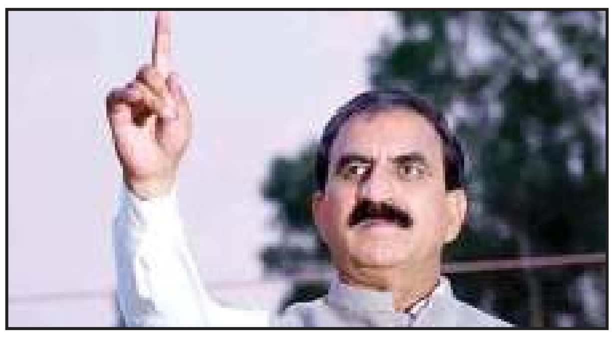

उन्होंने कहा कि राज्य को कर्ज से बाहर निकालकर राज्य को प्रगति और समृद्धि के पथ अग्रसर करने के लिए कर्मचारियों और समाज के हर वर्ग का सक्रिय सहयोग वांछित है। सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति न्यायमूर्ति अमजद ए सईद ने शिमला के निकट घंडल में हिमाचल प्रदेश विधि विश्वविद्यालय के ऋषिका संघमित्रा कन्या छात्रावास का शिलान्यास किया। इस छात्रावास के निर्माण पर लगभग 14.50 करोड़ की लागत आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार इस कन्या छात्रावास के निर्माण के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से छात्रों की सुविधा के लिए एक ब्वॉयज हॉस्टल निर्मित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस छात्रावास के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध होते ही पांच करोड़ रुपये की राशि प्रदान करेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को आवास की बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को छात्रावासों के अच्छे डिजाइन तैयार करने को कहा।

उन्होंने कहा कि राज्य पर इस समय लगभग 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज का बोझ है। इसके बावजूद राज्य सरकार बेहतर अधोसंरचना स्थापित करने के लिए हरसम्भव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए अतिरिक्त 25 बीघा भूमि तथा इसे वन विभाग से स्वीकृतियां शीघ्र मुहैया कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता के सहयोग से हिमाचल देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा।

न्यायमूर्ति अमजद ए सईद ने इस अवसर पर कहा कि यह गर्व के क्षण हैं कि विश्वविद्यालय में एक विश्व स्तरीय कन्या छात्रावास बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग से ही शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। विश्वविद्यालय को छात्र और छात्राओं के लिए लगभग छह छात्रावासों निर्माण के लिए अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होगी। उन्होंने विश्वविद्यालय में बेहतर अधोसंरचना सुनिश्चित करने के लिए हरसम्भव सहायता का आश्वासन देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, चंबा में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.2 रही तीव्रता

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा और कांगडा में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किये गए। भूकंप से कहीं से किसी जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक चंबा जिला में शनिवार सुबह पांच बजकर 17 मिनट पर भूकंप का झटके महसूस किये गये।

रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई। भूकंप का केन्द्र चंबा में जमीन की सतह से नीचे पांच किलोमीटर की गहराई में था। चंबा जिले के साथ लगते कांगड़ा जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किये। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.8 मापी गई। भूकंप की गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर की गहराई में थी। हिमाचल में लगातार भूकम्प के झटके महसूस किए जा रहे हैं। ज्ञातव्य है कि प्रदेश में पिछले दो माह से लगातार भूकंप के झटके लगने से लोग दहशत में हैं। बीते 28 दिनों में राज्य में कई हिस्सों में सात बार भूकंप आ चुका हैं।

हुमा ने अनुराग पर लगाया चोरी का आरोप ! फैंस की सिट्टी-पिट्टी हुई गुम

मुंबई। हुमा कुरैशी को फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने 2012 में फिल्मों में पहला ब्रेक दिया था। अब दोनों में सोशल मीडिया पर बवाल छिड़ गया है। हाल ही में हुमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो क्लिप शेयर की और घोषणा की कि वह संगीतकार अमित त्रिवेदी और अनुराग पर उनका गाना चुराने के लिए मुकदमा कर रही हैं। उनके दावे का जवाब देते हुए फिल्म निमार्ता ने कहा कि गाना चोरी हो सकता है लेकिन इसे कभी रिलीज नहीं किया गया। हालांकि बता दें कि दोनों के बीच में ये बस मजाक चल रहा था। हुमा कुरेशी ने अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'डीजे मोहब्बत' के साथ लगभग प्यार का एक क्लिप शेयर किया और लिखा, 'मैं अमित त्रिवेदी और अनुराग कश्यप पर मेरा गाना चुराने का मुकदमा कर रही हूं।' अनुराग ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी पोस्ट को फिर से शेरय किया और कहा, 'हाहाहा और इसे कभी रिलीज नहीं किया गया।' उन्होंने अपने पोस्ट में कुछ हार्ट इमोजी भी जोड़े। *एजेंसी*

खास खबर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पैर छूने पर महिला इंजीनियर सस्पेंड

जयपुर। राजस्थान सरकार के एक महिला इंजीनियर को 4 जनवरी को एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने और उनके पैर छूने की कोशिश करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट ने गृह मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद इंजीनियर को निलंबित कर दिया। पीएचईडी चीफ इंजीनियर (प्रशासन) ने कहा पीएचईडी की जूनियर इंजीनियर अम्बा सियोल ने 4 जनवरी को रोहट में स्काउट गाइड जाम्बोरे के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति के पैर छूने की कोशिश कर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था, इसलिए राजस्थान सिविल सेवा नियम के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

खुशखबरी : रेलवे अयोध्या और नेपाल में जनकपुर के बीच चलाएगा पर्यटक ट्रेन

नई दिल्ली। रेलवे भारत में अयोध्या और नेपाल में जनकपुर तीर्थस्थलों को जोड़ने वाले मार्ग पर अगले महीने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलाएगा। रेलवे ने इस संबंध में एक बयान में कहा कि श्री राम–जानकी यात्राः अयोध्या से जनकपुर 17 फरवरी को दिल्ली से शुरू होगी। भारतीय रेलवे ने कहा कि यह पहल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देगी। पर्यटक ट्रेन नंदीग्राम, सीतामढ़ी, काशी और प्रयागराज से होकर गुजरेगी। यात्रियों के जनकपुर और वाराणसी के होटलों में दो रात विश्राम की व्यवस्था होगी। यात्रा के दौरान अयोध्या, सीतामढ़ी और प्रयागराज में ट्रेन के ठहराव के दौरान इन स्थलों की यात्रा की जा सकेगी। अत्याधुनिक डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन की विशेषताओं में दो बढ़िया रेस्तरां, एक आधुनिक रसोईघर, डिब्बों में नहाने की व्यवस्था, सेंसर–आधारित शौचालय और पैरों की मालिश के लिए उपकरण शामिल हैं।

शिवसेना बदल रही है, पहले हम आंदोलन करते थे अब हम रोजगार मेले आयोजित करते हैं: आदित्य ठाकरे

वरली से विधायक आदित्य ने कहा कि एक नयी एवं मजबूत शिवसेना का निर्माण हो रहा

ठाणे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को कहा कि किसी समय धरती पुत्र के तौर पर अपनी आक्रामक राजनीति के लिए जानी जाने वाली उनकी पार्टी में बड़ा बदलाव आया है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने यहां अपने पिता उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले धड़े द्वारा आयोजित रोजगार मेले में कहा, धरती पुत्रों के अधिकारों के लिए आंदोलन करने वाली शिवसेना में बड़ा बदलाव आया है... अब हम धरती पुत्रों, खासकर युवाओं की समस्याओं, के समाधान के लिए रोजगार मेले आयोजित करते हैं। वरली से विधायक आदित्य ने कहा कि एक नयी एवं मजबूत शिवसेना का निर्माण हो रहा है, क्योंकि युवा इसके साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेबांची शिवसेना की गठबंधन सरकार ने महाराष्ट्र के लिए कुछ नहीं किया और इसने केवल लोगों को बांटने का काम किया है। आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि गद्दारों की

सरकार आगामी दो महीने में गिर जाएगी। उन्होंने कहा, जिन्होंने हमें छोड़ा, वे गद्दार हैं और जो हमारे साथ बने रहे, वे असली शिव सैनिक हैं। शिंदे की बगावत के कारण जून 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार का गठन किया था। उन्होंने कहा कि राज्य से बाहर जा रहे उद्योगों और बढ़ती बेरोजगारी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सरकार राजनीतिक हिसाब चुकता करने में लगी है। विपक्ष ने मेगा औद्योगिक परियोजनाएं वेदांता-फॉक्सकॉन और टाटा-एयरबस पिछले साल महाराष्ट्र के बजाय गुजरात को मिलने पर शिंदे सरकार की आलोचना की थी।

यहां पन्ना के किसान की पूरी हुई तमन्ना...मिल गया 20 लाख का हीरा

भोपाल। ईश्वर जब देने पर आता है तो झोली कम पड़ जाती है, ऐसा ही कुछ पन्ना के इंद्रजीत सरकार के साथ हुआ। यह युवक जरुआपुर में खदान का पट्टा लेकर हीरे की तलाश करता रहा, लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा। खदान बंद हो गई, फिर अचानक बीते रोज उस पर किस्मत मेहरबान हो उठी। बंद खदान के पास मासूस टहलते हुए इंद्रजीत को एक चमकीला पत्थर दिखा तो वे उसे उठा लाए। परिजन संग जब हीरा कार्यालय पहुंचे तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वह चमकीला पत्थर करीब 20 लाख कीमत का उज्जवल किस्म का हीरा निकला। पन्ना की धरती फकीर को अमीर बनाने के लिए पहचानी जाती है। इसे रतनगर्भा और हीरों की धरती कहा जाता है। निराश, मायूस लोगों की झोली में कब यह हीरे डाल दे कहा नहीं जा सकता। शुक्रवार को एक और युवक इंद्रजीत सरकार टहलते-टहलते लखपति बन गए हैं। दरअसल पन्ना जिले के निवासी इंद्रजीत सरकार सुबह जब घूमने निकले तो उन्हें बंदर हीरा खदान में पुराने मिट्टी के ढेर के पास कुछ चमकता हुआ दिखा तो उन्होंने उसे उठाकर देखा तो लगा कि यह हीरा हो सकता है। वे उसे घर ले आए। परिजन ने देखा तो लगा की यह हीरा ही है।

गुजरात में उत्साह से मना उत्तरायण त्योहार, अमित शाह और मुख्यमंत्री पटेल ने भी उड़ाई पतंग

लोगों ने संगीत सुनते हुए फाफड़ा-जलेबी, उंधियू और चिक्की जैसे व्यंजनों का आनंद लिया

अहमदाबाद। गुजरात में शनिवार को उत्तरायण उत्सव के मौके पर पतंग उड़ाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने घर की छतों और खुले मैदानों में उमड़ पड़े। केंद्रीय मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी अपने परिवार के साथ इस उत्सव में शामिल हुए। इस मौके पर आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से भर गया और लोगों ने संगीत सुनते हुए फाफड़ा-जलेबी, उंधियू और चिक्की जैसे व्यंजनों का आनंद लिया। दो साल कोविड-19 महामारी के कारण उत्सव नहीं मनाया गया था, लेकिन इस बार यह उत्सव कोरोना की वजह से प्रभावित नहीं हुआ है। इस बीच, मांझे से घायल होने या पतंग उड़ाते समय ऊंचाई से गिरने की कई घटनाएं भी सामने आई हैं। पुलिस ने बताया कि मेहसाणा जिले के विसनगर शहर में तीन साल की बच्ची की तथाकथित चीनी मांझे से गला कटने से मौत हो गयी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री अमित

शाह ने अहमदाबाद के वेजलपुर इलाके में अपने परिवार, मित्रों तथा पार्टी नेताओं के साथ यह त्योहार मनाया। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ यहां जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। बाद में वह और उनकी पत्नी वेजलपुर की एक आवासीय सोसाइटी गए जहां उन्होंने स्थानीय भाजपा नेताओं और समर्थकों के साथ एक इमारत की छत पर पतंग उड़ायी। मुख्यमंत्री पटेल दरियापुर इलाके में गए और अपने पुराने दोस्तों तथा भाजपा कार्यकताओं से मुलाकात की। उन्होंने वहां एक इमारत की छत से पतंग भी उड़ायी। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी ने अपने गृहनगर सूरत में परिवार और दोस्तों के साथ पतंग उड़ाते हुए यह त्योहार मनाया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह, मुख्यमंत्री पटेल और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोगों को बधाई दी। मोदी ने अपने ट्विटर हैंडल पर गुजराती में कहा, आप सभी को शुभकामनाएं। ईश्वर करें पतंग का यह त्योहार आपके जीवन में खुशी और उत्साह लेकर आए, आप सभी के स्वस्थ रहने की कामना करता हूं। शाह ने ट्वीट किया, उत्तरायण के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। भगवान सूर्य नारायण सभी के जीवन में खुशी, शांति एवं समृद्धि लायें। राज्यपाल ने अपने संदेश में मकर संक्रांति- उत्तरायण उत्सव के मौके पर लोगों से आपसी स्नेह, सद्भाव और सहानुभूति रखने की अपील की। बहरहाल, 108 आपात प्रबंधन सेवा ने दोपहर तक पतंग उड़ाने के दौरान जख्मी होने की 29 घटनाओं की जानकारी दी, जिसमें से 14 मामले अकेले अहमदाबाद में आए। ऊंचाई से लोगों के गिरने के 73 मामले भी सामने आए। अधिकारियों ने बताया कि सूरत शहर के लिम्बायत इलाके का कल्पेश ठाकोर (18) पतंग के मांझे से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

50 साल के हो गए और कहते हैं ठंड नहीं लगती...

तू क्या है फिर, जिन्न है?: ओवैसी ने उड़ाया राहुल का मजाक

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। राहुल गांधी की यात्रा फिलहाल पंजाब के जालंधर में पहुंच चुकी है और यहां से होते हुए हुए कश्मीर में प्रवेश करेगी। राहुल अपनी इस यात्रा के दौरान लगातार मीडिया से भी बात कर रहे हैं और सवालों का जवाब दे रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने हरियाणा में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कहा था कि उन्होंने राहुल गांधी को मार डाला और उन्हें अपनी छवि की परवाह नहीं है। राहुल के इस बयान पर अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने राहुल पर निशाना साधा है। ओवैसी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'अब ये कांग्रेस के नेता जो 50 साल के हो गए हैं और अब बोल रहे हैं मुझे सर्दी से डर नहीं लगता है। 50 साल में कोई बोलता है कि मैं सर्दी को मार दिया...अपना नाम लेकर बोले मैं उसको मार दिया...मैं वो है ही नहीं.. फिर तू क्या है जिन्न है।' ओवैसी यहीं नहीं रूके उन्होंने यह भी कहा कि राहुल देश का

प्रधानमंत्री बनने का सपना तो नहीं देख रहे है।

क्या कहा था राहुल ने ?

कुछ दिन पहले जब राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा में उनकी छवि में बदलाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा, 'राहुल गांधी आपके दिमाग में हैं। मैंने उसे बहुत पहले मार दिया था। जिस व्यक्ति को आप अभी देख रहे हैं, वह राहुल गांधी नहीं है। उन्होंने ये भी कहा था कि उनका ये बयान वही समझ सकता है जिसने हिंदु धर्म का अध्ययन किया हो। आपको बता दें कि 'भारत जोड़ो यात्रा' 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में राहुल गांधी के राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने के साथ खत्म होगी।

जम्मू-कश्मीर के गुरेज में हिमस्खलन 12 जिलों के लिए चेतावनी जारी

गुरेज के जुर्नियाल गांव में आज अपराह्न हिमस्खलन हुआ लेकिन इसके कारण कोई नुकसान नहीं हुआ है

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर के एक गांव में शनिवार को हिमस्खलन हुआ, लेकिन इसमें किसी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, एक दिन पहले ही मध्यम से भारी बर्फबारी के बाद बांदीपोरा समेत 12 जिलों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि गुरेज के जुर्नियाल गांव में आज अपराह्न हिमस्खलन हुआ, लेकिन इसके कारण कोई नुकसान नहीं हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने शनिवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के लिए उच्च खतरे वाले हिमस्खलन की चेतावनी जारी की, जबकि बांदीपोरा, बारामुला, डोडा, गांदेरबल, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन और रियासी

जिलों के लिए मध्यम खतरे के हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। एसडीएमए के अधिकारियों ने कहा, अगले 24 घंटे में कुपवाड़ा जिले के 2,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उच्च-स्तरीय खतरे के साथ हिमस्खलन की आशंका है। अगले 24 घंटे में बांदीपोरा, बारामुला, डोडा, गांदेरबल, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन और रियासी जिलों में 2,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मध्यम खतरे के साथ हिमस्खलन होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि अगले 24 घंटे में अनंतनाग, कुलगाम और राजौरी जिलों में 2,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन होने की संभावना है। इसके मद्देनजर लोगों को एहतियात बरतने और हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। गौरतलब है कि सोनमर्ग जिले के गांदेरबल में एक निर्माण कंपनी की साइट पर हुए हिमस्खलन में बृहस्पतिवार को किश्तवाड़ निवासी दो मजदूरों की मौत हो गई थी।

कोई कुछ भी कहे, मैं अपना काम जारी रखूंगा: शशि थरूर

राजनीति की ओर ध्यान केंद्रित करने के उनके कदम को लेकर नेताओं के निशाने के बाद बयान

कन्नूर (केरल)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि कोई कुछ भी कहे लेकिन वह पहले की तरह अपना काम जारी रखेंगे और लोगों से मुलाकात करते रहेंगे। थरूर की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है जब कांग्रेस के कई नेताओं ने एक दिन पहले उन पर राज्य की राजनीति की ओर ध्यान केंद्रित करने के उनके कदम को लेकर निशाना साधा था। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि वह राज्य भर के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं क्योंकि उन्हें विभिन्न हलकों से बहुत सारे निमंत्रण मिलते हैं और इसमें कुछ भी खास नहीं है क्योंकि अन्य नेता भी ऐसा ही कर रहे हैं।

कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा उनका नाम लिए बिना दिये बयानों के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यकोई कुछ भी कहता रहे...मैं अपना काम कर रहा हूं...कोई कुछ भी कहे, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी वही कर रहे हैं जो वह पिछले 14 वर्षों से कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें लोगों से निमंत्रण मिलता है, तो वह कार्यक्रमों का चयन करते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार उनमें शामिल होते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला उन व्यक्तियों में शामिल थे, जिन्होंने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में पार्टी के एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान थरूर पर परोक्ष रूप से निशाना साधा था।

भारतीय सशस्त्र बल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बलों में से एक : सेना प्रमुख मनोज पांडे

सशस्त्र बलों के तीनों अंग किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने शनिवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बलों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल अत्यधिक पेशेवर हैं और भूतपूर्व सैनिकों के अदम्य साहस और उनके बलिदान के कारण यह बल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ में शुमार है। जनरल मनोज पांडे ने यहां सातवें सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस कार्यक्रम के अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिकों के योगदान से प्रेरित होकर, सशस्त्र बलों के तीनों अंग किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। यहां मानेकशॉ सेंटर में आयोजित समारोह के दौरान सेना प्रमुख के साथ वायुसेना

प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने भी मंच साझा किया। समारोह स्थल पर सेना के तीनों अंगों के बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक भी मौजूद थे। जनरल पांडे ने कहा, आज हमारे सशस्त्र बलों की गिनती दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और अत्यधिक पेशेवर बलों में होती है। यह पहचान (सेनाओं की) आपके बलिदान, अदम्य साहस और कठिन परिश्रम का परिणाम है। इससे प्रेरित होकर, सशस्त्र सेना के तीनों अंग किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। नौसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा, आज के सशस्त्र बल हमारे प्रत्येक भूतपूर्व सैनिक के प्रयासों, दूरदर्शी नेतृत्व, आकांक्षाओं और निःस्वार्थ प्रयासों का परिणाम हैं। एडमिरल कुमार ने कहा, यहां उपस्थित होना और आप सभी के साथ बातचीत करना मेरे लिए सम्मान की बात है। आज का दिन हमारे उन बहादुर योद्धाओं को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि नौसेना सभी को आश्वस्त करना चाहती है कि वह भूतपूर्व सैनिकों की विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वायुसेना प्रमुख ने इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों को बधाई भी दी। उन्होंने कहा, हम अपने वायुसैनिकों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि भारतीय वायुसेना आपकी भलाई के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सेना प्रमुख ने यह भी कहा कि यह गर्व की बात है कि सशस्त्र बलों के भूतपूर्व सैनिक राष्ट्र की प्रगति के लिए विभिन्न क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल कश्मीर में मौसम में सुधार

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के कुछ हिस्सों में शनिवार को धूप निकली और क्षेत्र में तीन दिन से रुक-रुक कर हो रहा हिमपात बंद हो गया। श्रीनगर और घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की पहली बर्फबारी हुई। श्रीनगर सहित घाटी के ज्यादातर हिस्सों में शुक्रवार देर रात तक बर्फबारी रुक गई थी। इस भीगे मौसम ने शुक्रवार को यातायात बाधित कर दिया और पूरे कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में हिमस्खलन का खतरा भी पैदा कर दिया था। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शुक्रवार को सड़क संपर्क के साथ-साथ हवाई यातायात को बहाल कर दिया गया है और श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर फंसे वाहनों को जाने की अनुमति दी गई है। शनिवार सुबह सड़क साफ होने के बाद राजमार्ग को यातायात के लिए खोल दिया गया।

फसल की कटाई खत्म हो चुकी है, अनाज के भंडार भर चुके हैं और असम भोगाली या माघ बिहू मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य के बाकी हिस्सों के साथ-साथ मध्य असम के मोरीगांव जिले में पुरुष, बच्चे और महिलाएं सामुदायिक क्षेत्रों में शनिवार शाम से शुरू होने वाले तीन दिवसीय उत्सव की तैयारी में व्यस्त हैं।

सेंसेक्स

सेंसेक्स 303 अंक चढ़कर 60,261 के स्तर पर बंद हुआ

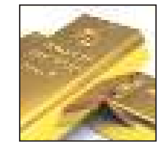

सोना

365 रुपए महंगा होकर 56 हजार 462 रुपए पर पहुंच गया

दो हफ्तों में क्रिप्टोकरेंसी ने किया मालामाल जनवरी में बिटकॉइन 27 फीसदी उछला

बिटकॉइन के दाम में 11 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। जनवरी के महीने में क्रिप्टो करेंसी और निवेशकों के लिए काफी अच्छा देखने को मिल रहा है. लांग टर्म निवेशकों के नुकसान की भरपाई देखने को मिल रही है। खास बात तो ये है कि जनवरी में करीब दो हफ्तों के कारोबार में बिटकॉइन की कीमत में करीब 27 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है।

खास बात तो ये है कि नवंबर के बाद पहली बार क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर हो चुका है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर दुनिया की बड़ी और प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के दाम कितने हो गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के दाम में 24 घंटे के कारोबार में 11 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिल चुका है और दाम 20,968.77 डॉलर हो गए हैं। खास बात तो ये है कि बीते एक हफ्ते में इस करेंसी में करीब 24 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है. जनवरी के महीने की बात करें तो बिटकॉइन के दाम में 27 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है. आपको बता दें कि नवंबर 2021 में बिटकॉइन के दाम 68,990.90 डॉलर पर पहुंच गए थे।

वहीं दूसरी ओर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इथेरियम के दाम में बीते 24 घंटे में 10 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है। आंकड़ों पर बात करें तो इथेरियम के दाम 1,554.84 डॉलर पर आ गए हैं। जबकि बीते 7 दिनों में इथेरियम 23 फीसदी का उछाल ले चुका है। बायनेंस में बीते 7 दिनों में 17 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है और आज करीब 6 फीसादी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है. काडानों में बीते एक हफ्ते में 30 फीसदी का उछाल देखने को मिल चुका है. डॉगेकॉइन के दाम 7 दिनों में 21.50 फीसदी के उछाल के साथ कारोबार कर रहा है। सोलाना में बीते 24 घंटे में 29 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है और 7 दिनों में 65.73 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है। शिबा इनु के दाम में आज करीब 11 फीसदी का उछाल देखने को मिल रहा है। क्रिप्टोकरेंसी में तेजी की वजह से मार्केट कैप में काफी उछाल देखने को मिला है।

आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2022 के बाद क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गई है. वास्तव में महंगाई के आंकड़े कम आने की वजह से क्रिप्टो मार्केट में तेजी देखने को मिल रही है। जानकारों का अनुमान है कि महंगाई के आंकड़ें कम आने की वजह से केंद्रीय बैंक की ओर से ब्याज दरों में तेजी कम देखने को मिलेगी। जिसकी वजह से निवेशक रिस्की असेट्स की ओर रुख किए हुए हैं।

स्टेटिक वित्त वर्ष 2023 में भारत में 20 हजार ईवी चार्जिंग पॉइंट स्थापित करेगा

नई दिल्ली। ईवी चार्जिंग समाधान प्रदाता स्टेटिक ने शनिवार को वित्त वर्ष 2023 में देश भर में 20,000 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना की घोषणा की।कंपनी का दावा है कि देश में उसके पास 7,000 से ज्यादा पब्लिक सेमी-पब्लिक और कैप्टिव चार्जर हैं।

स्टेटिक के अनुसार, 1,000 से अधिक चार्जिंग स्टेशन फास्ट-चार्जिंग तकनीक से लैस हैं और मॉल, राजमार्गों, हवाईअड्डों, आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों, होटलों और कार्यालय परिसरों जैसे रणनीतिक स्थानों पर स्थित हैं। चल रहे ऑटो एक्सपो 2023 के दौरान स्टेटिक के सह-संस्थापक और सीईओ अक्षित बंसल ने कहा, हमने पूरे भारत के 60 शहरों में 7,000 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। हम उपभोक्ताओं को भविष्य में स्थायी गतिशीलता पर विचार करने में मदद करने के लिए एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी के अनुसार, इसकी ईवी चार्जिंग पहल राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (आरईआईएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जीएमआर और अन्य के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग पॉइंट्स तक आसान पहुंच के साथ-साथ लेटेस्ट प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना है। दिल्ली-एनसीआर में एक मजबूत नेटवर्क के अलावा, स्टेटिक ईवी चार्जिंग नेटवर्क मुंबई, चंडीगढ़, अमृतसर, उदयपुर और बेंगलुरु और आगरा सहित अन्य में फैल रहा है।

ऑटो एक्सपो 2023 : टोयोटा पवेलियन में शॉर्ट सर्किट, निकली आग की लपटें

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में चल रहे ऑटो एक्सपो 2023 में एक से एक शानदार और लग्जरी गाड़ियां जनता के सामने प्रदर्शित की जा रही है। इसी बीच एक बड़ा हादसा होने से बच गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के मुताबिक ऑटो एक्सपो के टोयोटा के पवेलियन में सीलिंग के ऊपर शॉर्ट सर्किट हो गया, इसके चलते आग की तेज लपटें दिखाई देने लगी। आनन-फानन आग बुझाई गई। इससे किसी को नुकसान नहीं हुआ।

ऑटो एक्सपो में हॉल नंबर 9 में टोयोटा के पवेलियन में शॉर्ट सर्किट से शुक्रवार दोपहर आग लग गई। वहां मौजूद सुरक्षा व दमकल कर्मियों ने आग पर तुरंत काबू पा लिया। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया आग बुझाने में यदि जरा सी लापरवाही हो जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। हादसे के समय बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। नॉलेज पार्क थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि बिजली के तार में ऊपर की तरफ शॉर्ट सर्किट से मामूली आग लग गई थी जिससे तुरंत काबू पा लिया गया।

आम आदमी को जल्द मिलेगी राहत, मार्च तक घटकर 5% हो जाएगी महंगाई

एसबीआई रिसर्च ने यह बात अपनी लेटेस्ट इकोरैप रिपोर्ट में कही

नई दिल्ली। भारत की रिटेल महंगाई मार्च 2023 तक घटकर 5 फीसदी पर पहुंच सकती है। एसबीआई रिसर्च ने यह बात अपनी लेटेस्ट इकोरैप रिपोर्ट में कही है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंज्यूमर प्राइस इंडैक्स पर आधारित रिटेल महंगाई के आरबीआई के 6 फीसदी के स्तर से कम बने रहने की उम्मीद है. जनवरी-मार्च 2023 के लिए, औसत रिटेल महंगाई 4.7 फीसदी पर रही है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी लेटेस्ट डेटा के मुताबिक, दिसंबर के महीने के दौरान रिटेल महंगाई 5.72 फीसदी पर रही थी। गुरुवार को जारी लेटेस्ट आंकड़ों में थोड़ी गिरावट दिखाई दी है। पिछले महीने से तुलना करें, तो रिटेल महंगाई में आगे गिरावट जारी रहेगी। रिटेल महंगाई अक्टूबर में 6.77 फीसदी से घटकर नवंबर में 5.88 फीसदी पर पहुंच गई है। भारत में रिटेल महंगाई तीन से ज्यादा तिमाहियों से अक्टूबर तक 6 फीसदी से ज्यादा बनी रही है। यह आरबीआई द्वारा निर्धारित स्तर से ज्यादा है।

क्या होगी महंगाई घटने की वजह?

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवायजर सौम्या कांति घोष ने कहा है कि सीपीआई महंगाई दिसंबर 2022 में 12 महीने के निचले स्तर 5.72 फीसदी पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा है कि ऐसा मुख्य तौर पर सब्जियों की कीमतों में बड़ी गिरावट की वजह से हुआ है. क्योंकि किसानों की बुआई के काम में बड़ा बदलाव आया है, जिसमें बेहतर मौसम और तकनीक के अनुमान के मुताबिक किसानों ने कोशिशें की हैं। आपको बता दें कि दिसंबर के महीने में खुदरा महंगाई दर 6 फीसदी से नीचे देखने को मिली है। यह लगातार दूसरा महीना है जब महंगाई 6 फीसदी नीचे रही है और नवंबर के मुकाबले में मामूली गिरावट देखने को मिली है. आंकड़ों के अनुसार देश की खुदरा महंगाई दर 5.72 फीसदी देखने को मिली है, जबकि नवंबर के महीने में यह आंकड़ा 5.88 फीसदी था। अब देश में रिटेल महंगाई एक साल के निचले स्तर पर आ गई है।

गोयल ने भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का कायापलट फास्ट ट्रैक मोड पर किया जाना चाहिए ताकि संगठन देश के लोगों, गरीबों और किसानों की मदद करना जारी रख सके। मंत्री ने शनिवार को एफसीआई के 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर उद्घाटन भाषण देते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने भाषण में खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव को हर सप्ताह एफसीआई और केंद्रीय भंडारण निगम के परिवर्तन की निगरानी करने और उन्हें पाक्षिक आधार पर स्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परिवर्तन प्रक्रिया में सहयोग नहीं करने वाले या देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। एफसीआई में भ्रष्टाचार के कथित मामलों के खिलाफ चल रही जांच के बारे में गोयल ने कहा कि यह संगठन के लिए एक वेक-अप कॉल है।

एचडीएफसी बैंक का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 12,259 करोड़ रुपये

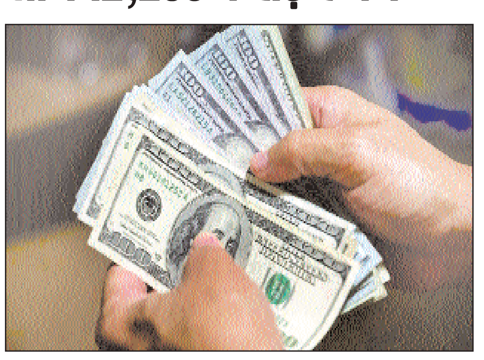

मुंबई,। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही को लगभग 12,259 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के साथ बंद किया। बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी है। एचडीएफसी बैंक के अनुसार, इसने 31.12.2022 को समाप्त तिमाही के लिए लगभग 12,259 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ पोस्ट किया है, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 10,342 करोड़ रुपये से अधिक था।

वित्त वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही के दौरान अर्जित लगभग 40,651 करोड़ रुपये से समीक्षाधीन अवधि के लिए बैंक ने लगभग 51,207 करोड़ रुपये की कुल आय अर्जित की थी।

31.12.2022 को बैंक की शुद्ध नोन-परफोर्मिग एसेट्स (एनपीए) पिछले वर्ष की इसी अवधि के 4,676 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,024 करोड़ रुपये हो गई।

31.12.2022 को समाप्त तिमाही के लिए प्रावधान लगभग 2,806 करोड़ रुपये था, जो 31.12.2021 को समाप्त तिमाही के लिए लगभग 2,993 करोड़ रुपये था।

रूरल कॉमर्स टेक प्लेटफॉर्म विलकार्ट ने विंटर फंडिंग में 18 मिलियन डॉलर जुटाए

बेंगलुरु। रूरल कॉमर्स टेक प्लेटफॉर्म विलकार्ट ने शनिवार को कहा कि उसने एशिया इम्पैक्ट एसए के नेतृत्व में सीरीज ए फंडिंग राउंड में 18 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।नए निवेश के साथ विलकार्ट का लक्ष्य 2024 तक पूरे दक्षिण भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना है। नेबवेंचर्स फंड और टेक्सटेरिटी प्राइवेट लिमिटेड ने भी इस दौर में भाग लिया। विलकार्ट के फाउंडर, प्रसन्न कुमार ने कहा, विलकार्ट का लक्ष्य एक मजबूत नेटवर्क बनाकर ग्रामीण उपभोक्ताओं और निमार्ताओं/प्राथमिक बाजार के बीच की खाई को पाटना है। नए निवेश के साथ हमारा लक्ष्य पूरे दक्षिण भारत में अपने परिचालन को बढ़ाना है। विलकार्ट की स्थापना 2018 में कुमार और अमित एस माली ने की थी। स्टार्टअप एक कर्नाटक जिले के साथ शुरू हुआ और तब से तेजी से बढ़ा है। वर्तमान में, विलकार्ट 30,000 गांवों में 85,000 किराना स्टोर तक पहुंच गया है, जिसमें क्रमशः कर्नाटक में 29 जिले और आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में एक जिला शामिल है।

थर्ड-पार्टी ऐप्स का इस्तेमाल करने के लिए मस्क जल्द ही ट्विटर कोड करेंगे प्रकाशित

नई दिल्ली। एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि ट्विटर का ओपन सोर्स एल्गोरिद्म अगले महीने सामने आएगा, क्योंकि कई लोग थर्ड-पार्टी ट्विटर ऐप का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे है। उन्हें लॉगिंग और एक्सेस करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मस्क ने कहा कि ट्विटर ट्वीट रिकमेंडेशन कोड प्रकाशित करेगा। जिसके चलते अकाउंट/ट्वीट की स्थिति को अगले महीने से पहले देखा जा सकता है। ट्विटर के सीईओ ने पोस्ट किया, ट्रांसपेरेंसी विश्वास को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले सप्ताह इमेज लेंथ क्रॉप और अन्य माइनर बग को ठीक कर देगी।

मस्क ने कहा, बुकमार्क भी सर्च किए जा सकेंगे, इस बीच, ट्वीटबॉट जैसे थर्ड-पार्टी ट्विटर टूल का इस्तेमाल करने वाले लोगों को लॉगिंग करने में परेशानी हो रही है।

टैपबॉट्स द्वारा ट्वीटबॉट ने पोस्ट किया, ट्वीटबॉट और अन्य ग्राहकों को ट्विटर पर लॉग इन करने में समस्या आ रही है। हमने अधिक जानकारी के लिए ट्विटर पर संपर्क किया है, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। ट्विटर यूजर ने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह सिर्फ एक अस्थायी गड़बड़ है और जैसे ही हम और अधिक जानेंगे, आपको अधिक जानकारी देते रहेंगे। एक अन्य थर्ड-पार्टी ट्विटर ऐप ट्विटररिफिक ने पोस्ट किया कि वे ट्विटर के साथ जुड़ने में आने वाली समस्याओं के बारे में जानते हैं। एक ट्वीट में कहा, हम अभी तक नहीं जानते कि इसका मूल कारण क्या है, लेकिन हम इसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया बने रहें।

आखिर कितना जीएसटी देना होगा एसयूवी खरीदने पर ? सरकार ने किया साफ

नई दिल्ली। इन दिनों इंडिया में एसयूवी व्हीकल लोगों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। इन गाड़ियों की खरीद पर भारी जीएसटी भी लगता है, साथ ही सेस यानी उपकर भी देना होता है। दिसंबर में जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद एसयूवी पर इसकी दर को लेकर थोड़ा संशय पैदा हुआ है, जिसके बारे में अब केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड ने स्पष्ट जानकारी दे दी है।

सीबीआईसी ने अपने सीनियर फील्ड ऑफिसर्स के लिए एसयूवी पर लगने वाले जीएसटी और सेस की दर को लेकर स्पष्टीकरण भेजा है। इसके माध्यम से उन्हें दिसंबर में तय की गई जीएसटी दरों की जानकारी से अवगत कराया गया है।

अधिकारियों ने सीबीआईसी से उन विशेष तरह के वाहनों पर कर की दर को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था, जिन पर 22 प्रतिशत की दर जीएसटी सेस लगता है। इस पर सीबीआईसी ने साफ किया है कि 22 प्रतिशत की दर से जीएसटी सेस उन्हीं मोटर वाहनों पर लगेगा जो 4 विशेष शर्तों को पूरा करेंगे।

सीबीआईसी के मुताबिक ये वाहन आम तौर पर एसयूवी के रूप में जाने जाते हैं। इनका इंजन 1500सीसी या उससे अधिक होता है। इनकी लंबाई 4000 से अधिक होती है। वहीं इनका ग्राउंड क्लीयरेंस 170सीसी या उससे अधिक होता है।

फ्रूट ड्रिंक या फ्रूट जूस पर जीएसटी

इसी के साथ सीबीआईसी ने फ्रूट ड्रिंक वाले कार्बोनेटेड बेवरेजेस या फ्रूट जूस वाले कार्बोनेटेड बेवरेजेस पर लगने वाले जीएसटी को लेकर भी कन्फ्यूजन दूर कर दिया है. सीबीआईसी का कहना है कि इन दोनों तरह के ड्रिंक्स पर 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी और 12 प्रतिशत की दर से सेस लगेगा. जबकि फ्रायम्स जैसे स्नैक के पैकेट पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत होगी। ***एजेंसी***

नितिन गडकरी की फेवरेट कार टोयोटा मिराई ऑटो एक्सपो में, फुल टैंक में 640किमी. चलती है यह हाइड्रोजन कार

नोएडा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की फेवरेट कार मानी जाने वाली टोयोटा मिराई इस साल ऑटो एक्सपो में दिख रही है और इसने लोगों का दिल चुरा लिया है। टोयोटा मिराई कई मायनों में खास है और इसका सबसे बड़ा कारण है कि यह हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वीइकल है, यानी इसके टैंक में हाइड्रोजन भरवा दीजिए और फिर यह आपको फुल टैंक में 640 किलोमीटर तक की रेंज दे देगी। लंबे समय से केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी हाइड्रोजन पावर्ड कार मिराई की चर्चा करते रहे हैं और कई मौकों पर देखे भी गए हैं।

टोयोटा और इंटरनैशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नॉलजी ने पिछले साल एक पायलट स्टडी शुरू की थी और मिराई को भारतीय सड़क और मौसम के अनुसार तैयार करने की बात हुई थी। नितिन गडकरी ने इस पायलट प्रोजेक्ट को लॉन्च किया था और इसके पीछे मकसद था कि देश में हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वीइकल्स के लिए ईकोसिस्टम तैयार हो। अब सेकेंड जेनरेशन मिराई एफसीईवी दिख रही है, जिसे पायलट स्टडी में इस्तेमाल किया जा रहा है। फिलहाल आपको टोयोटा मिराई हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वीइकल के बारे में बताएं तो इस सेडान में हाइड्रोजन फ्यूल सेल बैटरी पैक दिया गया है, जिसकी कंपनी के दावों के अनुसार रेंज 650 किलोमीटर तक की है। सबसे खास बात यह है कि इसे रीफ्यूलिंग में महज 5 मिनट लगते हैं। इस कार में 174 बीएचपी का पावर आउटपुट मिलता है। मिराई को टोयोटा न्यू ग्लोबल आर्किटेक्चर प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया गया है और कूपे स्टाइल की यह सेडान देखने में काफी जबरदस्त है। 4.9 मीटर लंबी टोयोटा मिराई में 20 इंच की व्हील और 12.3 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम समेत स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स की भरमार है। ***एजेंसी***

संक्षेप

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ऑटो एक्सपो 2023 के 'इथेनॉल पवेलियन' में हरित और स्वच्छ वाहन गतिशीलता के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ऑटो एक्सपो' 23 के 'इथेनॉल पवेलियन' में भाग ले रही है। इसके जरिये कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के लिए कई ऊर्जा मार्ग दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया गया है। द सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा आयोजित मंडप का उद्देश्य जागरूकता को बढ़ावा देना और वैकल्पिक ईंधन के रूप में इथेनॉल को अपनाने में तेजी लाना है ताकि इस क्षेत्र को जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिले। इस पवेलियन का उद्घाटन माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा आवास और शहरी मामलों के मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और श्री कृष्ण पाल गुर्जर, माननीय बिजली और भारी उद्योग राज्य मंत्री - भारत सरकार ने किया। वैश्विक स्तर पर निरंतरता के चैंपियन के रूप में टोयोटा 2050 तक कार्बन तटस्थता के लिए प्रतिबद्ध है और 2035 तक विनिर्माण कार्यों में नेट जीरो कार्बन हासिल करने का लक्ष्य है। टोयोटा भारत के हरित गतिशीलता समाधानों को आगे बढ़ा रही है और इसमें पूरी चुस्ती रख रही है। इसके लिए यह कई स्वच्छ टेक्नालॉजी पेश और उनका समर्थन कर रही है। इसमें भिन्न घटकों का ख्याल रखा जाता है जैसे भारत का ऊर्जा मिश्रण, इसकी अनूठी उपभोक्ता प्रोफाइल और जरूरतें, बुनियादी संरचना की तैयारी और ऊर्जा के मामले में 2047 तक 'आत्मनिर्भर' बनने की दिशा में सरकार के विविध प्रयास। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री विक्रम गुलाटी ने अपने विशेषज्ञ विचार साझा करते हुए कहा, टोयोटा अपने अथक प्रयासों को जारी रखेगी और ग्रीन मोबिलिटी स्पेस में स्थायी तकनीकी प्रगति को साझा करके भविष्य के नवाचारों में योगदान देगी। टोयोटा का मानना है कि कार्बन दुश्मन है और इसलिए विभिन्न वाहन पावरट्रेन प्रौद्योगिकियों के साथ ग्राहकों को व्यापक विकल्प प्रदानकरना जारी रखता है। इनमें स्ट्रांग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (एसएचईवी), प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी), बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) शामिल हैं। फ्यूल-सेल इलेक्ट्रिक वाहन (एफसीईवी), फ्लेक्स-फ्यूल के साथ-साथ फ्लेक्स फ्यूल स्ट्रांग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (एफएफवी-एसएचईवी), और अन्य जैव-ईंधन वाहन।

स्टेट बैंक ने ई-बैंक गारंटी (ई-बीजी) सुविधा शुरू की

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) के साथ मिलकर ई-बैंक गारंटी (ई-बीजी) सुविधा शुरू की है। यह सुविधा बैंकिंग सिस्टम में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगी, जहां बैंक गारंटी का अक्सर बड़ी मात्रा में उपयोग किया जाता है। वर्तमान में, बैंक इन गारंटियों को भौतिक मुद्रांकन और हस्ताक्षरों के साथ जारी करता है। ई-बीजी की शुरूआत इस कार्य को ई-स्टांपिंग और ई-हस्ताक्षर से बदल देगी। बैंक गारंटी संबंधी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने और इसमें लगने वाले समय को दिनों से घटाकर मिनटों में करने के लिए बैंक ने यह पहल की है। नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड का डिजिटल डॉक्यूमेंट एक्जीक्यूशन (डीडीई) प्लेटफॉर्म, जो ई-स्टाम्प और ई-साइन फंक्शन प्रदान करता है, ई-बैंक गारंटी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाएगा। लाभार्थियों को आगे सत्यापन के बिना एनईएसएल के प्लेटफॉर्म पर तुरंत ई-बैंक गारंटी प्राप्त होगी। इस अवसर पर एसबीआई के अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार खारा ने कहा, ई-बैंक गारंटी सेवा की सुविधा के लिए एनईएसएल के साथ हाथ मिलाकर हमें बहुत खुशी हो रही है। बैंकिंग सेवाओं को आसान बनाने के लिए एसबीआई हमेशा अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक डिजिटल पेशकश प्रदान करने में अग्रणी रहा है। इस यात्रा में इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी (ई-बीजी) एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बैंक गारंटी की प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करेगा। सस्टेनेबल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता के अनुरूप यह कदम उठाया गया है।

आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही मे शुद्ध लाभ दर्ज किया

नई दिल्ली। आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड ने अक्टूबर-दिसंबर 2022 (वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही) के लिए 43 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, अक्टूबर-दिसंबर 2021 (वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही) की तुलना में यह 35 प्रतिशत की वृद्धि और कुल राजस्व में 140 करोड़ रुपए की 29 प्रतिशत वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है।कंपनी ने अप्रैल-दिसंबर 2022 (वित्त वर्ष 2023 की तीन तिमाहियों) के लिए 126 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, अप्रैल-दिसंबर 2021 (वित्त वर्ष 2022 की तीन तिमाहियों) की तुलना में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इसी अवधि के दौरान कुल राजस्व 32ः बढ़कर 412 करोड़ रुपए हो गया। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए श्री राकेश रावल, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने कहा, हमारा जोर अपने ग्राहकों को सरल, समग्र और मानकीकृत समाधान प्रदान करने पर है, जिसने हमें आनंद राठी वेल्थ में लगातार मजबूत प्रदर्शन करने में मदद की है। वित्तीय वर्ष 2023 की तीन तिमाहियों में राजस्व में कुल 32ः और पैट में 37ः की वृद्धि हुई। इसने हमें वर्ष -दर -वर्षा 20 प्रतिशत यानी 38,517 करोड़ रुपए की मजबूत एयूएम वृद्धि हासिल करने में सहायता की है। भारतीय एचएनआई ने धन सृजन के साधन के रूप में फिजिकल एसेट्स से फाइनेंशियल एसेट्स में स्थानांतरित होना शुरू कर दिया है। इस बदलाव के कारण ग्राहक परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष में, हमने 1,292 ग्राहक परिवारों को जोड़ा है। 31 दिसंबर 2022 तक हमारा कुल ग्राहक परिवार 8,202 का था। अस्थिर दौर के बावजूद ग्राहकों का मजबूत जुड़ाव हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता सेवाओं का प्रमाण है। रिलेशनशिप मैनेजर (आरएम) की बात करें तो हमने नेट बेस पर 24 आरएम जोड़े हैं, जिससे हमारा कुल आरएम काउंट 277 हो गया है।

टेस्टबुक ने टॉप एजुकेटर्स के साथ कोलेब्रेशन कर लॉन्च की सुपरकोचिंग

नयी दिल्ली। सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूश टेस्टबुक ने अपने छात्रों को कॉस्ट इफैक्टीव और पूर्ण ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम प्रदान करने के लिए भारत के टॉप कोचिंग सेंटर के साथ मिलकर सुपरकोचिंग शुरू की है। भारत में 110 से ज्यादा विषयों को कवर करने वाली सरकारी नौकरियों के लिए 80 से अधिक प्रतियोगी परीक्षाएं हैं। प्रत्येक विषय का एक स्थानीय,राष्ट्रीय ट्यूटर होता है जिसकी छात्र बेहद पसंद करते हैं। इन सभी शिक्षकों तक पहुंचने का मतलब है कि अलग-अलग कोचिंग संस्थानों में उनकी व्यक्तिगत फीस का भुगतान करके दाखिला लेना। इसके अलावा, भारत में लगभग 70 प्रतिशत सरकारी नौकरी चाहने वाले टीयर 2, 3 और 4 शहरों से आते हैं, जिनके लिए इसके खर्चे को उठा पाना एक चिंता का विषय है। इस समस्या को हल करने के लिए, टेस्टबुक ने सुपरकोचिंग लॉन्च की है और सरकारी परीक्षाओं के लिए सभी टॉप ट्यूटर्स को एक छत के नीचे लेकर आए है। इसने भारत भर में 100 से अधिक कोचिंग संस्थानों के साथ साझेदारी करके और उनके फैक्लटी को सुपरकोचिंग पर लाकर ऐसा किया है। छात्रों को इन सभी शिक्षकों तक पहुंच लोवर ग्रेड एक्जाम के लिए 600 रुपए से लेकर यूपीएससी एग्जाम के लिए 25 हजार रुपए तक के एक बार के सब्सक्रीप्शन के माध्यम से प्राप्त होगी।

जून तक अमेरिका नहीं कर पाएगा अपने कर्ज का भुगतान

वाशिंगटन। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि देश जून तक अपने कर्ज का भुगतान नहीं कर पाएगा।ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने हाउस स्पीकर केविन मैककार्थी को एक पत्र में लिखा है कि अमेरिका 19 जनवरी को ऋण सीमा तक पहुंच जाएगा और फिर असाधारण उपाय करने की आवश्यकता होगी। सीएनएन ने बताया कि, ट्रेजरी विभाग उन उपायों का पालन करेगा, लेकिन वे सीमित समय तक ही चलेंगे। यह संभावना नहीं है कि जून की शुरूआत से पहले सरकार अपनी नकदी और असाधारण उपायों को समाप्त कर देगी, हालांकि उसने कहा कि उस पूवानुर्मान के आसपास काफी अनिश्चितता है।

गंगा घाट का एएसपी ने किया निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

घाट का निरीक्षण करते अधिकारीगण

भदोही। सेमराधनाथ माघ मेला कल्पवास की सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था का जायजा अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा भ्रमण कर लिया गया। सुरक्षा के दृष्टिगत माघ मेले मे पर्याप्त पुलिस बल, बैरिकेटिंग, जल पुलिस, नाविक, गोताखोर, महिला पुलिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा दिए गए निर्देश।

सेमराधनाथ माघ मेला व कल्पवास की तैयारियों एवं शान्ति व्यवस्था हेतु डॉ. अनिल कुमार पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में राजेश भारती अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा सेमराधनाथ माघ मेला का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सुरक्षा.व्यवस्था का मुआयना किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा सुरक्षा के दृष्टिगत मेले में पर्याप्त पुलिस बल, बैरिकेटिंग, जल पुलिस, नाविक, गोताखोर, महिला पुलिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए।

शनिवार को मकरसंक्रान्ति में सम्भावित भीड़ की दृष्टिगत उनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु मेला अधिकारी उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर व पुलिस क्षेत्राधिकारी को मेला को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को कुशलता के साथ पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जनपद में सेमराधनाथ धाम माघ मेला अन्तर्गत मकर संक्रान्ति पर रामपुर घाट एवं सीतामढ़ी घाट पर भी उपर्युक्त आवश्यक व्यवस्थाएं किया गया है।

दलित बस्ती में भाजपा नेता ने बांटा कम्बल

गोपीगंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता गगन गुप्ता अपनी पत्नी सरिता गुप्ता के साथ गोपीगंज नगर के दलित बस्ती में कंबल का वितरण किया। इस दौरान सरिता गुप्ता ने कहा कि दान का कोई स्वरूप नही होता। दलितों, गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। कंबल पाने वालो ने कहा कि इनका काम सराहनीय कदम है। कहा जाता है कि जिसका कोई सहारा नहीं होता उसका भगवान ही सहारा होता है।एक ओर जहा ठिठुरती ठंढ मे रजाई एवं कम्बल के सहारे घरों में लोग सो जाते है, लेकिन उसकी जिंदगी कैसे गुजरती होगी जो एक साधारण चादर के सहारे ठंढी रात गुजारते है। असहायो पर सबकी दया नही होती बल्कि भगवान की जिसपर कृपा होती है वही इस तरह के पुन्य कार्य करते हैं। सरिता गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। नगर में प्रशासन द्वारा अभी तक कंबल वितरण नहीं करने से इस तरह आयोजन शुरू करना पड़ा। जो लोगों द्वारा सराहनीय कदम बताया जा रहा है।

जेलर ने जिला कारागार में महिला बंदियों में बांटा शॉल

जनसंदेश न्यूज

नेक कार्य

सभी बंदियों को मकर संक्रांति पर खिलाई गयी खिचड़ी

जिला कारागार में महिला बंदियों को शॉल वितरित करते जेलर राजेश वर्मा

ज्ञानपुर। जिला कारागार ज्ञानपुर में कैदियों को ठण्ड से बचाव के लिए जेल में निरूद्ध बन्दियों को मकर संक्रान्ति के अवसर पर शनिवार को महिला बन्दियों को कारागार प्रशासन की तरफ से जेलर राजेश वर्मा ने महिला बन्दियों को गर्म शाल वितरित किया। महिला बन्दी के साथ रह रहे एक बच्चे को ऊनी वस्त्र व जूता-मोजा प्रदान किया गया।

शाल वितरित करते हुए जेलर राजेश वर्मा ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना पुनीत कार्य है। जेल में निरुद्ध बंदियों को ठंड से बचाव हेतु पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। शाल वितरण के दौरान सभी बंदियों को संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए खिचड़ी खिलाई गयी। बताया कि इस ठंड के मौसम में महिला बंदियों के पास बचाव के अलावा कोई और व्यवस्था न होने से ये इंतेजाम उनके लिए बड़ा सहारा बनेगा। बताया कि महिला बन्दियों के बच्चों के साथ खुशी बांटने का एक अलग ही अनुभव रहा है। इस अवसर पर शिक्षा अध्यापक संजय राय, अनिल श्रीवास्तव, शालू सिंह, शिखा पटेल, आकांक्षी वर्मा एवं राजेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

केंद्रों पर सात दिनों तक होने वाला नियमित टीकाकरण आज से शुरू

जनसंदेश न्यूज

भदोही। विभाग ने अर्बन के चार केन्द्रों पर सात दिनों तक नियमित टीकाकरण करने की व्यवस्था शुरू की है। इस आशय की जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर सन्तोष कुमार चक ने दी।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों को प्रतिरक्षित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नई पहल की है, जिसके तहत 15 जनवरी से महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर, महाराजा बलवंत सिंह चिकित्सालय, राजकीय चिकित्सालय भदोही व 100 शैया संयुक्त चिकित्सालय सरपतहां ज्ञानपुर में सातो दिन सुविधा उपलब्ध होगी। टीकाकरण की सुविधा होने से बच्चो को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकेगा और शत प्रतिशत टीकाकरण हो कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे।

तैयारी

केन्द्रों पर पर्याप्त मात्र में वैक्सीन रहेगी उपलब्ध

टीकाकरण बच्चो को हानिकारक रोगों से बचाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी उपाय है, इससे पहले की वह रोगों के संपर्क में आएं। टीकाकरण द्वारा पोलियो, डिप्थीरिया, टिटनेस और खसरा जैसी रोगों से बचाया जा सकता है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि बच्चो को जन्म के बाद से दिये जाने वाले नियमित टीकाकरण का होना बहुत ही आवश्यक है।

नियमित टीकाकरण के जरिये बच्चो को 12 बीमारियों से आसानी से बचाया जा सकता है। बचपन में होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए सबसे बेहतर उपाय टीकाकरण है। ये सारे टीके बिल्कुल निःशुल्क लगाया जायेगा।

बरगदा हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड के बाद भंडारे का हुआ आयोजन

गोपीगंज। मकर सक्रांति के दिन शनिवार को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोपीगंज नगर के पड़ाव स्थित बरगदा हनुमान मंदिर पर सुंदर काण्ड का आयोजन किया गया। उसके बाद विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। भंडारे में मुख्य रुप से रामचंद्र उर्फ कानपुरी अपने 15 सहयोगियों के साथ भंडारे का कार्य भार निःस्वार्थ भाव से करते है। मुख्य पुजारी अजय कुमार दुबे उर्फ अज्जू गुरु ने बताया कि हम पैंतीस वर्षो से पुजारी है और पूजा करते कराते चले आए है। यहां का भंडारा ग्रामीणों, भक्तों के सहयोग से किया जाता है। जिसमें हजारों की संख्या में भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसमें प्रमुख रूप से सहयोगियों में पूर्व ब्लाक प्रमुख बबलू उर्फ अखिलेश्वर प्रताप सिंह, पप्पू , मनीष सिंह, पांडेय चायवाले, शिबू सिंह, आस बहादुर सिंह, नवीन सिंह चौरसिया, अरुण मिश्रा सहित काफी संख्या में लोगों का योगदान रहता है।

नए सत्र में प्राथमिक विद्यालय स्मार्ट क्लास से होग युक्तः डीएम गौरांग राठी

आयोजन

पल्हैया गाँव में जन चौपाल आयोजित कर डीएम ने विकास कार्यों का लिया फीडबैक

60 ग्रामीणों को फ्लोराइड वाटर फिल्टर का किया गया वितरण

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों से विकास कार्यों का फीडबैक लेते डीएम गौरांग राठी

भदोही। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में शासन की सर्वोच्च विकास प्राथमिकता कार्यो कार्यक्रमों आपके द्वारा के अंतर्गत, ग्राम पल्हैया वि. ख एवं तहसील भदोही में रजन चौपाल गाँव की समस्या, गाँव में समाधान कार्यक्रम लगाकर समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण व फ्लोराइड वाटर फिल्टर वितरण किया गया।

जिलाधिकारी ने जन चौपाल में सभी को मकर संक्रांति की बधाई व शुभकामना देते हुए बताया कि गांधी जी ने कहा था भारत की आत्मा गांवों में बसती है। पल्हैया गांव के प्रत्येक नागरिक को सड़क, बिजली, पानी उत्तम शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा मुहैया हो, तभी गांव का प्रत्येक नागरिक सुशासन, प्रशासन से जुड़ा महसूस करेगा। नवागत मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार ने जन चौपाल को संबोधित करते हुए छात्र छात्राओं के अभिभावकों से कहा कि शिक्षा ही विकास की मुख्यधारा है, जिससे देश का विकास होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब परिवार मुफ्त खाद्यान्न वितरण योजना से न छूटे तथा अमीरों का नाम सख्ती से कदम उठाते हुए काटे। उन्होंने लेखपाल को अंत्योदय लाभार्थियों की जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया। उन्होंने गोवंश, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, दैवीय आपदा, अन्य योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया। जन चौपाल में उपायुक्त मनरेगा, उप जिलाधिकारी भदोही, क्षेत्र अधिकारी भदोही, बीएसए, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, डीएसओ व जनता जनार्दन उपस्थित रहे।

गाजीपुर को तीन गोल से हरा कर चंदौली बना चैंपियन

खेल कूद

चौधरी चरण सिंह फुटबाल प्रतियोगिता

विजेता टीम को पुरस्कृत करते विधायक तुफानी सरोज

केराकत। नार्मल स्कूल के मैदान में केराकत डेवलपमेंट एकेडमी के तत्वाधान में खेले जा रहे स्व. चौधरी चरण सिंह स्मारक राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच शनिवार को टाउन स्पोर्टिंग क्लब मोहम्मदाबाद गाजीपुर और धानापुर चन्दौली के बीच खेला गया जिसमें चन्दौली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल से मैच जीतकर प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। प्रथम हाफ में दोनों टीमों के खिलाड़ी फुटबाल पर आक्रामक प्रहार करते हुए रोमांचक मैच का प्रदर्शन किया। खेल के 15वें मिनट में पेनाल्टी शूट के माध्यम चन्दौली के खिलाड़ी ने पहला गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इस दौरान मैदान में खचाखच भरे हजारों की भीड़ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करती रही। वहीं दूसरे हाफ के मैच में खिलाड़ियों ने जबर्दस्त मैच का प्रदर्शन किया। चन्दौली के खिलाड़ी ने दूसरे हाफ के 20वें मिनट में दूसरा गोल दागकर अपनी टीम को दो गोल से बढ़त दिला दी। खेल के आखिरी क्षणों में चन्दौली के खिलाड़ियों ने तीसरा गोल दाग दिया। गाजीपुर के खिलाड़ी अंत तक एक भी गोल नहीं कर सके। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक तुफानी सरोज ने कहाकि ग्रामीण अंचलों में जो प्रतिभाएं उनको विकसित करने के इस प्रकार की प्रतियोगिता को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहाकि देश में खुशहाली का रास्ता खेत और खलिहानों से होकर जाता है, यही सोच देश के विकास को तरक्की देगा। मौके पर विशिष्ट अतिथि सुमन,सरिता, माधुरी , चन्द्रसेन,आजाद कुरैशी, रमाशंकर , गुड्डू ,राजू , कृष्णाआदि रहे। निर्णायक राजेश यादव, राहुल सोनकर, स्वतंत्र कुमार यादव, विनीत सोनकर रहे। मैच का संचालन विरेन्द्र कुमार यादव वीरू ने किया।

शरारती तत्वों ने पंपिंग सेट पर रखे बाजरे के बोझ में लगाई आग

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के बंजारी गांव मे पंपिंग सेट पर रखे बाजरे के बोझ मे शरारती तत्वों ने आग लगा दिया। घटना मे डेढ़ सौ बाजरे का बोझ व सिचाई के लिए रखा पाइप जल गया। इस संबंध में पीड़ित संतोष कुमार पांडेय ने गोपीगंज थाने मे तहरीर देकर घटना से अवगत कराया। प्रभारी निरीक्षक को तहरीर देकर अवगत कराया कि बंजारी स्थित आवास के समीप स्थित पंप पर डेढ़ सौ बाजरे का बोझ बांध कर रखा गया था। 13 जनवरी की रात में अज्ञात व्यक्ति द्वारा पशु चारा में आग लगाकर कुएं के अंदर डाल दिया गया, जिसकी वजह से प्लास्टिक पाइप जलकर नष्ट हो गई और साथ में नीम का पेड़ जलकर नष्ट हो गया। कुछ शरारती लोग आये दिन प्राथी का नुकसान कर दे रहे हैं, ऐसे लोगों से सुरक्षा की गुहार लगाते हुए शरारतीतत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जनसंदेश न्यूज

मुफ्तीगंज। जंगी महाविद्यालय असबरनपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव के निधन के उपरांत श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर केराकत विधायक तूफानी सरोज कहाकि शरद यादव आरक्षण के जनक थे। वे हमेशा पिछड़े दलितों की लड़ाई लड़ा करते थे। जब वह सदन में खड़े होकर पिछड़े दलित के हक अधिकार की मांग करते थे तो पूरे देश में उनकी आवाज गूंजती थी। सदन में पूरी तरह से सन्नाटा हो जाता था और लोग बड़ी गंभीरता से उनकी बातों को सुनते थे कि शरद यादव बोल रहे हैं कोई नया पन सदन में आने वाला है। उन्हें देश के सर्वश्रेष्ठ सांसद के रूप में सम्मानित किया गया था। आज भले शरद यादव हमारे बीच में नहीं है लेकिन उनकी कीर्ति हमेशा हमेशा के लिए अमर रहेगी। शरद यादव के राजनीतिक जीवन का चरम बिंदु 1989 में तत्कालीन वीपी सिंह सरकार में मंत्री रहते हुए पिछड़ों को नौकरी व शिक्षा में आरक्षण की सिफारिश करने वाली मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करवाना था और वीपी सिंह सरकार के मंत्रिमंडल में दो युवा सहयोगियों में शरद यादव और रामविलास पासवान ने उन पर दबाव डालकर आरक्षण लागू करवाया था। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से पूर्व सपा जिला अध्यक्ष डॉ. अवधनाथ पाल, पूनम मौर्या, संजय राजभर, जियाउल हक, सुरेश यादव, हरिराम यादव, इश पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर पत्थर शिल्पियों का सम्मान

शाहगंज। मकर संक्रान्ति पर्व पर सामाजिक समरसता को समर्पित पत्थरों को तराश कर मूर्ति का रूप देनें वाले नगर से सटे हुए बिलारमऊ में मूर्ति शिल्पकार परिवार पूजन एवं सम्मान का कार्यक्रम संस्कार भारती द्वारा सम्पन्न किया गया। यह पथरकट्ट परिवार वर्षों से अभावग्रस्त होते हुए भी हिन्दू धर्म से कभी भी विचलित न होकर स्वयं बेडौल पत्थरों को तराश कर मूर्तियां बनातें हैं जो कालान्तर में हमारे लिए ही पूज्य होतें हैं। फिलहाल यह समाज प्रायः सड़कों के किनारे मूर्तियों को बना-सजा एवं बेचकर अपना जीविकोपार्जन करतें हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक हनुमान अग्रहरि, संजय, विशिष्ट अतिथि अरविंद के साथ ही संस्था के विभिन्न पदाधिकारियों की उपस्थिति में परिवार को सम्मानित कर दैनिक उपयोगी वस्तुओं को दिया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अमित जायसवाल, महामंत्री वीरेंद्र यादव, विजय त्यागी, ईशान राम, अजेन्द्र, श्रवण, सिम प्रकाश उर्फ सिम्पू, आनंद, राम अवतार, राजकुमार, सुधांशु आदि मौजूद रहे। संचालन महामंत्री वीरेंद्र यादव ने किया।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

थाना समाधान दिवस का आयोजन

मड़ियाहूँ। स्थानीय कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन उप जिलाधिकारी लाल बहादुर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर 6 शिकायती प्रार्थना पत्र पड़े मौके पर किसी भी प्रार्थना पत्र का निस्तारण नहीं हो सका। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह व कोतवाली के समस्त स्टाफ व राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

ट्रेन के सामने कूदकर महिला ने की आत्महत्या

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मुरादगंज टीचर्स कॉलोनी निवासी एक महिला ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर लिया है। उक्त मोहल्ला निवासी स्व. राम कुमार पाल की पत्नी रामसजी देवी पाल बीती रात अपने घर से निकल कर कुछ ही दूरी पर स्थित वाराणसी लखनऊ रेल मार्ग पर जाकर ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर लिया। जानकारी मिलने पर इन्हें ढूंढते हुए परिजन मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर लाइन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अब रोजी दौड़ेगी तीन पांव पर

जनसंदेश न्यूज

सुइथाकला। रोजी नाम पर आप सभी का चौंकना थोड़ा लाजिमी है, पर यह कुत्तों में जर्मन सेफर्ड प्रजाति की एक मादा है जिसके पैर में सड़न होने की वजह से शनिवार को क्षेत्र के राजकीय पशु चिकित्सालय अढ़नपुर पर तैनात पशु चिकित्साधिकारी डाक्टर आलोक सिंह पालीवाल द्वारा सर्जरी कर उसके एक पैर को निकाला गया।

सर्जरी के बाद होश आने पर वह तीन पाँव पर चलने लगी। डाक्टर पालीवाल ने बताया कि जब वह महज 50 दिन की थी तभी बच्चों के साथ खेलते हुए उसका पैर टूट गया था तब सुइथाकला निवासी उसके मालिक अमित श्रीवास्तव द्वारा उन्हें दिखाया गया था जिसमें बोन पिनिंग कर पैर को सही किया गया था और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गयी थी पर दुर्भाग्यवश ठीक एक वर्ष बाद पुनः वही पैर गाड़ी की चपेट में आने से बुरी तरह से टूट गया। हालांकि उसके मालिक द्वारा ब्लाक मुख्यालय स्थित पशु चिकित्सालय ले जाया गया परन्तु ठीक होने की बजाय पैर में सड़न होने लगी थी जिसे सर्जरी कर निकालना पड़ा। सर्जरी के बाद होश आने पर उसे तीन पाँव पर चलता देख अमित की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

कम्प्यूटर सीखने गई किशोरी लापता

मुंगरबादशाहपुर। स्थानीय क्षेत्र के एक किशोरी शुक्रवार को गायब हो गई। वह एक कंप्यूटर केंद्र पर कंप्यूटर सीखने गई थी जहां से वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला दर्ज कर लिया है।मिली जानकारी के अनुसार कक्षा 11 में शिक्षारत 16 वर्ष की एक किशोरी एक कंप्यूटर सेंटर पर कंप्यूटर सीखने जाती थी। प्रतिदिन की भांति वह कंप्यूटर सीखने सेंटर पर गई थी लेकिन घर वापस नहीं पहुंची तो परिजन उसे तलाश करते हुए कंप्यूटर सेंटर पर पहुंचे। सेंटर के लोगों ने बताया कि वह वापस घर जा चुकी है। परेशान परिजन पुलिस को इसकी जानकारी देते हुए खोजबीन शुरू कर दिए हैं। फिलहाल परिजन अपहरण की आशंका जता रहे हैं और अनहोनी की संभावना से डरे हुए हैं। इस संदर्भ में पूंछे जाने पर थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि अज्ञात के विरुद्ध बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला दर्ज कर शीघ्र ही मामले का पदार्फाश किया जाएगा।

संक्षेप

रात के अंधेरे में नगर अध्यक्ष ने जरूतमंदो में बांटा कम्बल

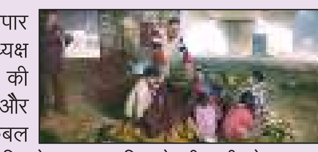

गोपीगंज। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने शुक्रवार की देर रात्रि को सड़को पर निकलें और गरीब बेसहारों मजबूर लोगो को कंबल वितरण किया। ऐसे जरूरतमंद जिनके पास आशियाने भी नही थे।सड़क के किनारे, बस स्टैंड पर, रेलवे स्टेशन पर डिवाइडर पर सो रहे थे। उन्हे पता भी नहीं चला कि कौन लोग आए और सोते समय कंबल डाल कर चले गए। जब सुबह उनसे संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया की हमे पता ही नही चला की कौन ईश्वर का दूत आया और हम मजबूरों असहायों की मदद की। जब इस संबंध में श्रीकांत जायसवाल से संपर्क किया तो उन्होंने बताया की अभी 1250 कंबल का वितरण किया गया था। परंतु आत्मा को शांति नहीं मिली थी। अंतरात्मा की आवाज पर आज गरीबों, असहायों की मदद करने निकला हूं, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जीटी रोड, ज्ञानपुर रोड आदि स्थानों पर दो दर्जन कंबल का वितरण किया है, और हमेशा मदद करने का प्रयास करता रहूंगा।

ग्राम पंचायत सचिवालय सहित 32 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण आज

ज्ञानपुर। सुरियावां ब्लॉक के महजूदा गांव के ग्राम सचिवालय सहित दो इंटरलाकिंग सड़कों, जनपद के पहले पब्लिक एड्रेस सिस्टम व संकुल भवन के सुंदरीकरण के कार्यो का लोकार्पण मुख्य अतिथि जिलाधिकारी गौरांग राठी व विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी के कर कमलो द्वारा रविवार को सम्पन्न होंगा। जानकारी देते हुए ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय ने बताया कि ग्राम सभा द्वारा बनाये गए ग्राम पंचायत सचिवालय सहित लगभग 32 लाख रुपये के विभिन्न कार्यो का लोकार्पण किया जाएगा।

अगलगी से बकरी व बकरे की मौत

ज्ञानपुर। भदोही लोकसभा क्षेत्र के जिला प्रयागराज एवं भदोही सीमा पर स्थित चकमासूम गांव निवासी लालमन बिंद के छप्पर में आग लग जाने के कारण उसमें बांधी गई एक गर्भवती बकरी एक बकरा दो बच्चा झुलस कर मर गए। लालमन दिव्यांग व्यक्ति है। किसी तरह बकरी चरा कर जीवन यापन करता था। दुर्भाग्य से उसका रोजी रोटी भी चली गई। ग्राम प्रधान काली प्रसाद सरोज ने सांसद रमेश चंद बिंद व जिला प्रशासन से प्रदेश शासन से समुचित मुआवजे की मांग की है।

वनवासी बस्ती में खिचड़ी बांटकर मनाया पर्व

सुरियावां। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अवधेश ऊमर वैश्य पूर्व जिला महामंत्री भाजपा ने कार्यकर्ता एवं समर्थको के साथ नगर के वनवासी बस्तियों में खिचड़ी सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि उत्तरायण सूर्य देव सभी नगर एवं क्षेत्र वासियों में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार करें। इस अवसर पर शेषधर गुप्ता,डा. सन्तोष ऊमर, सुरेन्द्र तिवारी, छेदीलाल, दिनेश कौशल, आलोक उपाध्याय, पिण्टू विश्वकर्मा, मन्नू जायसवाल,भृगु नारायण, विकास वर्मा, चन्द्रमा उपाध्याय, जयचंद यादव, मूलचंद गुप्ता, रेशमा बानो, रीना श्रीवास्तव, पहपट, सजन जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

दलित बस्ती में भाजपा नेता ने बांटा कम्बल

गोपीगंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता गगन गुप्ता अपनी पत्नी सरिता गुप्ता के साथ गोपीगंज नगर के दलित बस्ती में कंबल का वितरण किया। इस दौरान सरिता गुप्ता ने कहा कि दान का कोई स्वरूप नही होता। दलितों, गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। कंबल पाने वालो ने कहा कि इनका काम सराहनीय कदम है। कहा जाता है कि जिसका कोई सहारा नहीं होता उसका भगवान ही सहारा होता है।एक ओर जहा ठिठुरती ठंढ मे रजाई एवं कम्बल के सहारे घरों में लोग सो जाते है, लेकिन उसकी जिंदगी कैसे गुजरती होगी जो एक साधारण चादर के सहारे ठंढी रात गुजारते है। असहायो पर सबकी दया नही होती बल्कि भगवान की जिसपर कृपा होती है वही इस तरह के पुन्य कार्य करते हैं। सरिता गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। नगर में प्रशासन द्वारा अभी तक कंबल वितरण नहीं करने से इस तरह आयोजन शुरू करना पड़ा। जो लोगों द्वारा सराहनीय कदम बताया जा रहा है।

क्रिकेट मैच के लिए पत्रकार एकादश टीम घोषित

भदोही। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के समर्थन में रविवार को चिकित्सक और पत्रकार भी क्रिकेट के मैदान में दो-दो हांथ करेंगे। अभयनपुर मैदान में चल रहे क्रिकेट टूनार्मेंट के दर्मियान यह मैत्री मच रविवार को सुबह 10.30 बजे से खेला जाएगा। इस मैच के लिए पत्रकार एकादश के कप्तान साजिद अंसारी ने टीम की घोषणा करते हुए बताया कि टीम में अजय राय, कैसर परवेज, पंकज उपाध्याय, फिरोज खां, शाहनवाज खां, मिसबाह खां, चंद्रबालक राय, आफताब अंसारी, नैरंग आलम खां, संजय केशरी, हैदर संजरी, खुर्शीद खां, सुरेश गुप्ता, मुन्ना खां आदि शामिल हैं। पत्रकार एकादस के कप्तान ने टीम के सभी खिलाड़ियों से रविवार 10 बजे अभयनपुर मैदान पहुचने का आग्रह किया है।

थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

शाहगंज। कोतवाली परिसर में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी अंकित कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें फरियादियों ने कुल 6 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जिसमें पांच राजस्व से सम्बंधित व एक पुलिस से मौके पर एक भी प्रार्थना पत्र का निस्तारण नहीं हो सका। दो मामले में टीम रवाना किया गया है। इस दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय, अपराध इंस्पेक्टर जनार्दन यादव, एसआई विजय सिंह गौड़, एसआई वरूणेन्द्र राय, एसआई प्रभूनाथ यादव, प्रशांत पांडे समेत राजस्वकर्मी मौजूद रहे।

भाजपा शासन के विकास को देख सियासी पार्टियों में घबराहट : लक्ष्मण आचार्य

करंजाकला। विधान परिषद के उपनेता एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आवास योजना प्रदेश की जनता के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। मूलभूत समस्या को यूपी सरकार ने खत्म करने का कार्य किया है। लोग खुशहाल है, योगी और मोदी का डंका बज रहा है। विपक्षी पार्टियों के पास अब कोई मुद्दा नही रह गया है। वह शनिवार को ब्लॉक के भकुरा स्थित एक पब्लिक स्कूल में जनकल्याण कार्यक्रम के तहत कम्बल वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि कही। श्री आचार्य ने कहा कि धर्मवाद, जातिवाद और भाषा के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता ने नकार दिया है। आज सभी स्कूलों में कायाकल्प योजना के तहत विद्यालयों की तस्वीर बदली जा चुकी है। हर गरीब के घरों में शौचालय और खाना बनाने के लिए उज्जवला योजना दी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोरोना की दवा बनाकर पूरे भारत में निःशुल्क दवा देकर लोगों की जिंदगी बख़्शी है। करोड़ो बेसहारा लोगों को मुफ़्त राशन का वितरण हुआ है जितना विकास भाजपा शासन में हुआ है, उसे देखकर सियासी पार्टियों की नींद हराम हो गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबन्धक ओमप्रकाश सिंह ने जबकि संचालन आनन्द सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अशोक सिंह, सुशील मिश्रा, श्याम कनहैया सिंह, रामतेज पांडेय, अश्वनी कुमार सिंह, अनिल पांडेय, शिव बहादुर सिंह समेत अन्य लोग शामिल रहे।

श्रद्धा से मना मां महा मैत्रायणी योगिनी का निर्वाण दिवस

जौनपुर। अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम की जननी मां महा मैत्रायणी योगिनी का निर्वाण दिवस शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर रामरायपट्टी वन विहार रोड स्थित श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा कार्यालय पर गरीब व जरुरतमंद लोगों को 300 कम्बल वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अघोरेश्वर महाप्रभु व गुरुपद बाबा के पूजन व आरती से हुआ। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने मां महा मैत्रायणी योगिनी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा किया। कहा कि मां योगिनी महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने महिलाओं को नई दिशा दी। श्री सर्वेश्वरी समूह के माध्यम से मानव सेवा, दीन दुखियों की मदद से सम्बन्धित 19 सूत्रीय कार्यक्रमों का निर्धारण किया। इस मौके पर शाखा मंत्री ओमप्रकाश सिंह, डॉ. अरविंद सिंह, तेज बहादुर सिंह, भानुप्रताप सिंह, राना प्रताप सिंह, राजेश प्रताप सिंह, विकास सिंह, अजीत रावत, संत कुमार, नवीन सिंह आदि मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा का पर्व है मकर संक्रांति

मछलीशहर। नगर के कायस्थाना मोहल्ले में स्थित एक विद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया। समारोह के प्रारंभ में भारत माता के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर देश के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प दिलाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि और क्षेत्र बौद्धिक शिक्षा प्रमुख मिथिलेश ने समारोह को संबोधित करते हुए कहाकि मकर संक्रांति का पर्व सामाजिक समरसता का भी पर्व है जिस प्रकार लड्डू और खिचड़ी अलग-अलग खाद्य पदार्थों को मिला कर तैयार किए जाते हैं उसी तरह हिंदू धर्म को भी सशक्त बनाने के लिए ऊंच-नीच और जात पात का बंधन तोड़ना पड़ेगा तभी हिंदुत्व मजबूत होगा। समारोह को नगर संघचालक उमेश ने भी संबोधित किया।

जिंदगी में चैलेंज न हो तो जीवन व्यर्थ

चुनौतियों का सामना करते हुए हल करने में जो खुशी वह किसी और में नहीं

उपभोक्ता के चेहरे पर खुशी झलके, इससे बड़ी संस्तुष्टि कुछ नहीं : अनूप वर्मा

सहायक अभियंता से वाराणसी जोन के 57वें मुख्य अभियंता का तय किया सफर

जनसंदेश टाइम्स
अनूप कुमार वर्मा के साथ खास मुलाकात

जितेंद्र श्रीवास्तव

जिंदगी में चैलेंज न हो तो जीवन व्यर्थ है। चैलेंज मिलता है तो काम भी आसान हो जाता है। चैलेंज से कभी भी इंसान को घबराना नहीं चाहिए। मनुष्य के जीवन में कोई ऐसा पल नहीं होता, जब उसे चैलेंज न मिलता हो। कभी-कभी कोई चैलेंज आसानी से हल हो जाता है और कभी-कभी चैलेंज से मन घबराने लगता है। यहीं घबराहट इंसान को मजबूत बनाता है और चैलेंज हल करने के रास्ते भी बन जाते हैं। मैं जब इस जॉब में आया तो तमाम झंझावत झेलने पड़े। झंझावतों के चलते मन भी काफी विचलित हो जाता था, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और मन में दृढ़ संकल्प के चलते तमाम झंझावतों को दरकिनार कर यहां तक पहुंचा। चुनौतियों का सामना करते हुए उसे हल करने में जो खुशी मिलती है, वह किसी और में नहीं मिलती। उपभोक्ता के चेहरे पर खुशी झलके तो इससे बड़ी संस्तुष्टि कुछ और नहीं हो सकती। उस समय जो खुशी मिलती है, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। यह कहना है कि अनूप कुमार वर्मा का। विद्युत विभाग में सहायक अभियंता से नौकरी की शुरूआत करने वाले अनूप कुमार वर्मा वर्तमान में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. वाराणसी जोन के 57वें मुख्य अभियंता का पदभार संभाल रहे हैं। मूलत: देहरादून के रहने वाले अनूप कुमार वर्मा की शिक्षा-दीक्षा वहीं हुई। पंतनगर विश्वविद्यालय से बीटेक करने के बाद उन्होंने विद्युत विभाग में सहायक अभियंता पद पर नौकरी ज्वाइंन की। पहली पोस्टिंग 1987 में देहरादून के डाक पत्थर उपकेंद्र पर हुई। तत्पश्चात मुजफ्फनगर, मुरजीहाबाद (मुरादाबाद), नोएडा व गाजियाबाद में भी बतौर सहायक अभियंता काम किया। अधिशासी अभियंता पद पर प्रोन्नति के बाद मुरादाबाद व हापुड़ में यह जिम्मेदारी संभाली। इटावा और आगरा में बतौर अधीक्षण अभियंता जनता की सेवा की। इस दौरान उनको आपरेशन, हाइड्रो, राजस्व, स्टोर, टेस्ट डिवीजन में काम करने का मौका मिला। मुख्य अभियंता बनने के बाद पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. के आजमगढ़ जोन में तैनाती मिली और वर्तमान में वाराणसी जोन का मुख्य अभियंता पदभार संभाल रहे हैं। उनका कहना है कि वितरण इकाई में काम करने का अपना अलग ही मजा है। यहां आप सीधे जनता से जुड़ते हैं और उनकी सेवा करते हैं। सिर्फ विद्युत विभाग में ही नहीं, किसी भी विभाग में काम करते हुए यदि आप जनता से सीधे जुड़ते हैं और उनकी सेवा करते हैं तो उससे बड़ी आत्मसंतुष्टि कुछ और नहीं होती। एक सवाल के जवाब में उनका कहना रहा कि जनता के कष्ट को दूर करना ही एक सफल अधिकारी के रूप में पहचान दिलाता है। काम के प्रति उदासीनता बरतने वाला जीवन के किसी भी मोड़ पर सफल नहीं होता। यह मेरा कटु अनुभव रहा है। यहीं वजह है कि शिकायत कैसी भी हो, किसी के माध्यम से मिले, उसे तत्काल दूर करना मेरी हॉवी रही है।

घर-घर 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी

एक सवाल के जवाब में मुख्य अभियंता अनूप कुमार वर्मा ने बताया कि घर-घर 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी चल रही है। इस मीटर की खासियत यह है कि यदि कोई उपभोक्ता इसके साथ छेड़छाड़ करेगा तो अलार्म बज उठेगा और उपभोक्ता के घर की बत्ती गुल हो जाएगी। 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर पूरी तरह नयी तकनीकी फीचर से लैस हैं। इसमें बिजली चोरी से लेकर अन्य टेम्परिंग रोकने के लिए सभी फीचर्स लगाये गये हैं। इसके चलते इस मीटर में बिजली चोरी की गुंजाइश रत्ती भर भी नहीं है। उनका कहना है कि शहरी क्षेत्र में 4जी प्रीपेड स्मार्ट मीटर तीन चरणों में लगाया जायेगा। इसमें पहले चरण के तहत एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं के परिसर में यह मीटर लगाया जाएगा। विभाग की ओर से निर्धारित कंपनी के कर्मचारी ही उपभोक्ता के यहां मीटर लगायेंगे। दूसरे चरण में एक लाख से अधिक और तीसरे चरण में 80 हजार से अधिक उपभोक्ताओं के यहां यह मीटर लगाया जाएगा। उपभोक्ताओं के यहां लगने वाले 4जी स्मार्ट मीटर पूरी तरह प्रीपेड बेस्ड होंगे। इसके तहत विद्युत के उपभोगकर्ता को पहले यूपीपीसीएल की बेवसाइट से आनलाईन रिचार्ज करवाना होगा। वे जितनी यूनिट बिजली के लिए रिचार्ज कराएंगे, उतनी ही मात्रा में बिजली का उपभोग कर पाएंगे। इसके बाद मीटर स्वत: उनकी आपूर्ति रोक देगा।

जिलेवार एरियर बंच कंडक्टर लगाने का प्लान

जिला	एबीसी
वाराणसी	833 किमी
चंदौली	528 किमी
गाजीपुर	843 किमी
जौनपुर	555 किमी
योग	2759 कमी

जिलेवार लगे हैं इतने वितरण ट्रांसफॉर्मर

जिला	ट्रांसफॉर्मर
वाराणसी	26249
चंदौली	18194
गाजीपुर	31469
जौनपुर	62050
योग	137962

घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं की संख्या

जिला	उपभोक्ता
वाराणसी	762869
चंदौली	275212
गाजीपुर	479615
जौनपुर	652377
योग	2170073

'सोलर एनर्जी' पर भी फोकस

एक सवाल के जवाब में मुख्य अभियंता ने बताया कि सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना को मूर्तरूप देने के लिए यूपी नेडा, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. (पूर्वांचल-डिस्कॉम) ने कमर कस ली है। पूर्वांचल-डिस्कॉम के अधीन प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में प्रथम चरण में करीब 25 हजार उपभोक्ताओं को कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सोलर कनेक्शन लगवाने वाले उपभोक्ताओं को 14588 रुपये से लेकर 94822 रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी।

रिवैंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम से होगी विद्युत आपूर्ति व्यवस्था मजबूत

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. (पूर्वांचल-डिस्कॉम) के अधीन जिलों में अंतिम उपभोक्ता तक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने की पहल शुरू कर दी गयी है। इसके लिए रिवैंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम लागू हुई है। इसके तहत जहां लाइनलॉस 12 से 15 प्रतिशत तक लाने का संकल्प है, तो वहीं वितरण क्षेत्र के नेटवर्क को मजबूत बनाया जाएगा। मुख्य अभियंता अनूप कुमार वर्मा बताते हैं कि वाराणसी जोन के वाराणसी, चंदौली, जौनपुर व गाजीपुर में इस स्कीम के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत उपभोक्ताओं के यहां मीटर लगाने, एलटी लाइनों की जगह एरियर बंच कंडक्टर लगाने, जर्जर एचटी तारों को बदलने, कैपिसीटर बैंक लगाने, वितरण ट्रांसफॉर्मरों की क्षमतावृद्धि, सभी वितरण ट्रांसफॉर्मरों पर भी एनर्जी ऑडिट मीटर लगाने एवं वितरण क्षेत्र के अंतिम छोर तक विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने का काम होना है। इन सभी कामों के लिए कार्यदायी एजेंसी की तैनाती कर दी गयी है।

संकरी गलियों व घनी आबादी में सर्वाधिक बिजली चोरी

एक सवाल के जवाब में मुख्य अभियंता अनूप कुमार वर्मा ने स्वीकार किया कि सकरी गलियों और घनी आबादी वाले इलाकों में बिजली चोरी सबसे अधिक होती है। नवविकसित कॉलोनियों में बिजली चोरी का दायरा बढ़ा है। बिजली चोरी पकड़ने के लिए मार्निंग रेड की जाती है। इसके अलावा सघन चेकिंग अभियान भी चलाया जाता है। विजिलेंस की टीम भी समय-समय पर रेड करती रहती है। उन्होंने बड़ी बेवाकी से कहा कि यदि निचले स्तर के कर्मचारी ईमानदारी से अपना काम करें तो निश्चित रूप से बिजली चोरी पर अंकुश लग सकता है। फिर भी बिजली चोरी पर काफी हद तक अंकुश लगा है। रिवैंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के मूर्तरूप लेने के बाद निश्चित रूप से इस पर विराम लगेगा और लाइनलॉस भी कम होगा।

बिजली चोरी रोकेगा एबीसी

मुख्य अभियंता अनूप कुमार वर्मा ने बताया कि रिवैंपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत नंगे एलटी तारों की जगह एरियर बंच कंडक्टर (एबीसी) लगाये जाने से जहां बिजली चोरी पर अंकुश लगेगा, वहीं लाइनलॉस भी कम होगा। वाराणसी जोन में 11 केवी के 563 फीडर है। इन फीडरों से जुड़े 2759 किलोमीटर (किमी) एलटी लाइनों को एबीसी में तब्दील किया जाएगा। एलटी लाइनें खुली होती है और इसमें कटियामारी कर लोग बिजली चोरी करते हैं। लेकिन एबीसी लग जाने पर बिजली चोरी की संभावना पर अंकुश लग जाएगा। उन्होंने बताया कि रिवैंपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत 33 केवी की पुरानी लाइनों को भी बदला जाएगा। इसके तहत वाराणसी जिले में 204 किलोमीटर, चंदौली में 129 किलोमीटर, गाजीपुर में 206 किलोमीटर और जौनपुर में 135 किलोमीटर की लाइनें बदली जानी है। उन्होंने बताया कि रिवैंपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत सिस्टम को मजबूत बनाने में करीब 338.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके तहत वाराणसी जिले में 120 करोड़ रुपये खर्च कर सिस्टम को मजबूत बनाया जाएगा। वहीं, चंदौली में 37.67 करोड़, गाजीपुर में 83.44 करोड़ और जौनपुर में 96.99 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

जी20 सम्मेलन : सड़क किनारे शिफ्ट होंगे पोल

एक सवाल के जवाब में मुख्य अभिंयता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में जी-20 सम्मेलन के कुछ कार्यक्रम होने हैं। इसको लेकर तैयारियां भी शुरू हो गयी है। विद्युत विभाग भी अपने हिस्से के काम को पूर्ण करने के लिए पूरी जिम्मेदारी से जुट गया है। जी-20 सम्मेलन में भाग लेने आने वाले देशों के राष्ट्राध्यक्षों के आगमन को देखते हुए सुगम यातायात की कवायद के बीच के ऐसे विद्युत पोलों को सड़क किनारे शिफ्ट करने की तीन चरण की कार्ययोजना बनायी गयी है, जो सुगम यातायात में बाधक बने हुए हैं। ऐसे करीब 1300 विद्युत पोल है, जिनको शिफ्ट किया जाना है। पहले चरण में सड़कों के चौड़ीकरण की जद में आए पोल, चौराहों-तिराहों व सम्पर्क मार्गों के बेतरतीब पोलों को चिह्नित किया गया है, जिनकी संख्या करीब एक हजार है, इनको शिफ्ट किया जाएगा। पोल शिफ्ट करने के दौरान इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा कि इससे यातायात में व्यवधान उत्पन्न न हो। खंडवार अवर अभियंताओं की मदद से यह कार्ययोजना बनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी जिन सड़कों का चौड़ीकरण करेगा, उन सड़कों के करीब तीन सौ पोल चिह्नित किये गये हैं, जिनको शिफ्ट किया जाना है। पोल शिफ्टिंग के काम को मूर्तरूप देने में नगर निगम का भी सहयोग लिया जाएगा।

केवाईसी कराएं, समस्याओं से निजात पाएं

एक सवाल के जवाब में मुख्य अभियंता अनूप कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत विभाग अपने उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए लगातार प्रयासरत रहता है। कभी-कभी समस्याओं के निस्तारण में विलंब हो जाता है। इसके पीछे एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय तक कागजों का दौड़ना माना जाता है। ऐसे में विभाग अपने समस्त उपभोक्ताओं को केवाईसी कराने को कह रहा है। बावजूद इसके अभी भी तमाम उपभोक्ता इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे। जबकि केवाईसी कराने से उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान में सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर ही विभाग में कनेक्शन लेते समय पंजीकृत होता रहा है। समय-समय पर तमाम उपभोक्ता अपने मोबाइल नंबर बदलते रहते हैं, लेकिन उसे विभाग में अपडेट नहीं कराते हैं। लिहाजा, उनको विभाग की तरफ से जारी होने वाले महत्वपूर्ण संदेश तक नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को विभाग के संदेश की जानकारी नहीं हो पाती। इसके अलावा, उपभोक्ता भी अपनी समस्याओं को उपकेंद्र या संबंधित अभियंता को बताते हैं और उसके आधार पर निराकरण कराया जाता रहा है। लेकिन इसमें तमाम तरह की त्रुटियां भी सामने आती है। इसको ध्यान में केवाईसी प्रक्रिया शुरू हुई है। केवाईसी के तहत उपभोक्ताओं का मोबाइल नंबर, व्हाट्सअप नंबर और ई-मेल आईडी को उनके कनेक्शन से जोड़ा जा रहा है। उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे अपना मोबाइल नंबर, व्हाट्सअप नंबर और ई-मेल आईडी अपने संबंधित खंड या उपखंड कार्यालया या फिर उपकेंद्र पर जाकर नोट करा दें ताकि उनके कनेक्शन के साथ अपडेट कराया जा सकें।

आयुष सेवा को और मजबूत बनाने में जुटी सरकार

आयुर्वेद, योग प्राकृतिक, यूनानी सिद्धा, होम्योपैथी व सोवा-रिग्पा चिकित्सा के प्रति रुझान का ले रहे फीडबैक

सुरोजीत चैटर्जी

वाराणसी। मोदी सरकार जहां आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तर पर पहल कर रही है वहीं, इस क्षेत्र को और मजबूत करने की दिशा में व्यापक स्तर पर सर्वे भी करा रही है। ताकि यह पता चल सके कि आयुष के तहत शामिल आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और सोवा रिग्पा पद्धतियों के प्रति आम जनता में किस स्तर तक जागरूकता है। साथ ही यह भी जानकारी भी मिले कि आयुष की किस पद्धति के प्रति लोगों में अधिक रुचि है। यदि रुचि नहीं है तो क्यों और यदि रुचि है तो उस पद्धति को नागरिकों तक बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए क्या-क्या पहल करना संभव होगा। इसके लिए सामाजिक एवं आर्थिक समेत कई बिंदुओं पर सर्वेक्षण करने वाला वाले विभाग नेशनल सैंपल सर्वे ऑफ इंडिया को अबकी आयुष का भी सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।केंद्र सरकार बीते कुछ अरसे से देशभर में आयुष संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर का जाल बिछाने में जुटी है। ताकि इस चिकित्सा से जुड़ी पद्धतियों के जरिये लोगों को सरलतापूर्वक उपचार की सुविधा मिल सके। जानकारी के मुताबिक इसके लिए देशभर में आयुष का विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार हो रहा है। देश में आमतौर पर लोग एलौपैथी चिकित्सा और 'अंग्रेजी' दवा को अधिक महत्व देते हैं। जबकि विशिष्ट देशी उपचार पद्धति को पर्याप्त बढ़ावा नहीं मिला। इसलिए सर्वे के माध्यम से फीडबैक लिया जा रहा है कि आयुष में सम्मिलित चिकित्सा पद्धति के प्रति जनता का रुझान क्या है। जनपद में

सराहनीय पहल

सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण में अब आयुष पद्धति से संबद्ध सर्वे भी हुआ शामिल

आगामी जून माह तक केंद्र को भेजनी है रिपोर्ट, जिले की 36 यूनिट में हो रहा सर्वे

सर्वे के लिए तय हैं सवाल : आरएन यादव

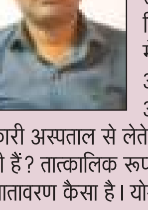

जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रामनारायन यादव ने बताया कि आयुष से संबद्ध यह सर्वे जनपद की 36 यूनिटों यानि इलाकों में करा रहे हैं। सर्वे के दौरान लोगों से पूर्व निर्धारित प्रश्न पूछते हैं। उनमें ऐसे परिवार जो आयुष पद्धति से इलाज कराते हैं और वह जो इसमें रुचि नहीं लेते। इस पद्धति में रुचि लेने वाले के लिए सवाल तय हैं। जिसके के तहत आयुद्ध पद्धति से इलाज पर विश्वास है या नहीं? यदि है तो इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हुए या चिकित्सक की सलाह पर दवा ली? अथवा किसी के कहने पर स्वयं अपना उपचार किया? आयुष की दुकान व अस्पताल घर से कितनी दूर है? दवा सरकारी अस्पताल से लेते हैं या प्राइवेट दुकान से? क्या इस पद्धति की दवाएं महंगी हैं? तात्कालिक रूप से इलाज में आयुष की दवा लेते हैं? घर के आसपास का वातावरण कैसा है। योग-प्राणायाम करते या नहीं आदि।

यह सर्वेक्षण ग्रामीण इलाकों समेत शहरी क्षेत्र में कर रहे हैं। सेवापुरी विकास खंड, बड़ागांव ब्लॉक, काशी विद्यापीठ विकास खंड, शिवपुर, भोजूबीर, कचहरी क्षेत्र, डीआईजी कॉलोनी क्षेत्र, बीएलडब्ल्यू परिसर, चेतगंज समेत विभिन्न इलाकों में यह सर्वे जिला अर्थ एवं संख्या विभाग की टीमें विभिन्न चरणों में कर रही हैं। इस सर्वेक्षण का एक चरण (इकाई) बीते शुक्रवार को पूर्ण हुआ। आगामी जून माह तक संपूर्ण सर्वे रिपोर्ट मुख्यालय भेजने का लक्ष्य है।

उम्मीद की जा रही है कि आयुष से जुड़े सर्वेक्षण की देशभर से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञों के माध्यम से उसकी समीक्षा कर सरकार नागरिकों के बीच आयुष की चिकित्सा पद्धतियों को और भी सशक्त ढंग से लाएगी। हालांकि इस बात की पुष्टि फिलहाल संभव नहीं है।

टीवी चैनल के एंकरों और हेट स्पीच पर क्यों सुप्रीम कोर्ट सख्त

नाराज

कहा, इसे सरकार ही रोक सकती है, कोर्ट ने माना, चैनल में लगे पैसे से काफी कुछ तय होता है

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हेट स्पीच और हेट क्राइम को लेकर कहा कि 'यह सरकार ही रोक सकती ह' क्योंकि यह अपराध समाज के साथ किए जा रहे हैं। अंग्रेजी अखबार द हिंदू के मुताबिक, सरकार इस बात पर सहमत है कि नफरत किसी भी धर्म के रंग के पीछे छिप नहीं सकती है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना वाली खंडपीठ में जस्टिस केएम. जॉसेफ ने कहा, हम सरकार के सामने किसी भी मामले में आना पसंद नहीं करते, लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जब धार्मिक स्वतंत्रता, सौहार्द और व्यवस्थित प्रगति गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हो तो दखल देना होता है। आज हम किस लिए लड़ रहे हैं? हमें एक राष्ट्र के रूप में बहुत कुछ हासिल करना है, लोग बिना नौकरी के भूखे मर रहे हैं। खंडपीठ की ये टिप्पणी उत्तर प्रदेश सरकार की उस सूचना के बाद आई जिसमें उसने कोर्ट को जानकारी दी है कि उसने साल 2021-2022 में हेट स्पीच के 580 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 160 मामले स्वतः संज्ञान के थे। उत्तराखंड सरकार ने बताया कि उसने 118 मामले दर्ज किए थे। जस्टिस जोसेफ ने कहा कि यह (हेट स्पीच) पूरी तरह से संकट के अलावा कुछ भी नहीं है।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टीवी पर हेट स्पीच की समस्या की ओर ध्यान दिलाया। इस दौरान कहा गया कि टीवी चैनल और उसके एंकर्स शक्तिशाली विजुअल मीडियम के जरिए, अपनी टीआरपी के लिए समाज में विभाजनकारी और हिंसक प्रवृत्ति पैदा करने के लिए कुछ खास 'एजेंडा' को बेचने का औजार बन गए हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, हमें भारत में एक स्वतंत्र और संतुलित मीडिया की आवश्यकता है। लेकिन वे संतुलित नहीं है। हमें टीवी मिले दशकों हो गए हैं लेकिन आपने (सरकार) टीवी के लिए कुछ भी नहीं सोचा और इसी वजह से वो आज सभी के लिए मुफ़्त बन गया है।

कोर्ट ने यह भी पूछा कि बढ़ती नफरत या टीवी पर पूर्वाग्रह के खिलाफ संदेश देने के लिए क्या किसी एंकर को 'ऑफ एयर' करने का फैसला लिया गया।कोर्ट ने कहा कि 'अगर स्वतंत्रता के साथ एजेंडा का इस्तेमाल किया जाए या एजेंडा को बढ़ावा दिया जाए तो आप लोगों की सेवा नहीं कर रहे हैं बल्कि इसकी कुछ और वजहें हैं। इसलिए आपको उससे निपटना होगा। कोर्ट ने कहा कि एंकर्स और चैनल के संपादकीय प्रमुखों को कंटेंट पर फैसला करना चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि चैनल के पीछे लगे 'पैसे' से वो सब तय होता है।

पगड़ी को लेकर सिख समाज गरम

रंज का इजहार

सिख सैनिकों के लिए हेलमेट की शर्त पर नाराजगी

कहा, यह हमारे लिए केवल कपड़ा नहीं

भारत में सिखों के धार्मिक संगठनों और राजनीतिक नेताओं ने सेना में सिखों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य किए जाने के फैसले का विरोध किया है। उनका कहना है कि पारंपरिक पगड़ी सिखों की धार्मिक पहचान का अहम हिस्सा है और उसे दबाया नहीं जा सकता है। भारतीय सेना ने हाल ही में सिख सैनिकों के लिए खास 'बैलिस्टिक हेलमेट' की खरीद का ऑर्डर दिया है। भारतीय सेना में बड़ी संख्या में सिख सैनिक हैं। सिख धर्म की परंपरा के तहत उन्हें अब तक हेलमेट पहनने से छूट दी जाती रही है।रक्षा मंत्रालय ने 400 मीटर तक दूरी से दागी गई गोलियों से सुरक्षा देने के लिए सिख सैनिकों के लिए विशेष डिजाइन के 12370 हेलमेट खरीदने का टेंडर जारी किया है. इनमें 8911 लार्ज साइज और 3819 एक्स्ट्रा लार्ज साइज के हैं। भारतीय सेना की सिख रेजीमेंट, सिख लाइट इंफेंट्री और पंजाब रेजीमेंट में सिख सैनिकों की बड़ी संख्या है। सिखों को उनकी धार्मिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए अब तक हेलमेट पहनने से छूट दी गई थी. लेकिन अब सेना ने अन्य सैनिकों की तरह ही सिख सैनिकों को भी बेहतर सुरक्षा देने के लिए विशेष हेलमेट खरीदने का फैसला लिया है।

हेलमेट के इस टेंडर को जमा करने की आखिरी तारीख 27 जनवरी है। हेलमेट खरीदने का फैसला टेंडर जमा होने के बाद ही किया जाएगा। भारतीय सेना सिखों की धार्मिक परंपराओं, खासकर पगड़ी को लेकर काफी संवेदनशील रही है। खतरनाक स्थितियों में बेहतर सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से हेलमेट इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया है। चूंकि यह एक संवेदनशील मामला है, इसलिए राजनीतिक स्तर पर काफी विचार-विमर्श और सिफारिशों के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। सिख धर्मस्थलों का प्रबंधन देखने वाली संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने रक्षा मंत्रालय को एक पत्र लिखकर हेलमेट के फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक सिख सैनिक को उसकी पगड़ी उतरवा कर उसकी जगह हेलमेट पहनने का आदेश देना, ताकि उससे बेहतर सुरक्षा हो सके, इस बात का सबूत है कि फैसला करने वालों को 'सिखों की सोच की समझ नहीं है और वो सिखों की पगड़ी को लेकर धार्मिक आस्था को भी नहीं जानते हैं। अमृतसर में जारी किए गए एक बयान में हरजिंदर धामी ने कहा, ₹पगड़ी एक कपड़ा नहीं है. आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व के अलावा ये सिखों की पहचान का प्रतीक भी है। सिखों का उनकी पगड़ी से लगाव सिख गौरव और गुरुओं की शिक्षा के पालन का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि सिख सैनिकों को हेलमेट पहनने के लिए मजबूर करने के फैसले से सिखों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। सिखों के सबसे पवित्र स्थल अकाल तख़्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने हेलमेट के फैसले को 'सिख पहचान पर हमला' करार दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार और सेना से इस फैसले को तुरंत वापस लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पगड़ी को हेलमेट से बदलने की कोशिश को 'सिख पहचान को दबाने की कोशिश' के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रितानी शासकों ने भी ऐसी ही कोशिश की थी लेकिन उस वक़्त भी सिखों ने उसे नाकाम कर दिया था। पगड़ी किसी सिख के सिर पर 5-7 मीटर का महज एक कपड़ा नहीं है बल्कि ये हमारे गुरुओं के जरिए दिया गया ताज है. ये हमारी खास पहचान का प्रतीक है। पंजाब में प्रभाव रखने वाली राजनीतिक पार्टी अकाली दल ने भी इस फैसले का विरोध किया है। पार्टी के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह बादल ने कहा, सरकार ने सिखों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य करार देने का जो फैसला लिया है वो सिखों की धार्मिक पहचान पर हमला है. मैं सरकार से अपील करता हूं कि वो इस फैसले पर फिर से विचार करे। सिख धर्म में अनुयायियों के लिए पांच चीजें अनिवार्य की गई हैं. ये हैं केश, लकड़ी की कंघी, कड़ा, कृपाण और कशहरा।

परंपरा का हिस्सा

सिख अपने सिर या दाढ़ी के बाल नहीं काटते हैं। वो अपने साथ बाल काढ़ने के लिए कंघी रखते हैं। हाथ में लोहे या स्टील का कड़ा पहनते हैं, सुरक्षा के लिए कृपाण (तलवार) रखते हैं और इसके अलावा अंत: वस्त्र अवश्य पहनते हैं। सिर के बालों को बांधकर और संभाल कर रखने के लिए सिख पगड़ी पहनते हैं जिसे दस्तार भी कहा जाता है। सिख सिर्फ.भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका, कनाडा, यूरोप के कई देशों और ऑस्ट्रेलिया में भी आबाद हैं. फ्रांस को छोड़कर लगभग सभी देशों में फौज में शामिल सिखों को पगड़ी पहनने की इजाजत है। हालांकि नई पीढ़ी के कई सिख नौजवान धार्मिक परंपरा के विपरीत अब बाल कटवाने लगे हैं और पगड़ी भी नहीं पहनते हैं। सिखों की धार्मिक परंपरा के मुताबिक सिख मर्दों के लिए पगड़ी से और औरतों के लिए दुपट्टे से अपने बाल ढंकना अनिवार्य है. हेलमेट या किसी और चीज से सर ढंकने को टोपी पहनने जैसा माना जाता है, जिसे सिख नहीं पहनते है। साल 1988 में पंजाब हाई कोर्ट ने बाइक चलाने वाले सिर्फ.उन सिखों को हेलमेट पहनने से छूट दी थी जो पगड़ी पहनते हों. इस फैसले का उस समय काफी विरोध भी हुआ था। वहीं साल 2018 में चंडीगढ़ प्रशासन ने बाइक या स्कूटी चलाने वाली या उसके पीछे बैठने वाली सिख औरतों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य किया था। लेकिन सिखों के धार्मिक संगठनों और राजनीतिक पार्टियों के सख़्त विरोध के बाद ये फैसला वापस ले लिया गया था।